जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 302 प्रभात जालोर, शुक्रवार 7 फरवरी, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस को धन्यवाद प्रस्ताव पर मोदी का भाषण ''निराशाजनक'' लगा

कांग्रेस के अनुसार, 60 बार मोदी ने कांग्रेस का नाम लिया, पर, कोई नई बात नहीं की, केवल जवाहर लाल नेहरू व आपातकाल के अवगुण गिनाये और जोर देकर बताया कि कांग्रेस केवल एक ही परिवार के हित के अनुसार नीतियां बनाती है

-रेण मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव का राज्यसभा में जवाब देते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 60 बार कांग्रेस का नाम लिया।

देश के लिये अपने विज़न, जनता के लिये अपनी आशाओं और आकांक्षाओं तथा भविष्य के लिये अपनी योजना की रूपरेखा को साझा करने के मामले में, नरेन्द्र मोदी के पास कहने के लिये कुछ भी नया नहीं है।

इसके अलावा, उनका भाषण कांग्रेस पार्टी के लिए अपशब्दों और निंदा की एक लंबी फहरिश्त थी। उन्होंने जवाहर लाल नेहरू से शुरुआत की, आपातकाल पर आये और यह बताते रहे कि यह किस तरह से एक परिवार, वंशवाद, तुष्टिकरण की राजनीति, कोटा, परमिट राज तथा ऐसी ही चीजों की पार्टी रही है।

उनके पूरे भाषण में अतीत, शिकायतों की कहानी तथा कांग्रेस के प्रति कटुता पूरी तरह दिखाई दे रही थी।

मोदी बार-बार कहते रहे कि सबका साथ, सबका विकास भाजपा का मंत्र है तथा भाजपा के लिये पहले राष्ट्र आता है, परिवार नहीं।

- **कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका से ''डिपोर्ट'' किये गये भारतीय नागरिकों को हाथों में हथकड़ियाँ व पैरों में बेड़ियाँ डालकर, बड़े अपमानजनक तरीके से एयरफोर्स के हवाई जहाज से 40 घंटे की यात्रा करा कर, भारत भेजा गया। पर, प्रधानमंत्री मोदी ने इस अपमानजनक बर्ताव के लिये अपने भाषण में कुछ भी नहीं कहा।**
- **कांग्रेस का यह भी कहना था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने राहुल गांधी धन्यवाद प्रस्ताव पर अपना भाषण दिया और उस भाषण में जो भी महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये उनका भी प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कुछ भी जिक्र नहीं किया, हालांकि, उम्मीद थी कि वे इन मुद्दों को जरूर संबोधित करेंगे अपने जवाब में।**

रोचक बात यह रही कि मोदी के भाषण से ठीक पहले, विपक्ष ने मोदी और उनकी सरकार की खिंचाई करते हुये कहा कि वे अमेरिका से निर्वासित भारतीयों की दुर्दशा के मुक दर्शक बने हुये हैं। उनके हाथों में हथकड़ियाँ थीं, पैरों में बेड़ियाँ थीं, 40 घंटे तक वे हवाई जहाज में अग्निपरीक्षा से गुजर रहे थे, उनके साथ जानवरों जैसा व्यवहार किया जा रहा था, और इधर मोदी और उनके विदेश मंत्री चुप्पी साधे हुये थे। इन दोनों ने ट्रम्प द्वारा निर्वासित इन प्रवासियों के समर्थन में एक शब्द तक नहीं कहा।

विपक्ष ने सरकार पर जमकर प्रहार किया, लेकिन प्रधानमंत्री के पास इस बिन्दु पर कहने के लिये कुछ भी तो नहीं था।

नरेन्द्र मोदी के पास राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में दिये गये भाषण के विषय में भी कहने के लिये कुछ नहीं था। राहुल ने अपने भाषण में मैन्यूफैक्चरिंग के आँकड़ों के रसातल में पहुँचने की बात कही, उत्पादन बढ़ाने की जरुरत बताई, चीनियों का सामना करने के लिये ललकारा, अमेरिका से बराबर के स्तर पर बात करने जरुरत बताई तथा ऐसी ही कई कड़वी सच्चाइयों से रुबरु किया था।

जैसा कि राहुल गांधी ने कहा, मोदी के पास युवाओं के सामने खड़ी समस्याओं का कोई समाधान और जवाब नहीं है।

राहुल ने रहस्योद्घाटन किया था कि लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनावों के बीच, महाराष्ट्र 7 लाख वोटर बढ़ गये और शिरडी की एक बिल्डिंग में ही 7000 नये मतदाता बढ़ गये थे, और जहाँ-जहाँ मतदाता सूची में ये नये मतदाता जोड़े गये, उन सभी सीटों पर भाजपा जीती। कितनी मजेदार बात है।

और मोदी जी के पास विपक्ष द्वारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कैदी से मारपीट करने वाले जेल अधीक्षक पर विभागीय कार्यवाही करें'

जयपुर, 6 फरवरी। राज्य मानवाधिकार आयोग ने अजमेर में केन्द्रीय कारागार में कैदी से मारपीट और उसके साथ प्रताड़ना करने वाले तत्कालीन जेल अधीक्षक संजय यादव और प्रहरी दिनेश, सुनील, विक्रम, धर्मेन्द्र, शिशुपाल, अजीत और उम्मेद सिंह के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने की सिफारिश की है। इसके साथ ही, आयोग ने बंदी मुकेश के

- **राज्य मानवाधिकार आयोग ने अजमेर के केन्द्रीय कारागार के तत्कालीन जेल अधीक्षक तथा सात प्रहरियों के खिलाफ कार्यवाही की सिफारिश की।**

मानवाधिकार हनन होने पर उसे पचास हजार रुपए व दो अन्य कैदी करण और श्याम लाल को 25 हजार रुपए अदा करने को कहा है। आयोग ने यह आदेश दोषी अधिकारियों से वसूलने की छूट दी है। आयोग सदस्य जस्टिस रामचन्द्र सिंह झाला ने यह आदेश किरण शेखावत के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि किसी भी व्यक्ति के जेल में बंद रहने के आधार पर उसके मानवाधिकार समाप्त नहीं होते हैं। यह राज्य सरकार का दायित्व है कि वह जेल में बंद व्यक्ति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या दिल्ली का ''मिडिल क्लास'' आप से शिफ्ट हुआ है, इस बार चुनाव में?

और क्या यह ही मुख्य कारण रहेगा, आप को तीसरी बार सरकार बनाने से रोकने के लिये?

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। पांच फरवरी को हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों के परिणाम की प्रतीक्षा के बीच माना जा रहा है कि भाजपा, लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की आम आदमी पार्टी की कोशिश को भाजपा सफल नहीं होने देगी। इस बात को लेकर भी अटकलबाजियाँ जोरों पर हैं कि भाजपा चुनाव में बहुमत किस तरह से पार करेगी।

अंदाज़ यह लगाया जा रहा है कि मध्यम वर्ग की शिकायत व कुंठा के कारण भाजपा दिल्ली में सत्ता में आएगी।

यह कहना वाजिब होगा कि दिल्ली की मिडिल क्लास जनता में काफी असंतोष, मायूसी और निराशा है, जिसका कारण, बेरोजगारी, महंगाई या सरकार की नीतियों की असफलता हो सकता है।

दिल्ली के मध्यम वर्ग को रोजगार, जीवनयापन की लागत, शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा प्रशासनिक असफलता जैसी अनेक चिंताएं हैं। भाजपा ने राष्ट्रीय उपलब्धियों को गिनाकर तथा सुधारों व कल्याणकारी योजनाओं के वादे करके जनता की इस मायूसी को

- **दिल्ली के मध्यम वर्ग (मिडिल क्लास) को कई शिकायतें थीं, आप से, जैसे, नये रोजगारों का सृजन न होना, ''कॉस्ट ऑफ लिविंग'' में वृद्धि, नगरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर (सड़कें आदि) की खराब स्थिति तथा गवर्नेन्स व सरकारी सुविधाओं का घटता स्तर आदि।**
- **भाजपा ने ''मिडिल क्लास'' की इन शिकायतों के जवाब में प्रशासन में सुधार करने के वादे किये व कई ''वैलफेयर स्कीम्स'' शुरु करने का विश्वास दिलाया तथा यह साबित करने का प्रयास किया कि भाजपा के वादे थोथे वादे नहीं हैं और इसका प्रमाण है केन्द्रीय सरकार की उपलब्धियाँ।**
- **दिल्ली में ''मिडिल क्लास'' की कॉलोनियां, जैसे साउथ दिल्ली व नई दिल्ली में मतदान का प्रतिशत कम होना भी इस बात का संकेत माना जा रहा है कि दिल्ली का मध्यम वर्ग आप से असंतुष्ट था।**

दूर करने की कोशिश की है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के एग्ज़िट पोल्स तथा मतदान प्रतिशत मतदाता के सम्मान में संभावित बदलाव को इंगित करते हैं, जो मिडिल क्लास के आम आदमी पार्टी के मोहभंग का संकेत हो सकते हैं। कई एग्ज़िट पोल्स भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, एक्सिस माइ इण्डिया का एग्ज़िट पोल की भविष्यवाणी है कि भाजपा को 70 में से 45 से 55 सीटें मिलेंगी, जबकि, आप के लिए 15 से 25 सीटों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राज्य में कितने मेडिकल कॉलेज हैं और उनमें कितने शिक्षक हैं'

हाई कोर्ट की डबल बैंच ने जनहित याचिका पर राज्य सरकार से 3 सप्ताह में जवाब मांगा

जयपुर, 6 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों की कमी के मुद्दे को लेकर राज्य सरकार से पूछा है कि प्रदेश में सरकारी और निजी कितने मेडिकल कॉलेज हैं, उनमें शिक्षकों के कितने पद स्वीकृत हैं और उनमें कितनी संख्या में शिक्षक पदस्थापित हैं। इसके साथ ही, अदालत ने मेडिकल काउन्सिल ऑफ इंडिया से यह बताने को कहा है कि मेडिकल कॉलेजों में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों के कार्यरत होने को लेकर उनके पास क्या मैकेनिज़्म है। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने यह आदेश महेन्द्र गौड़ की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने इस मुद्दे पर सरकार से 3 सप्ताह में जवाब मांगा है।

जनहित याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि प्रदेश में संचालित अधिकांश

- **अदालत ने मेडिकल आउन्सिल ऑफ इंडिया को भी यह बताने को कहा है कि मेडिकल कॉलेजों में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों के कार्यरत होने को लेकर उनके पास क्या मैकेनिज़्म है।**

मेडिकल कॉलेजों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी है। नेशनल मेडिकल कमीशन की रिपोर्ट के अनुसार, कॉलेज में एक विषय के लिए कम से कम एक शिक्षक तो होना ही चाहिए। शिक्षकों की कमी के कारण, एमबीबीएस पाठ्यक्रम का अध्ययन प्रभावित हो रहा है और बिना मार्गदर्शन कोर्स पूरा होने के बाद यह चिकित्सक किस तरह मानव शरीर का इलाज करेंगे, यह समझ से परे है।

याचिका में कहा गया कि मेडिकल कॉलेज की मान्यता के लिए होने वाले निरीक्षण के समय दूसरे मेडिकल कॉलेज से शिक्षकों को संबंधित कॉलेज में पदस्थापित कर लिया जाता है और निरीक्षण पूरा होने के बाद शिक्षक को वापस भेज दिया जाता है। याचिका में कहा गया कि नेशनल मेडिकल कमीशन की वेबसाइट पर चिकित्सा शिक्षकों का डेटा प्रदर्शित होना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि किसी मेडिकल कॉलेज में कितने पद स्वीकृत हैं और इनमें से कितने पद खाली चल रहे हैं।

मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार से मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों के स्वीकृत पदों और कार्यरत शिक्षकों की जानकारी मांगते हुए, एमसीआई से भी इस संबंध में बनाए गए मैकेनिज़्म की जानकारी पेश करने को कहा है।

सांसद-विधायकों के अपराधिक मामलों में जल्दी सुनवाई पूरी करें

जयपुर, 6 फरवरी (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सांसद और विधायकों से जुड़े आपराधिक प्रकरणों की सुनवाई जल्दी पूरी करने को कहा है। अदालत ने संबंधित सत्र न्यायालयों को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने राज्य सरकार को

- **हाई कोर्ट ने महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद को इन मामलों के जल्दी निस्तारण पर दो माह में सुझाव देने को कहा।**

कहा है कि वह इन प्रकरणों में जारी समन और वारंट आदि की तामील सुनिश्चित कराए, ताकि प्रकरणों के निस्तारण में देरी न हो। इसके अलावा, अदालत ने सरकारी वकीलों की ओर से इन मामलों में अनावश्यक तारीख नहीं लेने को कहा है।

अदालत ने कहा कि यदि मुकदमे की सुनवाई के लिए किसी तरह की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पद्मेश मिश्रा की सुप्रीम कोर्ट में एएसजी पद पर नियुक्ति वैध है'

हाई कोर्ट ने कहा कि लॉ ऑफिसर की नियुक्ति करना राज्य सरकार का प्रशासनिक व वैधानिक अधिकार है

जयपुर, 6 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट में पैरवी के लिए पदमेश मिश्रा को अतिरिक्त महाधिवक्ता (एडिशनल सॉलिसिटर जनरल/ए.ए.जी.) के तौर पर नियुक्त करने को कानूनी तौर पर वैध माना है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से एएजी पद पर की गई नियुक्ति विधिसम्मत है और लॉ ऑफिसर की नियुक्ति करना राज्य सरकार का प्रशासनिक व वैधानिक अधिकार है। इसके साथ ही, अदालत ने इस संबंध में दायर याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से जिस तरह पैरवी की गई है, वह प्रशंसनीय है, लेकिन वह किसी भी तरह की राहत प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश अधिवक्ता सुनील समदड़िया की याचिका पर दिए। अदालत में पदमेश मिश्रा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गगन गुप्ता और उनके सहायक शाश्वत

- **अदालत ने याचिकाकर्ता की पैरवी की प्रशंसा की, पर, कहा कि वह किसी तरह की राहत प्राप्त करने के अधिकारी नहीं है।**

पुरोहित पैरवी के लिए पेश हुए थे, जबकि राज्य सरकार की ओर से एएजी भरत व्यास ने जवाब पेश किया।

याचिका में कहा गया था कि राज्य सरकार की वाद नीति, 2018 के अनुसार, 10 साल का वकालत अनुभव रखने वाले अधिवक्ता को ही एएजी नियुक्त कर सकते हैं। राज्य सरकार ने इसमें संशोधन कर विशेषज्ञता के आधार पर किसी भी अधिवक्ता को एएजी बनाने का प्रावधान किया है। इसके तहत ही राज्य सरकार ने वकील के तौर पर 2019 में पंजीकृत पदमेश मिश्रा को 23 अगस्त 2024 को सुप्रीम कोर्ट में सरकार का पैनल एडवोकेट नियुक्त किया और इसके 3 दिन बाद ही, उन्हें सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार का एएजी बना दिया। इससे दिखता है कि यह फैसला जल्दबाजी में और किसी को फायदा पहुंचाने के लिए लिया गया है। इसलिए मिश्रा को एएजी के तौर पर कार्य करने से रोका जाए।

इसके जवाब में, राज्य सरकार की ओर से एएजी भरत व्यास ने कहा कि कानून में राज्य सरकार को विधिक व प्रशासनिक शक्तियां दी गई हैं, जिनके तहत, राज्य सरकार को यह अधिकार है कि वह अपने लॉ ऑफिसर्स की कहीं पर भी नियुक्त कर सकती है। वहीं, राज्य सरकार प्रशासनिक गाइडलाइन को भी संशोधित कर सकती है। ''वाद-नीति 2018'' सिर्फ एक नीति है, कोई कानून नहीं, इसलिए सरकार इसमें संसोधन करने का पूरा अधिकार रखती है।

ए.ए.जी. भरत व्यास ने अदालत में कहा कि पदमेश मिश्रा को 23 अगस्त 2024 को सुप्रीम कोर्ट में सरकार का पैनल एडवोकेट नियुक्त करना तथा इसके 3 दिन बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार का एएजी बनाया जाना, सिर्फ संयोग मात्र है। यह निष्कर्ष निकालना कि वाद नीति 2018 में परिवर्तन का फैसला किसी को फायदा पहुंचाने के लिए लिया गया था, अतिशयोक्ति होगा। यह पदमेश मिश्रा की कार्य कुशलता को दर्शाता है कि सरकार ने उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी। अतिरिक्त महाधिवक्ता की नियुक्ति संविदात्मक करार के माध्यम से की जाती है, यह किसी सिविल अधिकारी की नियुक्ति के मापदण्डों के आधार पर नहीं होती। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट में पदमेश मिश्रा की एएजी पद पर नियुक्ति विधिसम्मत है और इसे चुनौती देने वाली याचिका में कोई मेरिट नहीं है। इस नियुक्ति को अदालत में रिट दायर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भीमा कोरेगांव केस में जमानत याचिका स्थगित

नयी दिल्ली, 06 फरवरी। उच्चतम न्यायालय ने प्रतिबंधित माओवादी समूहों के साथ कथित संबंधों के आरोपों से जुड़े भीमा कोरेगांव मामले के संबंध

- **सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में आरोपी अधिवक्ता सुरेन्द्र गाडलिंग, सोशल एक्टिविस्ट ज्योति जगताप की जमानत याचिकाओं के साथ एनआईए की भी याचिका स्थगित कर दी, जो सह आरोपी महेश राउत को जमानत देने के खिलाफ दायर की गई थी।**

में, अधिवक्ता सुरेन्द्र गाडलिंग और सामाजिक कार्यकर्ता ज्योति जगताप की जमानत याचिकाओं पर गुरुवार को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अवैध अप्रवासियों को डिपोर्ट करने का यही प्रावधान है, यात्रा के दौरान उन्हें बांधकर रखा जाता है'

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद में बयान दिया और मोदी सरकार के बचाव का प्रयास किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। हक्की-बक्की मोदी सरकार डैमेज कंट्रोल में जुटी है। अवैध अप्रवासी भारतीयों को वापस लाने वाला अमेरिकन सैन्य विमान अमृतसर में उतरा। इसमें सवार 104 भारतीयों के हाथों में हथकड़ी और पैरो में बेड़ी थी, उन्हें भूखा प्यासा रखा गया था, मानो वे गुलाम हो, इस घटना ने औपनिवेशिक काल की याद ताजा करा दी।

मोदी सरकार का बचाव करते हुए, राज्यसभा में विदेश मंत्री एस. जयशंकर प्रसाद ने कहा कि भारत अमेरिका से बात कर रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अमेरिका से भारत लाए जाने वाले अप्रवासियों को किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार न सहना पड़े।

अमेरिकन सैन्य विमान में लौटे अवैध अप्रवासी भारतीयों के साथ अमानवीय व्यवहार के मुद्दे पर दोनों सदनों में विपक्ष ने भारी हंगामा मचाया। इसके बाद जयशंकर का बयान आया।

आश्चर्य की बात यह है कि अमेरिका अप्रवासियों को वापस भेजने के लिए कौनसा तरीका अख्तियार करेगा, इसकी केन्द्र सरकार को कोई जानकारी नहीं थी। विदेश मंत्रालय को अवैध अप्रवासियों को अमेरिका से भारत लाने पर ट्रम्प प्रशासन से बात करनी चाहिए थी।

भारत के पास काफी समय था, क्योंकि ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान जयशंकर अमेरिका में मौजूद थे और अमेरिकन अधिकारियों ने उन्हें बताया था कि अवैध अप्रवासी भारतीयों को वापस भेजा जाएगा। सरकार इन लोगों की ससम्मान वापसी का प्रयास कर

- **अप्रवासी भारतीयों को भूखा-प्यासा रखकर बेड़ियों में जकड़ कर लाने पर भारत के विपक्षी नेता भारी गुस्से में हैं, सभी ने कहा, जब ट्रम्प और मोदी दोस्त बताए जाते हैं, फिर ऐसा कैसे हो गया।**
- **कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकन राष्ट्रपति की दोस्ती की बहुत बाते की जाती हैं, फिर प्रधानमंत्री ने ऐसा कैसे होने दिया।**
- **राहुल गांधी और अखिलेश यादव ने अपमानजनक डिपोर्टेशन के लिए केन्द्र सरकार और विदेश मंत्रालय की कड़ी आलोचना की।**

सकती थी, जैसे कि पहले भी किया था।

पूर्व में जयशंकर ने कहा था कि डिपोर्टेशन इम्मिग्रेशन एण्ड कस्टम्स एनफोर्समैंट (आईसीई) अथॉरिटीज़ द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि आईसीई, जो 2012 से सक्रिय है, के विमान से डिपोर्ट करने का स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर में बांध के रखने का प्रावधान है।

मंत्री ने कहा कि हालांकि हमें आईसीई ने बताया था कि औरतों और बच्चों को नहीं बांधा जाएगा। इसके अलावा, इस दौरान इन लोगों की भोजन-पानी व अन्य आवश्यकताओं को पूरा किया जाएगा। चिकित्सा सुविधा दी जाएगी और टॉयलैट ब्रेक के दौरान बंधन खोल दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि ये नियम सैन्य विमान के साथ चार्टर्ड सिविलियन एयरक्राफ्ट में भी लागू होते हैं। इनमें कोई बदलाव नहीं है, मैं दोहराता हूँ कि पूर्व में अमेरिका से हुए डिपोर्टेशन और 5 फरवरी को हुए डिपोर्टेशन में कोई फर्क नहीं है।

विपक्षी सदस्यों के सवालों के जवाब में मंत्री ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि वे डिपोर्ट हो रहे लोगों के साथ बैठकर यह पता लगाएं कि वे अमेरिका कैसे पहुंचे, एजेंट कौन था, ताकि अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर विचार किया जा सके।

जयशंकर ने कहा कि सभी देशों की जिम्मेवारी है कि अगर उनके नागरिक कहीं भी गैर कानूनी रुप से रह रहे हैं तो उन्हें वापस बुलाया जाए। यह नीति किसी खास देश पर नहीं लागू है, न सिर्फ भारत पर लागू है। यह अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंधों का एक सामान्य सिद्धांत है।

इसी बीच, सरकार की प्रोपैगैंडा शाखा प्रैस इन्फॉमैशन ब्यूरो (पीआईबी) ने उन तस्वीरों को ''फेक'' बताया है, जिसमें डिपोर्ट किए गए भारतीयों को हथकड़ियों और बेड़ियों में जकड़ा बताया गया है।

आज दिन में विपक्षी सांसदों, जिनमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व सपा नेता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान से 68 हिंदुओं का दल महाकुंभ आया

महाकुंभनगर, 06 फरवरी। महाकुंभ की दिव्यता के बारे में सोशल मीडिया पर देख सुनकर पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लोग खुद को यहां आने से रोक नहीं सके और वहां से 68 हिंदू श्रद्धालुओं का एक जत्था बृहस्पतिवार को यहां पहुंचा। गुरूवार को कई

- **सिंध प्रांत से ये लोग महाकुंभ के वैभव से अभिभूत नज़र आए, गुरुवार को कई वीवीआईपी भी महाकुंभ स्नान के लिए आए।**

वीवीआईपी महाकुंभ आए। केन्द्रीय मंत्री श्रीपद नाइक, भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद, हरियाणा सीएम नायब सिंह सैनी, मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने संगम में डुबकी लगाई। सैनी पूरे परिवार के साथ महाकुंभ पहुंचे थे। उन्होंने बोट की सवारी भी की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हिंसा के मुकाबले में लाचारी का भाव आना अहिंसा नहीं कायरता है। अहिंसा को कायरता के साथ नहीं मिलाना चाहिए। –महात्मा गाँधी

वोट देने का अधिकार और फ्रीबीज

अधिकार कई तरह के होते हैं। इन्हें हम चार श्रेणियों में ले सकते हैं। (1) मूल अधिकार (2) संवैधानिक अधिकार (3) कानून प्रदत्त अधिकार व (4) प्राकृतिक अधिकार। मूल अधिकार वे हैं, जिन्हें संविधान के भाग 3 में लिखा गया है। संविधान ने हमें, हम लोगों ने हम लोगों के लिये राजनीतिक न्याय, सामाजिक न्याय व आर्थिक न्याय देने की व्यवस्था की है। मूल अधिकार राजनीतिक न्याय देने का प्रतिफल है। अनुच्छेद 14 के द्वारा समता का अधिकार दिया। अनुच्छेद 15 धर्म मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध किया गया है। अनुच्छेद 19 में वाक स्वातंत्रय का संरक्षण दिया है। अनुच्छेद 21 में गरिमामय जीवन का अधिकार है। अनुच्छेद 21 व 21क में शिक्षा का मूल अधिकार है। कोई भी अप्रिय निर्णय लेने से पहले सुनवाई का निर्णय प्राकृतिक न्याय है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 व लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत् मतदान का अधिकार है। संविधान के अनुच्छेद 326 में यह व्यवस्था है कि लोकसभा और राज्य की विधानसभा के लिये निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर है। प्रारम्भ में 21 वर्ष के भारतीय को मतदान का अधिकार दिया गया था और संविधान (इकसठवां संशोधन) अधिनियम, 1988 में 21 के स्थान पर 18 वर्ष को प्रतिस्थापित किया गया। संविधान के अनुच्छेद में स्पष्ट घोषित किया गया कि मतदान का यह अधिकार लिंग, जाति, धर्म, वर्ग कुछ भी हो प्रत्येक भारतीय को मतदान का अधिकार है (वोट देने का अधिकार है)। प्रत्येक भारतीय को जो 18 वर्ष का है उसे मताधिकार का प्रयोग करने और चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी बनने का अवसर दिया गया है।

भारत के संविधान की विशेषता है कि यहां मतदान के लिये स्त्री व पुरूर्ष में कोई भेद नहीं है। भारत में महिलाओं को इंग्लैण्ड व अन्य कई यूरोपियन देशों से पहले मतदान का अधिकार दिया गया है।

वोट देने के अधिकार की लम्बी लड़ाई लड़नी पडी है। भारत सरकार अधिनियम 1919 में प्रान्तीय परिषदों को यह निर्धारित करने की अनुमति दी गई कि वे निर्णय करें कि क्या महिलायें मतदान कर सकती हैं? यह शर्त रखी गई कि मतदान का अधिकार उन्हें उस समय मिले जब उनके पास सम्पत्ति हो, पढ़ी लिखी हों और उनकी आय का साधन हो। 1919 से 1929 तक कई राज्यों में महिलाओं को वोट का अधिकार था। 1920 में झालावाड़ के राज्य में वोट का अधिकार था। यह माना गया था कि मनु स्मृति के अनुसार महिला पढ़ी लिखी नहीं हो सकती थी। बाद में सोच में परिवर्तन आया और महिला को वोट देने के हेतु 8वीं पास आवश्यक माना गया। 1935 से 1947 तक इस सोच पर चर्चा होती रही। संविधान निर्मात्री सभा ने बाबा साहब अम्बेड़कर की अपील पर सभी शर्तें समाप्त की और 21 वर्ष की आयु होने पर महिलाओं को मताधिकार दिया गया जो वर्तमान में 18 वर्ष हो गया है। दुर्भाग्य की बात है कि मतदान हेतु शिक्षा की कोई भी शर्त पुरूष व स्त्री मतदाता के हेतु आज भी नहीं है। समय की पुकार है कि मतदान के हेतु संवैधानिक अधिकार के हेतु शिक्षा की शर्त अनिवार्य किया जावे। स्वतंत्रता के 75 वर्ष हो जाने पर भी हमारी विधानसभा में व लोकसभा में आज भी बिना पढ़े लिखे लोग हैं। उसका परिणाम है कि हमारे कानून त्रुटिहीन नहीं बन पाते हैं।

देश को अपने संविधान पर गर्व है। संविधान में भाग 4क जोड़ा जाकर 1976 में संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 से भारतीयों के लिये मूल कर्त्तव्य निर्धारित किये। यहां भी चूक हो गई कि जो नागरिक अपने मूल कर्त्तव्यों की पालना नहीं करता पाया जावे, उसके विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती। देश में कहीं न कहीं आन्दोलन होते रहते हैं और इन आन्दोलनों में रेल्वे लाईन व सड़क की तोड़फोड़ अधिक होती है, जबकि मूल कर्त्तव्य में अपेक्षा की है कि देश का प्रत्येक नागरिक सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखेगा और हिंसा से दूर रहेगा (देखिये अनुच्छेद 51(प))। यदि चुनाव कानून में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में यह शर्त धारा 123 में जोड़ दी जावे कि सड़क तोड़ना व रेल्वे लाईन को तोड़ना या रेल्वे की व सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाना भ्रष्ट आचरण माना जावेगा और इसे सिद्ध माने जाने पर व्यक्ति को चुनाव लड़ने से वंचित किया जावेगा तो जनता में नि:संदेह अनुशासन आयेगा और वर्तमान स्थिति में भारी परिवर्तन होगा। आज तो कोई भी घटना हुई और रोड़ ब्लॉक कर दी जाती है और रेलों का आवागमन रोक दिया जाता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुये कानून में उचित संशोधन की आवश्यकता है। प्रथम तो विधायक व सांसद बनने के लिये बी.ए. तक की शिक्षा अनिवार्य हो और दूसरा मूल कर्त्तव्य की पालना न करने वाले को चुनाव में खड़ा होने से वंचित किया जावे इसके लिये केन्द्र व राज्य सरकार नियम बना सकती हैं।

चुनाव के समय मतदाताओं को रिझाने के लिये, उनका वोट प्राप्त करने के हेतु फ्रीबीज का सहारा लिया जाता है। हमारा देश एक लोकतंत्र है, जहां अपेक्षा की जाती है कि चुनाव सात्विक हो और चुनाव अपराध घटित न हो। चुनाव में मतदान करना संवैधानिक अधिकार है। मतदान कैसे हो इस संबंध में पूरी प्रक्रिया लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में दी गई है।

इन दिनों दिल्ली के चुनावों में फ्रीबीज यानी मुफ्त की रेवडियों का जो वितरण किया गया या उनका वायदा किया वह लोकतंत्र के लिये शर्म का विषय है। प्रारम्भ में केजरीवाल ने मुफ्त बिजली, पानी से इसका प्रारम्भ किया अब तो यह केश ग्रान्ट व कई प्रकार की सुविधाओं तक पहुंच चुका है। अब तो बीजेपी व कांग्रेस भी इसी मार्ग पर आ गई हैं। इसका यह असर होने जा रहा है/ हो रहा है कि राज्य कर्जा ले रहे हैं, उसे चुकाने में सर्वथा असमर्थ ही नहीं हो रहे हैं अपितु कर्जे के ब्याज को चुकाने के लिये भी कर्जा ले रहे हैं। भारत के पड़ोसी कई देश दिवालिया हो चुके हैं या उसकी कगार पर हैं। यदि भारत में यही स्थिति रही तो भारत के विकास की गति रूक जावेगी। उसका तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनने का सपना टूट जावेगा।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में धर्म के नाम की लडाई पहले हो चुकी है अब जाति की लडाई है। मतदाताओं में स्त्री मतदाता व पुरूष मतदाता है। बुजुर्ग मतदाता है। ब्राह्मण मतदाता हैं। पुजारी व ग्रन्थी मतदाता है। मुस्लिम व दलित मतदाता है। ऑटो चालक है। मकानों में रहने वाले किरायेदार है। केजरीवाल ने प्रत्येक महिला मतदाता को 2100/–रूपये प्रतिमाह देने का वायदा किया है, 'आप' को वोट दो और उपहार लो। कांग्रेस व बीजेपी इससे भी अधिक केश देने को तैयार हैं। 16 प्रतिशत बुजुर्गों के लिये स्वास्थ्य योजना है। केजरीवाल दलितों के बच्चों को पढ़ाई के लिये विदेश भेजने का तैयार है। केजरीवाल मतदाता पुजारियों व ग्रन्थियों को 18000/–रूपये प्रतिमाह देने का वायदा कर रहे तो बीजेपी इससे अधिक कैश ग्रान्ट 2500/–रूपये देने को तत्पर है। वस्तुत: सभी राजनीतिक पार्टियां फ्रीबीज की पिच पर बेटिंग कर रही है। बीजेपी के प्रवेश वर्मा पर आरोप है कि वे तरह–तरह की वस्तुयें वोट देने वालों को भेंट कर रहे हैं। बीजेपी 500/–रूपये में गेस सिलेन्डर दे रही है। कौन सी पार्टी क्या कैश ग्रान्ट देने का वायदा कर रही है वह पहले के लेखों में स्पष्ट किया जा चुका है और सबको विदित भी है। प्रश्न एक ही है कहां से पैसा आयेगा? यह स्वीकार तथ्य है कि इन्कम से अधिक सब्सिडी व कैश ग्रान्ट (फ्रीब्रीज) पर खर्चा है। राज्य कर्जे के बोझ से डूब जावेंगे।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने एआई बुनियादी सुविधाओं पर 50,000/– करोड़ डालर निवेश की घोषणा की है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने नई कम्पनी बनाने की पहल की है। स्टारगेट तय करेगा नई तकनीकी का भविष्य। एआई के विकास के अमरीका ने प्रतिस्पर्धा का एक नया मॉडल तैयार किया है। चीन भी इस होड़ में पीछे नहीं है। भारत को भी इसी स्तर पर आगे बढ़ना होगा, उसे भी बडी रकम इन्वेस्ट करनी होगी। भारत के सामने चुनौती है कि वह 2047 तक विकसित राष्ट्र बने। हमारे सामने चुनौतियां बहुत हैं और शत्रुओं की भी कमी नहीं है। हमारे सामने महिला सशक्तिकरण का ध्येय पहले ही से प्राथमिकता लिये हुये है। दिल्ली का चुनाव बीजेपी व कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती है।

चुनाव के समय मतदाताओं को रिझाने के लिये, उनका वोट प्राप्त करने के हेतु फ्रीबीज का सहारा लिया जाता है। हमारा देश एक लोकतंत्र है, जहां अपेक्षा की जाती है कि चुनाव सात्विक हो और चुनाव अपराध घटित न हो। चुनाव में मतदान करना संवैधानिक अधिकार है। मतदान कैसे हो इस संबंध में पूरी प्रक्रिया लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में दी गई है। इस अधिनियम की धारा 123 में चुनावों के समय होने वाले भ्रष्ट आचरण (Corrupt Practice) को विस्तार के साथ परिभाषित किया गया है। इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित को भ्रष्ट आचरण माना जावेगा। इसमें रिश्वतखोरी (Bribe) को परिभाषित किया गया है। 'रिश्वत खोरी' अर्थात् (अ) किसी अभ्यर्थी या उसके एजेन्ट द्वारा या अभ्यर्थी या उसके इलेक्शन एजेन्ट की सहमति से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का उपहार, प्रस्ताव, या पारितोषण देने का वायदा, जिसका उद्देश्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन गतिविधियों को प्रेरित करना है, जिनका उल्लेख उक्त प्रावधानों में किया गया है। यहां यह लिखना समीचीन होगा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिये तथा देश के लिए चुनाव कानून अलग–अलग हैं। दिल्ली के चुनाव कानून में रिश्वत को उसी प्रकार परिभाषित किया है जैसा जनरल लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 धारा 123 में किया गया है।

सन् 2013 में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने एस सुब्रामनियम बालाजी बनाम स्टेट ऑफ तमिलनाडू में यह निर्णय दिया था कि Bribe (रिश्वत) की परिभाषा में फ्रीबीज (Freebies) का वायदा करना भ्रष्ट आचरण नहीं है। किन्तु 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय पर पुन: विचार करने के लिये 3 माननीय जजों की खण्डपीठ का गठन करने के निर्देश दिये हैं। इसका अर्थ है सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह फ्रीबीज का विषय विचारणीय है। यह निर्देश 2022 का है, और 2025 आ चुका है तथा 5 फरवरी 2025 को चुनाव भी हो चुके हैं अत: यह अपेक्षा की जाती है कि ऐसे संवेदनशील विषय पर शीघ्र निर्णय हो तो देश हित में होगा। अन्यथा फ्रीबीज के वायदे की घोषणायें केन्द्र व राज्यों को दिवालिया बना देगी और 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाना असम्भव हो जावेगा। ध्यान रहे तीव्र गति से न्याय प्राप्त करना भी भारतीयों का मूल अधिकार है। यों आसान उपाय धारा 123 ही में समस्या मूलक संशोधन कर किया जा सकता है।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

भारत में मेंटल हेल्थ की भयावह स्थिति

अविनाश जोशी

आज की तेजी से बदलती दुनिया में इंसानों के लाइफस्टाइल में काफी बदलाव आया है, ऐसे में मेंटल हेल्थ एक बहुत बड़ा मुद्दा बन के विश्व के सामने उभर कर आया है। आज पूरी दुनिया में इसके मरीज बहुत तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। एंजायटी डिप्रैशन स्ट्रेस से पीड़ित मरीजों की संख्या दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। शुरुआती दौर में अमूमन लोग इसको इग्नोर कर देते हैं और सही से इसकी पहचान भी नहीं कर पाते हैं और नतीजतन यह एक बड़े नासूर के तौर पे हमारी दैनिक दिनचर्या को तकलीफदेह बना देता है। हालांकि जागरूकता महत्वपूर्ण मुद्दा है। मानसिक स्वास्थ्य का यह विषय विश्व में सबसे बड़ा मुद्दा बनकर उभर रहा है और अनेक रिसर्च एजेंसियां इस विषय पे काम भी कर रही है। मेंटल हेल्थ का मतलब है कि लोग कैसे सोचते हैं महसूस करते हैं और व्यवहार करते हैं। कुछ ऐसे लक्षण है जिससे हम यह समझ सकते हैं कि व्यक्ति मेंटल हेल्थ से ग्रसित है जैसे अकेलापन महसूस होना, बार–बार मन में आत्महत्या की भावना आना, बार–बार गुस्सा आना, अपने आप को असहाय निराश समझना, खाने, सोने और बैठने–उठने की आदतों में आमूलचूल बदलाव आना, या हर बात पर भ्रमित रहना।

कहते हैं इंसान अगर अभिव्यक्त हो जाए तो उसकी जो मेंटल हेल्थ है वह ज्यादा अच्छी रहती है। आपने देखा होगा जो लोग पेंटिंग करते हैं या संगीत को अपना एक शौक रखते हैं, कविता लिखते हैं या कहानी लिखते हैं, उनकी मेंटल हेल्थ अन्य लोगों की मेंटल हेल्थ से ज्यादा उचित होती है। अमेरिकी मनोचिकित्सक डॉक्टर फ्रैंक क्लार्क बताते हैं कि जब वह फ्रस्ट्रेशन के दौर से गुजर रहे थे तो उसे बाहर निकालने के लिए उन्होंने योग रनिंग जैसी कई थेरेपी के रास्ते चुने लेकिन जब उन्होंने कविता लिखने के बारे में सोचा तो उन्हें लगा कि उनके मूड में बदलाव आ रहा है और उन्होंने अपने आप को अच्छा महसूस किया।

कई अध्ययन बताते हैं कि कोई कलाकृति बनाने या किसी संगीत समारोह में जाने से मानसिक स्वास्थ्य को फायदा मिलता है। कई लोग पेंटिंग करके भी अपने मानसिक स्वास्थ्य को अच्छा बना सकते हैं, जरूरी नहीं आप चित्रकार हो। दक्षता इसका पैमाना नहीं है लेकिन अगर आप चित्र बनाकर अपने आप को संतुष्ट कर सकते हो तो आप अपनी मानसिक अवस्था को ठीक कर सकते हो। जिंदगी में कुछ क्षण संगीत को भी दे, संगीत का यंत्र बजाये, संगीत सुनिए–संगीत के बारे में बात कीजिए, इससे भी आपका मानसिक स्वास्थ्य दुरस्त हो सकता है और कविता लिखना या कविता पढ़ना या कविता बोलना इससे तो मानसिक स्वास्थ्य में आमूल चूल परिवर्तन आ सकता है।

मेंटल हेल्थ बहुत कुछ हद तक इंसान की अपनी आदतें एवं जीवनशैली पर भी निर्भर करती है एक सकारात्मक एवं उलझे हुए व्यक्ति की मेंटल हेल्थ ज्यादा अच्छी रहती है जिंदगी को बहुत ज्यादा तरकीब से जीने की आदत कई बार हमारी मेंटल हेल्थ को बेतरतीब कर सकती है इसलिए कुछ बाते ईश्वर के हाथ में छोड़ देनी चाहिए एवं समय के साथ आने वाली पीढियां के साथ एवं अगल–बगल के इंसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की आदत डाल लेनी चाहिए।

आज के व्यस्त और भाग दौड़ भरे लाइफस्टाइल में शरीर के साथ–साथ मेंटल हेल्थ का भी ध्यान रखना जरूरी है। कामकाज और खान–पान के बदलाव का सीधा असर हमारे दिमाग पर भी पड़ता है। ऐसे में अपने डेली रूटीन में कुछ बाते शामिल करके आप न केवल अपने मानसिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं बल्कि अपने दिमाग को भी तेज कर सकते हैं एवं स्ट्रेस को भी हमेशा हमेशा के लिए अलविदा कर सकते हैं। इसमें सबसे पहले तौर पर आता है मेडिटेशन या ध्यान, मेंटल हेल्थ को सुधारने का यह एक सबसे प्रभावी तरीका है। आप ध्यान में ओम मंत्र का जाप कर सकते हैं, प्रतिदिन ओम के जाप से आप खुद को पूरा दिन एनर्जेटिक और शांत रख सकते हैं। दरअसल ओम का जाप आपके मन शरीर और आत्मा को काफी प्रभावित करता है, यह आपको नकारात्मक विचारों से बचाता है। इसके बाद जो दूसरा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है वह है फिजिकल एक्टिविटी यानी कि शारीरिक व्यायाम इसका सीधा संबंध मानसिक स्वास्थ्य से है अगर हम नियमित तौर पर फिजिकल एक्टिविटी करते हैं तो इससे हमारा मेंटल हेल्थ ठीक रहती है, इससे एंडोर्फिन जो खुशी के स्तर को बढ़ाने वाला हार्मोन है इससे सक्रिय हो जाता है और जिंदगी में सकारात्मकता महसूस होने लगती है। हो सके तो नियमित तौर पर 30 मिनट की वॉक या योग कोई भी एक एक्टिविटी करनी है जिससे आपका मूड भी बेहतर होगा और एनर्जी लेवल भी ठीक हो जाएगा। इसके अलावा हेल्दी डाइट यानी कि संतुलित और पोषक आहार दिमाग की कार्य क्षमता को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण घटक का काम करता है। खाने में ओमेगा 3 फैटी एसिड एंटीऑक्सीडेंट विटामिन बी और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व शरीर को मिलते हैं इस से मेंटल हेल्थ हमेशा अच्छा रहती है।

आज के युग में स्ट्रेस होना आम बात है जो किसी भी कारण से कभी भी हो सकता है। हालांकि यह लंबे समय तक अगर रहता है तो मानसिक स्थिति को यह डैमेज कर देता है, ऐसे में स्ट्रेस को कम से कम लेने की डॉक्टर सलाह देते हैं। आज के दौर में लाइफ भागदौड़ वाली हो गई है, अधिकतर लोग ऑफिस वर्कलोड, पर्सनल काम, भविष्य की चिंता, बच्चों के बारे में चिंता, बच्चों की शिक्षा की चिंता एवं अनेक प्रकार की अन्य चिंताओं से ग्रसित रहते हैं, जिसके कारण तनाव की स्थिति में रहते हैं। यह तनाव शारीरिक स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित करता है जो आगे चलकर काफी हानिकारक साबित हो सकता है।

अगर किसी का स्वास्थ्य लंबे समय से खराब है तो उसको भी मानसिक तनाव हो सकता है। हालांकि जब स्ट्रेस होता है तो कुछ सावधानियां भी बरतीं जा सकती है। पॉजिटिव सोचना और पॉजिटिव बात करना लाइफस्टाइल का एक महत्वपूर्ण घटक है और अपने स्वभाव में इसको शामिल करना उतना आसान भी नहीं है।

अगर आप अपनी लाइफ स्टाइल में इसको सम्मिलित कर ले तो बहुत कुछ मुद्दे जिंदगी में सुलझ सकते है। रात को कोशिश कीजिए गहरी और अच्छी नींद लेने की अगर 7 से 8 घंटे की नींद आपके जीवन में रहती है तो आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो सकता है। अगर हो सके तो ज्यादा से ज्यादा परिवार और दोस्तों से बातें करें ताकि जिंदगी की बहुत सारी उलझने जब आप व्यक्त करते हो तो वह सुलझ जाती है और दिल हल्का हो जाता है। जो मोबाइल है ना यह आपके जीवन में तनाव का सबसे बड़ा घटक है, स्क्रीन टाइम को कम करें अगर हो सके तो अपनी जो डेली स्क्रीन टाइम चाहे फोन, टीवी या लैपटॉप उसको कम करें और प्रकृति के साथ समय बिताए, प्रकृति बहुत कुछ चीज जिंदगी में स्वयं स्वयं ही सुलझ देती है।

ऐसा माना जाता है कि सामान्य लोगों के मुकाबले मेंटल हेल्थ से ग्रसित रोगियों की मौत 10 से 20 साल पहले हो जाती है हमारे देश में हर साल 8 लाख लोग मानसिक रोग से तंग आकर आत्महत्या तक का सहारा लेते हैं डिप्रैशन एंजायटी के कारण वर्ल्ड इकॉनमी को हर साल 75 लाख करोड़ का नुकसान होता है दुनिया में हर नो में से एक व्यक्ति मानसिक बीमारी से पीड़ित है 26 करोड लोग डिप्रेशन का शिकार है और 14 साल की उम्र से ही मेंटल डिसऑर्डर से जूझने लगते हैं।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

भारत का अब तक का सबसे प्रभावशाली बजट - करदाताओं को ऐतिहासिक राहत!

सुनील दत्त गोयल

भारत में आयकर दाताओं के लिए बीते 76 वर्षों में इससे बेहतरीन बजट की उम्मीद शायद ही की जा सकती थी। मुझे अच्छी तरह याद है कि जब 1981 में मैंने शेयर बाजार में कारोबार शुरू किया था, उस समय शायद 10,000–12,000 सालाना की आमदनी पर ही कर देय होता था। 2013 में भी केवल 2,00,000 तक की आय पर कर नहीं लगाया जाता था। लेकिन आज, 2025 में, हम गर्व से कह सकते हैं कि वर्तमान भारत सरकार ने संपूर्ण परिस्थितियों का गहनता से अध्ययन करने के बाद 12,00,000 तक की आय को कर–मुक्त कर दिया है। इसका सीधा असर यह होगा कि लगभग 7 करोड़ लोग आयकर के दायरे से बाहर हो जाएंगे।

12 लाख तक की आमदनी वालों को पूरी तरह कर से मुक्त कर दिया गया है, जबकि 25 लाख तक की आय वालों को भी लगभग 1 लाख की वार्षिक बचत होगी।

बजट का सबसे बड़ा असर - बाजार में पैसा और तेज गति से घूमेगा

यह बचा हुआ धन बाजार में पुन: प्रवाहित होगा और विभिन्न क्षेत्रों में इसका निवेश व उपभोग बढ़ेगा। चाहे वह रियल एस्टेट, टूरिज्म, म्यूचुअल फंड, बैंकिंग डिपॉजिट, या रोजमर्रा की उपभोक्ता वस्तुएं हों–हर सेक्टर को इसका लाभ मिलेगा। इससे अर्थव्यवस्था में धन का प्रवाह तेज होगा और विकास दर को गति मिलेगी।

आयकर विभाग का आकार घटेगा – नौकरशाही का भ्रष्टाचार खत्म होगा!

जब 7 करोड़ लोग आयकर के दायरे से बाहर हो जाएंगे, तो स्वाभाविक रूप से आयकर विभाग के लिए काम कम हो जाएगा। इसका सकारात्मक प्रभाव यह होगा कि आम नागरिक को कर संबंधी झंझटों और भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी। अब करदाताओं में वे लोग प्रमुख रहेंगे जिनकी सालाना आय 12 लाख से अधिक है, और वे पहले से ही वकीलों और कर विशेषज्ञों की मदद से कर–नियोजन (Tax Planning) करना जानते हैं।

कर सलाहकार की आवश्कता कम होगी

अघोषित आय (Black Money) टैक्स नेट में आएगी – जीडीपी को सीधा फायदा

अपने 45 वर्षों के शेयर बाजार के अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि पहले जब 50,000 तक कर छूट थी, तो लोग 55,000 की आमदनी दर्शाते थे।

अब, जब 12 लाख तक की आय कर मुक्त है, तो वे लोग भी जो पहले 5 –10 लाख की आय दिखाते थे, अब 11–12 लाख तक की आय दिखाने लगेंगे। एसा मेरा मानना है

इससे कर संग्रह बढ़ेगा, क्योंकि अघोषित आय (Black Money) भी अब कर–चक्र में आ जाएगी, जिससे सरकार को अधिक राजस्व मिलेगा और राष्ट्र निर्माण में योगदान बढ़ेगा।

शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी – कलेक्शन 80,000 करोड़ तक पहुंच सकता है!

शेयर बाजार में बढ़ते वॉल्यूम को देखते हुए मेरा अनुमान है कि STT (Securities Transaction Tax) का संग्रह 75,000–80,000 करोड़ तक पहुंच सकता है।

बजट के बाद निवेश में तेजी आएगी। शेयर बाजार में खुदरा निवेशक की भागीदारी बढ़ेगी। IPOs और स्टार्टअप्स के लिए पैसा जुटाना आसान होगा। बैंकिंग और विदेशी पूंजी – क्या सरकार सस्ते विदेशी ऋण की योजना लाएगी?

इस बजट में मेरी एक उम्मीद थी कि सरकार बैंकों को विदेशी धन संग्रह (Foreign Borrowing) के लिए कोई योजना बनाएगी।

यदि बैंकों को सस्ते ब्याज दरों पर विदेशी ऋण उपलब्ध हो जाए, तो वे भारत में निम्न ब्याज दरों पर कर्ज दे सकेंगे, जिससे फिक्स्ड डिपॉजिट में हो रही कमी को पूरा किया जा सकेगा और निवेश बढ़ेगा। मुझे उम्मीद है कि बजट सत्र के दौरान सरकार इस विषय पर अवश्य विचार करेगी।

जीएसटी संग्रह में संभावित वृद्धि

मुझे अनुमान है कि अगले वर्ष जीएसटी संग्रह 30 लाख करोड़ के पार जा सकता है।

इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि महाकुंभ, राजस्थान में खाटू श्याम जी का मेला, कैला देवी मेला, और अयोध्या, काशी, उज्जैन, महाकाल जैसे तीर्थ स्थलों में बढ़ती यात्रा से अर्थव्यवस्था में धन का प्रवाह तेजी से बढ़ रहा है। टूरिज्म में बढ़ोत्तरी सीधे व्यापार और कर संग्रह को भी बढ़ावा देगी। पुरानी कर प्रणाली छोड़ें – नई व्यवस्था ज्यादा फायदेमंद

जो आयकरदाता यह सोच रहे हैं कि सरकार ने पुरानी कर प्रणाली में कोई छूट नहीं दी, उन्हें यह समझना होगा कि सरकार चाहती है कि लोग पुरानी कर प्रणाली को छोड़कर नई कर प्रणाली अपनाएं।

नई कर प्रणाली सरल, पारदर्शी, और करदाता के लिए अधिक लाभदायक है, जिससे करदाताओं को भी दीर्घकालिक फायदा होगा।

बजट का समग्र प्रभाव

कुल मिलाकर, यह बजट बहुत दूरदर्शी और विकासोन्मुखी है।

लोगों को इसे समझने और धैर्य रखने की आवश्यकता है, क्योंकि सरकार का मुख्य फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर है।

भारत में पहली बार सरकार ने शिप बिल्डिंग के लिए भारी निवेश किया है, जिससे प्रत्यक्ष रूप से लाखों और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। अगर हम पिछले 10 वर्षों पर नजर डालें, तो भारत ने युद्ध क्षेत्र में हथियारों, खिलौनों, मोबाइल फोन और अन्य आवश्यक वस्तुओं का निर्यात बढ़ाया है, जो पहले आयातित हुआ करते थे।

निष्कर्ष– यह बजट करदाताओं, निवेशकों, और आम जनता सभी के लिए फायदेमंद साबित होगा। आयकर छूट और अर्थव्यवस्था में धन के पुन: संचार से देश की जीडीपी में वृद्धि होगी और भारत को एक मजबूत आर्थिक शक्ति बनाने में मदद मिलेगी।

धन्यवाद,

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक,
इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, जयपुर, राजस्थान

अनधिकृत रूप से पेड़ों को उखाड़ा, दो जेसीबी जब्त

- **कथित आरोपी रामगढ़ सरपंच प्रतिनिधि महावीर प्रसाद बुरड़ ने बंबूल को उपखंड अधिकारी की स्वीकृति से उखाड़ने व नीलाम किए जाने एवं नीलामी की राशि को राजकोष में जमा करवाया जाना बताया**
- **वन विभाग के अधिकारियों ने दोनों जेसीबी को जप्त कर वन विभाग की मसूदा चौकी में खड़ा करवा दिया**

मसूदा, (निसं)। मसूदा पंचायत समिति क्षेत्र की रामगढ़ ग्राम पंचायत क्षेत्र में स्थित भूमि में खड़े बम्बूल के पेड़ों को रामगढ़ ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि के द्वारा जेसीबी चलाकर उखाड़ने के सामने आए मामले के बाद मौके पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने दोनों जेसीबी को जप्त कर वन विभाग की मसूदा चौकी में खड़ा करवा दिया।

जानकारी के अनुसार बुधवार को वन विभाग को वन विभाग की भूमि से जेसीबी द्वारा बंबूल के पेड़ उखाड़े जाने की सूचना मिलने पर वन विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दोनों जेसीबी को कब्जे में लेकर मसूदा मसूदा स्थित वन विभाग की चौकी में खड़ा करवा दिया।

वन विभाग के अधिकारी वन विभाग की भूमि से बंबूल के पेड़ उखाड़ने के कारण जेसीबी जब्त करने की कार्रवाई करना बताया। वहीं दूसरी ओर कथित आरोपी रामगढ़ सरपंच प्रतिनिधि महावीर प्रसाद बुरड़ ने संबंधित भूमि में खड़े बंबूल को उपखंड अधिकारी की स्वीकृति से उखाड़ने व नीलाम किए जाने एवं नीलामी की राशि को राजकोष में जमा करवाया जाना बताते हुए वन विभाग के अधिकारियों द्वारा की जेसीबी जब्त करने की कार्रवाई को अवैध एवं अनाधिकृत बताते हुए अनावश्यक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया।

राशिफल शुक्रवार 7 फरवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, रोहिणी नक्षत्र सायं 6:48 तक, ऐन्द्रयन योग सायं 4:16 तक, तैतिल करण प्रात: 10:10 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मकर, चन्द्रमा–वृष, मंगल–मिथुन, बुध–मकर, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज कुमार योग और यमघट योग सूर्योदय से सायं 6:40 तक है। रवियोग आज सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। आज गुप्त नवरात्रोत्थापन, गप्त नवरात्रा व्रत पारणा, रोहिणी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:35 तक, लाभ–अमृत 8:35 से 11:14 तक, शुभ 12:41 से 2:03 तक, चर 4:43 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:13, सूर्यास्त 6:09

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है।

तुला

व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेंगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर

परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ

परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

ब्लाइंड मर्डर की वारदात का आरोपी नखतु ओड गिरफ्तार

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी के निर्देशन में जिला पुलिस ने त्वरित और बड़ी कार्यवाही की। ब्लाइण्ड मर्डर की वारदात का खुलासा किया पुलिस थाना सदर द्वारा ब्लाइण्ड मर्डर की वारदात का त्वरित खुलासा कर मुल्जिम को गिरफ्तार किया गया।

मंगलवार को प्रार्थी जगमालसिह राजपूत बडौडागांव ने पुलिस थाना सदर जैसलमेर पर रिपोर्ट पेश की कि उसका भाई उगमसिह खेत में बनी ढाणी में रहता है ढाणी के पास मे भूराबाबा का मन्दिर है। जहा पर रविवार की रात्रि में उसके भाई की निर्मम तरीके से अज्ञात लोगो द्वारा हत्या कर दी गई है।

उसके शरीर पर व सिर पर कई चोटो के निशान है तथा एक कान भी कटा हुआ है व जगह-जगह पर खून भी बिखरा हुआ है।

जैसलमेर में पुलिस थाना सदर ने ब्लाइंड मर्डर के आरोपी को पकड़ा। फोटो-राष्ट्रदूत

उसके भाई की मोटरसाईकिल व मोबाईल भी वहाँ से गायब हैं। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर पुलिस द्वारा अनुसंधान शुरू किया गया।

प्रकरण की वारदात की गंभीरता को देखते हुए प्रकरण का त्वरित खुलासा कर गुत्थी सुलझाने के लिए रूपसिंह ईंदा वृताधिकारी वृत जैसलमेर, बगडूराम थानाधिकारी पुलिस थाना सदर , प्रेमदान थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली , भीमरावसिंह प्रभारी डीएसटी को पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष दिशा निर्देश दिए गए। निर्देशों की पालना में रूपसिंह के नेतृत्व में अलग अलग पुलिस टीमों का गठन कर पुलिस टीमों द्वारा त्वरित कार्यवाही कर सीसीटीवी फूटेज, तकनिकी सूचना संकलन कर लगातार प्रयास कर प्रकरण की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी की पहचान कर मुल्जिम नखतु पुत्र हेमाराम जाति ओड उम्र 22 साल निवासी पोहडा पुलिस थाना सदर जैसलमेर को दस्तयाब कर बाद पूछताछ गिरफतार किया गया।

प्रकरण में मुल्जिम का किसने सहयोग किया हैं उसके संबंध में मुल्जिम से विस्तृत पूछताछ व अनुसंधान जारी है।

माघ महोत्सव में होंगे कई कार्यक्रम

भीनमाल, (निसं)। महाकवि माघ महोत्सव की पूर्व तैयारी हेतु स्थानीय महेश्वर महादेव मंदिर में संस्था एवं नगर के गणमान्य व्यक्तियों की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 11 व 12 फरवरी मंगलवार एवं बुधवार को दो दिवसीय समारोह के आयोजन पर चर्चा की गई।

इस राज्य स्तरीय महोत्सव को धूमधाम से मनाए जाने के लिए सभी ने अपनी सहमति जताई। समारोह को भव्य रूप से मनाने के लिए समाजसेवी एवं हिंदू सेवा समिति के संयोजक जबरा राम भाटी को महोत्सव 2025 का समन्वयक नियुक्त किया गया। वही कार्यक्रम के निमित्त पूर्व तैयारी की रूपरेखा तय कर प्रभारी नियुक्त किए गए।महाकवि माघ विकास संस्थान के डॉ. घनश्याम व्यास ने बताया कि दो दिवसीय आयोजन में योग प्रदर्शन, माघ पूजन, नगर परिक्रमा, भव्य सांस्कृतिक एवं कवि सम्मेलन सहित माघ पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर भव्य श्रीमाल पूजन सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। बैठक में दिनेश दवे नवीन, मोहनसिंह सिसोदिया, डॉ किशोर माली, नेमलाल, जे आर भाटी, मनीष दवे, दिनेश वत्सल, पीयूष वैष्णव, मीठालाल वैष्णव, घेवरचंद घांची, गोपालचंद्र जीनगर सहित कई कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

विशनाराम मेघवाल हत्या मामले में हर्षदान गिरफ्तार

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा पुलिस ने गुरुवार को हत्या के मामले में पिछले 2 माह से फरार व जिला के टॉप दस में वांछित आरोपी को गिरपतार किया।

पुलिस ने बताया कि बालोतरा में विशनाराम मेघवाल की चाकू से वार कर हत्या करने की सनसनीखेज वारदात के बाद प्रकरण में फरार हिस्ट्रीशीटर हर्षदान चारण को लेकर सर्व समाज में भारी आक्रोश था। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए हत्या के प्रकरण में फरार 25 हजार का ईनामी हिस्ट्रीशीटर हर्षदान चारण को गुजरात से दस्तयाब करने में बडी सफलता प्राप्त की।

ज्ञात रहे कि गजाराम पुत्र सांवलाराम जाति मेगवाल निवासी असाडा पुलिस थाना जसोन ने रिपोर्ट पेशकर10 दिसम्बर 2024 को दोपहर में उसका भाई विशनाराम नेहरू कॉलोनी में टेंट का कार्य कर रहा था, तभी वहां पर हर्षदान पुत्र चन्द्रदान जाति चारण आया व मेरे भाई को कहा की तुमने मोहल्ले में गेट लगाकर रास्ता को बन्द कैसे कर दिया व मेरे भाई से गली में टेन्ट लगाने का हफ्ता मागने लगा तब मेरे भाई ने उसे मना किया तो वह नाराज होकर उसके भाई विशनाराम के साथ गालीगलौच करने लगा। उसके भाई को ढेड नीच की गालिया बोलते हुए चाकु निकाल कर पेट व सीने पर वार किया जिससे उसकेभाई के चाकु लगने से तेज गति से खुन गिरने लगा। जिसको अस्पताल लेकर गये, जिसकी दौराने ईलाज चाकु की गंभीर चोटे होने से मृत्यु हो गई।

पुलिस ने बताया कि सनसनी खेज वारदात के बाद आरोपी हिस्ट्रीशीटर हर्षदान चारण फरार हो गया था। जिसको लेकर आमजन में भारी रोष व्याप्त था एवं आमजन द्वारा फरार आरोपी की दस्तयाबी को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। उक्त वारदात की गंभीरता को देखते हुए अलग-अलग कुल 12 पुलिस टीमों का गठन किया जाकर संभावित स्थानों पर सघन तलाशी एवं सर्च ऑपरेशन चलाया गया। फरार आरोपी के संपर्क के संदिग्धान से पूछताछ की गई। पुलिस टीमों द्वारा फरार आरोपी की तलाश राजस्थान के विभिन्न स्थानों जोधपुर, पाली, उदयपुर, जालौर, सिरोही, बीकानेर, बाडमेर, जैसलमेर, नागौर, अजमेर, के साथ-साथ, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्यप्रदेश व उतरप्रदेश में हर संभावित स्थानों पर करीब 17500 किलोमीटर पीछा किया गया मगर आरोपी हर्षदान आले दर्जे का शातिर एवं बदमाश हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस के भय व गिरफतारी के डर से छिपता फिर रहा था। फिर भी पुलिस टीमों द्वारा निरंतर प्रयास जारी रखे गये।

उपरोक्त प्रयासों के फलस्वरूप डीएसटी बालोतरा व साईकलोनर टीम जोधपुर द्वारा आपसी समन्वय बनाकर आसूचना संकलित कर अपनी सूझबूझ से घटना के आरोपी की तलाश जारी रखी। तलाश पतारसी के दौरान 05.02.2025 को तकनिकी एवं आसुचना की सहायता से डीएसटी बालोतरा को फरार वांछित आरोपी हर्षदान चारण के बारे में अहम सुराग लगे, जिसका लगातार पीछा करते हुए गुजरात के धराद जिले के वाव कस्बा से करीब 7-8 किलोमीटर दूर सातलपुर रोड पर बने अलखनो ओटलो नाम से स्थित धार्मिक स्थल जहां आने-जाने वाले पैदल तीर्थ यात्रियों के ठहरने व भोजन की व्यवस्था होती है, उक्त स्थल पर होने की संभावना पर पुलिस अधीक्षक बालोतरा के नेतृत्व में डीएसटी बालोतरा द्वारा दबिश देकर फरार वांछित आरोपी हिस्ट्रीशीटर हर्षदान चारण पुत्र चन्द्रदान जाति चारण निवासी भाण्डियावास हाल महादेव कोलोनी, बालोतरा को दस्तयाब करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई। आरोपी से वारदात के संबंध में पुछताछ की गई तो आरोपी हर्षदान चारण ने बताया कि बाद वारदात अपने वाहन को छोडकर जोधपुर होते हुए बस से अहमदाबाद पहुंचा तथा अहमदाबाद से ट्रेन के जरिये हरिद्वार गया जहां कई दिनों तक मंदिरों में रहा। उसके बाद हरिद्वार से मथुरा, नंनदगांव, गौरी कुण्ड पर अलग-अलग मंदिर व मठों में रहा। उसके बाद प्रयागराज में कुंभ मेला में साधु-संतों के साथ टेंटों में रहकर अपनी फरारी काटी। उसके बाद वहां से रवाना होकर 2-3 दिन पहले ट्रन से गुजरात अहमदाबाद होते हुए धराद जिले के वाव कस्बा के पास अलखनों ओटलों धार्मिक स्थल पर आकर रहने लगा, जहां से डीएसटी बालोतरा टीम द्वारा दस्तयाब कर लिया। आरोपी हर्षदान चारण से प्रकरण में पुछताछ एवं अनुसंधान जारी है।

सार-समाचार

खुला बोरवेल मिलने पर कार्रवाई होगी

जालोर, (कासं)। राज्य में खुले व परित्यक्त बोरवेल में बच्चों के गिरने की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राज्य स्तर पर हेल्पलाईन की स्थापना की गई है जिस पर आमजन अपने क्षेत्र व आस-पास में क्षेत्र में स्थित खुले बोरवेल/ट्यूबवेल या खुले कुंए के संबंध में सूचना दे सकते हैं। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने से बचाने तथा ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राजस्थान द्वारा दुर्घटनाओं पर रोक लगाये जाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए संबंधित कार्यालयों को निर्देश दिए जाने के साथ ही राज्य स्तर पर हेल्पलाईन की स्थापना की गई है। आमजन अपने क्षेत्र या आस-पास किसी भी स्थल पर कोई खुला या परित्यक्त बोरवेल/ट्यूबवेल एवं कुंआ दिखाई देने पर तुरन्त इन हेल्पलाईन नम्बरों पर सूचित कर सकते हैं तथा मौके के फोटोग्राफ्स मय स्थान का विवरण जैसे गांव, स्थान, तहसील, थाना क्षेत्र का नाम मय जिला अंकित करके सूचना भेज सकते है। उन्होंने जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों, विकास अधिकारियों व नगरीय निकायो के अधिकारियों को निर्देशित किया हैं कि वे अपने क्षेत्राधिकार में यदि किसी भी स्थल पर कोई खुला या परित्यक्त बोरवेल/ट्यूबवेल व खुले कुंए हो, जिसकी वर्तमान में आवश्यकता नहीं होने पर उन्हें तुरन्त बंद करवाये जाने की ठोस कार्यवाही सुनिश्चित करें।

7 महीने की बेटी के साथ छत से गिरा पिता

पाली, (नि.सं.)। पाली में गुरुवार को 2 अलग-अलग घटना हादसों में छत से गिरकर तीन लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां उनका उपचार जारी है। पहली घटना पाली शहर के निकट बूसी गांव में सुबह करीब 9 बजे हुई। यहां 40 साल के मोहनलाल पुत्र पुकाराम अपनी 7 माह की बेटी अक्षिता के साथ छत पर धूप सेक रहे थे। इस दौरान पैर फिसलने से वे अपनी 7 माह की बेटी के साथ पहली मंजिल की छत से नीचे गिरकर घायल हो गए। दोनों पिता पुत्री को उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां दोनों का उपचार जारी है। हादसे में मोहनलाल के कमर और पैर फेक्चर हो गए। वही 7 माह की बच्ची के सिर ने चोट लगी। दोनों पिता-पुत्री के उपचार जारी है। वहीं पाली जिले के रोहट में गुरुवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे छत पर पतंग उड़ाते समय 10 साल का दिलीप पुत्र बुधाराम घायल हो गया। घायल की मां नारंगी ने बताया कि वह घर में काम कर रही थी और उनका बेटा दिलीप पतंग उड़ाते समय नीचे गिरकर घायल हो गया।

महिला झुलसी, बांगड़ हॉस्पिटल में भर्ती

पाली, (नि.सं.)। पाली में एक 60 साल की महिला गुरुवार को झुलस गई। जिसे गंभीर हालत में उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। जहां उसका उपचार जारी है। हादसे में महिला के पैर और कमर का कुछ हिस्सा झुलस गया। घटना गुरुवार सुबह करीब 10 बजे पाली शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के रामनगर में हुई। जानकारी के अनुसार कन्या देवी (60) हमेशा की तरह तुलसी के पौधे के आगे दीपक जलाया। इस दौरान उसने किसी काम को लेकर अपनी बेटी नीता को आवाज लगाई। दीपक के पास खड़ी रहने के कारण महिला के कपड़ों में पीछे की तरफ आग लग गई। लेकिन कुछ समय तक उसे जानकारी नहीं हुई। जैसे ही महिला मकान के फर्स्ट फ्लोर तक पहुंची कपड़ों में आग तेज हो गई। यह देख उसकी बेटी ने तुरंत उनके कपड़ों में लगी आग पड़ोसियों की मदद से बुझाई और टैक्सी में डालकर हॉस्पिटल लेकर पहुंची। जहां महिला का उपचार शुरू किया गया। हादसे में महिला के पैर पीछे की तरफ से और कमर का हिस्सा जल गया। महिला दर्द से करार रही थी।

चिकित्सा शिविर 16 को

जालोर, (कासं)। क्लब जालोर के तत्वावधान में क्लब की स्थापना के 50 वें वर्ष को स्वर्ण जयंति वर्ष के रूप में मनाएं जाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष का यह तीसरा निःशुल्क नैत्र जाँच एवं मोतिया बिन्द ऑपरेशन शिविर 16 फरवरी को जैन दादावाडी जालोर में आयोजित होगा। निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन शिविर का आयोजन पूर्व प्रांतपाल लायन भंवरलाल चौपडा के सहयोग से श्री आदिनाथ फतेह ग्लोबल आई हॉस्पीटल, ब्रह्मा कुमारी राजयोग केन्द्र एवं जिला अंधता निवारण समिति जालोर के सोजन्य से होने जा रहा है। जिन मरीजों को ऑपरेशन करवाना है तैयारी के साथ आने तथा अपना आधार कार्ड साथ लेकर आवे। मरीजों का मोतियाबिन्द का आपरेशन कर लैस प्रत्यारोपण निःशुल्क किया जायगा तथा दवाईयों, काला चश्मा तथा भोजन एवं आवास की व्यवस्था ग्लोबल अस्पताल जालोर मेंपूर्ण तथा निःशुल्क रहेंगी। उक्त शिविर का लाभ उठाकर आंखों की जांच एव ऑपरेशन निःशुल्क करवाने हेतु आम जन को प्रेरित करें।

भागीरथ बिश्नोई का स्वागत किया

धोरीमन्ना, (कासं)। धोरीमन्ना क्षेत्र में गुरुवार को को एसडीएम भागीरथ बिश्नोई के पदभार संभालने के बाद कृषि उपज मंडी के व्यापारियों ने स्वागत किया। धोरीमन्ना कृषि मंडी व्यापार संघ ने एसडीएम का साफा माला पहनाकर,व पट्टू ओढा कर स्वागत किया। इस दौरान धोरीमन्ना कृषि मंडी व्यापार संघ धोरीमन्ना के व्यापारियों ने एसडीएम को शुभकामनाएं दी। इस अवसर कृषि मंडी व्यापार संघ धोरीमना से महेन्द्र राठी, बाबूलाल मालू जगदीश बेनिवाल, गोतम सेङ्गिया, राकेश सेठिया, श्रवण चौधरी, सांवलाराम देवासी, सुजानाराम भादू, लालाराम चौधरी , धनराज सिडोलिया सहित कई जने मौजूद रहे।

सूने मकान में चोरों ने लगाई सैंध

जोधपुर, (कासं)। शहर के कुड़ी भगतासनी सेक्टर 8 में एक सूने मकान में चोरी हो गई। परिवार के लोग शादी समारोह में व्यस्त थे और घर सूना था। पड़ौसी ने गेट खुला होने की जानकारी दी। कुड़ी थाना पुलिस ने अब प्रकरण किया है। कुड़ी भगतासनी सेक्टर 8 जी 138 में रहने वाले विजय सिंह पुत्र हीरसिंह की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसका परिवार अपने अनुज की बेटी की शादी में 1 फरवरी को झालामंड नवदुर्गा कॉलोनी गए थे। इस बीच घर सूना था। 2 फरवरी को पड़ौसी ने मुख्य द्वार खुला होने की जानकारी दी। वापिस घर पहुंचा तो पता लगा कि चोरों ने सैंध लगाकर वहां से रात के करीब 12.30 से 1.40 बजे के मध्य घर में प्रवेश कर घर के सभी दरवाजों के तालें तथा घर में स्थित अलमारी का लॉक एवं लॉकर तोडक़र सोने के तीन तोला व चांदी के 60 ठााम आभूषण (सोने की अंगुठी, कान के बून्दें, चेन का लॉकेट, 7-8 नाक की फिणियां व चांदी के तीन पायजेब की जोडिय़ां सिक्के) एवं 60-70 हजार रूपये नकद चुराकर ले गए। घर और आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों में दो संदिज्ध युवक नजर आए है।

छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी

पाली, (नि.सं.)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता पाली संयुक्त तत्वधान में राजकीय बागड़ महाविद्यालय पाली में गुरूवार को बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना के 10 वर्ष पूर्ण होने एवं राजस्थान मरू उडान कार्यक्रम अन्तर्गत सत्रवार महिलाओं/युवतियो को वाहन चालन कोर्स/यातायात नियमों की जानकारी के साथ-सुरक्षित वाहन चालन की जानकारी एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यातायात पुलिस से सब इंस्पेक्टर हिंगलाज दान ने छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

उन्होंने सड़क सुरक्षा सप्ताह को सड़क सुरक्षा माह अभियान के रूप में मनाया जाता है। सडक दुर्घटनाओं को रोकने और सडक सुरक्षा में सुधार लाने के लिए चलाया जाने वाला अभियान है, सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढाना, जिम्मेदार तरीके से वाहन चलाने के लिए प्रोत्साहित करना है सड़क दुर्घटना के मामले भारत में ज्यादातर सीट बेल्ट, हेलमेट का प्रयोग नहीं करने एवं वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करने से सड़क दुर्घटना हो रहे है। आज के युवा देश का भविष्य है इसलिए आपकी सुरक्षा आप स्वयं को करनी होगी। इसके लिए सभी युवा साथियो को सर्वप्रथम लर्निंग लाइसेंस बनवाना चाहिए बिना लाइसेंस के गाडी न चलाए आपकी एक लापरवाही आपके परिवार के लिए दुःख दे सकती है। इसी के साथ सड़क अभियान के तहत् सराहनीय योगदान देने वाले माय भारत के युवाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया जिसमें हर्षिता, छगन, पन्नु, लक्ष्मी, दीपशिखा, संतोष, योगेश को सम्मानित किया गया।

जिला हब एम्पावरमेन्ट ऑफ वूमन से जेण्डर स्पेशलिस्ट राजश्री ने बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना के तहत् छात्राओं को राजकोप ऐप के बारे में बताते हुए अपने खिलाफ हो रही हिंसा के खलिाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना तथा शिक्षा सेतु योजना आदि के बारे में विस्तार से जाकारी दी।

डॉ. सुमन चौधरी ने एवं महामारी से संबंधित समस्याओं के निवारण के उपाय बताए । प्राचार्य डॉ. महेन्द्र सिंह राजपुरोहित ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सड़क सुरक्षा सप्ताह 17 से 23 जनवरी 2025 के अंतर्गत सराहनीय योगदान देने वाले स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन विश्वमैत्री शेखावत ने किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ संगीता आर्य, मानवी शेखावत, छै प्रभारी मनीष, रश्मि त्रिवेदी, नेहरू युवा केन्द्र से भवर सिंह राजपुरोहित एवं 60 बालिकाए उपस्थित रही।

जुआरियों की धरपकड़ की

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस ने माइनर एक्ट में जुआरियों की धरपकड़ की। उनके पास से हजारों में राशि बरामद की।

सदर कोतवाली एसआई पुखराज ने घंटाघर सब्जी मंडी में गुब्बाखाई कर रहे अब्दुल कयूम पुत्र मिजाज खान को पकड़ा और 7570 रूपये की राशि जब्त की। इसी तरह थाने के हैडकांस्टेबल शमशेर खान ने घंटाघर सब्जी मंडी में ही गुब्बाखाई कर रहे जसराज पुत्र शंकरलाल रामावत से 5480 रूपए जब्त किए। सदर बाजार थाने के एएसआई नेमीचंद ने बम्बा मौहल्ला दस टूटियों के पास गुब्बाखाई कर रहे आरिफ हुसैन पुत्र इकबाल हुसैन को गिरफ्तार कर 950 रूपए की राशि जब्त की। एएसआई कालूसिंह ने राजदादी अस्पताल के पीछे मोहम्मद सलीम पुत्र मोहम्मद अय्यूब से 980 रूपए जब्त किए। कुड़ी भगतासनी थाने के हैड कांस्टेबल महेन्द्र ने झालामंड चौराहा क्षेत्र मेंचैनाराम पुत्र किशनलाल प्रजापत से 11 सौ रूपए और हैडकांस्टेबल अरमोष सिंह ने सेक्टर 9 कुड़ी भगतासनी क्षेत्र में रूप सिंह पुत्र भंवर सिंह से 900 रूपए की राशि जब्त की। माता का थान थाने के हैड कांस्टेबल प्रकाशचन्द ने सारण नगर ब्रीज भवानी होटल के पास गुब्बाखाई कर रहे विकास पुत्र पन्नालाल 800 रूपए जब्त किए।

पी.एन.बी. का महालोन मेला

जोधपुर, (कासं)। पंजाब नैशनल बैंक द्वारा 7-8 फरवरी को गांधी मैदान, सरदारपुरा में कार्यालय समय में महालोन मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें बैंक की विभिन्न स्कीमों के तहत लोन प्रदान किए जाएंगे।

जोधपुर मंडल प्रमुख सुबोध कुमार ने बताया कि महालोन मेले में कारोबारी लोन के अलावा हाउसिंग लोन व सोलर लोन पर विशेष तौर पर ध्यान केन्द्रित रहेगा। जोधपुर के प्रतिष्ठित बिल्डरों के साथ-साथ सोलर प्लेटों के डीलर भी इस मेले में शामिल होंगे। होम लोन की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए वल्युएशन, लीगल सर्च व आर्किटेक्ट की सुविधा भी रहेगी।

इस लोन मेले में भारत सरकार की पीएम सूर्यघर योजना के लिए आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। आमजन को भरपूर फायदा होगा। इस मेले में आकर्षक ब्याज दर से लोगों को फायदा होगा। लोन योग्य ठााहकों को मेले में ही ऋण का सैद्धांतिक स्वीकृति पत्र दिया जाएगा।

9 ई-मित्र धारकों पर कार्रवाई

जोधपुर, (कासं)। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के जोधपुर के विभागीय संयुक्त निदेशक महेंद्र चौधरी ने बताया कि माह दिसम्बर 2024 व जनवरी 2025 में आकस्मिक निरीक्षण कर 14 ई-मित्र धारकों के कार्यकलापों की जांच की गई। इनमें से 9 ई-मित्र धारकों के विरुद्ध नियम अनुसार कार्रवाई की गई।

जैनाचार्य ने रेल कर्मियों को दिए तनाव मुक्ति के टिप्स

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे जोधपुर मंडल पर गुरुवार को रेलवे स्टेडियम में स्ट्रेस मैनेजमेंट (तनाव मुक्त) शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन संरक्षा और सेफ्टी से जुड़े रेल कर्मियों लोको पायलेट्स, गुड्स गार्ड को तनाव मुक्त रहने के लिए रखा गया। कार्मिक अधिकारी इंचार्ज अभिषेक गांधी ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह के निर्देशन में इस शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो रेल कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर इसका लाभ लिया।

मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह ने बताया कि इस शिविर में जैनाचार्य डॉ. अरविंद मुनि ने रेल कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान तनाव मुक्त रहने और स्वस्थ रहने के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दिए। उन्होंने बताया कि नियमित रूप से ध्यान और प्राणायाम करने से मानसिक शांति बनी रहती है और तनाव कम होता है। साथ ही, संतुलित आहार लेने, पर्याप्त नींद लेने और सकारात्मक सोच बनाए रखने पर भी जोर दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना और अपने कार्य को सेवा भाव से करना आवश्यक है। नियमित रूप से हल्का व्यायाम करने और समय-समय पर छोटे ब्रेक लेने से भी मानसिक और शारीरिक ताजगी बनी रहती है। जैनाचार्य डॉ मुनि द्वारा योगाभ्यास में लंबी सांस मुद्रा, ध्यान मुद्रा और हास्य मुद्रा योग से संबंधित योग रेल कर्मियों को करवाए, जिनमें सभी ने हास्य मुद्रा पर जोरदार हस कर मन को शांत किया। इस इस दौरान डीआरएम सिंह ने मुनि जैनाचार्य को सर्टिफिकेट प्रदान कर आशीर्वाद लिया।

इस शिविर में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस आर बुनकर, मंडल कार्मिक अधिकारी इंचार्ज अभिषेक गांधी सहित रेल कमियों ने शिविर के दौरान किए गए योग पर अपने-अपने अनुभवों को साझा कर अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों को स्वस्थ जीवन के प्रति प्रोत्साहित किया।

कार्मिक अधिकारी नरेंद्र सिवासिया, कल्याण निरीक्षक रामेश्वर दास और कुंभाराम द्वारा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण सेफ्टी से जुड़े रेलकर्मी, यूनियन संगठन के पदाधिकारी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अंजू पुरोहित ने किया।

धरना आज

जालोर, (कासं)। अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ जालोर की ओर से कर्मचारियों की विभिन्न लंबित समस्याओं को लेकर प्रदेश की आव्हान पर 7 फरवरी को जिला कलेक्टर कार्यालय के समक्ष विशाल धरना एवं प्रदर्शन कर राज्य सरकार को ज्ञापन भेजा जाएगा।

महासंघ के जिला संयोजक किशन लाल सारण ने जानकारी दी।

मरू महोत्सव के कार्यक्रम की तैयारी की

पोकरण, (निसं)। देश-दुनिया में मशहूर ख्याति प्राप्त मरू महोत्सव जैसलमेर का भव्य एवं शानदार आयोजन जिले का प्रवेश द्वार परमाणु नगरी में 9 फरवरी को पालिका प्रशासन एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। उसको लेकर उपखंड कार्यालय में उपखंड अधिकारी की अध्यक्षता में प्रशासनिक स्तर पर बैठक रखी गई। सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल मरूमहोत्सव कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण किया, वही मरू महोत्सव के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होगी, उसके लिए आवेदन पत्र 7 फरवरी, तक ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पोकरण समय में प्राप्त किए जा सकते है।

उपखंड अधिकारी प्रभोतसिंह गिल ने मरू महोत्सव कार्यक्रम को लेकर के जानकारी देते हुए बताया कि पालिका प्रशासन द्वारा टेंट ,बिजली, साउंड, नाश्ता,भोजन, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह,साफा,गाडी,घोडा,डीजे,स्थानीय कलाकारों का खर्च सहित अन्य संसाधन पालिका के खर्चे पर जिस पर लगभग 30 लाख रुपए तक खर्च आ सकता है।

वही जलदाय विभाग, द्वारा जगह-जगह पर पाइपलाइन लीकेज को ठीक करना एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग टूटी हुई सडकों पर कारी करना, आंगनबाडी केंद्र द्वारा अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी कार्यक्रम में बढाना, मरू महोत्सव कार्यक्रम के दौरान नाइट का खर्चा पर्यटन विभाग द्वारा बाहर से आने वाले कलाकारों पर उठाया जाएगा। महोत्सव के दौरान मरूश्री, मिस मूमल, साफा बांध, मूमल-महिन्द्रा, मूंछ प्रतियोगिता के साथ ही शान-ए-मरूधरा, पणिहारी मटका रेस अन्य कई कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं आयोजित होगी, जिसके लिए आवेदन पत्र आमंत्रित कर दिए गए है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रतियोगिताओं के फार्म भरकर कार्याल में जमा करवाने की अंतिम तिथि 7 फरवरी को सांय तक रखी गई है।

उन्होंने बताया कि इसके पश्चात कोई भी आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा। उन्होंने इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों से आवहान किया है कि वे निर्धारित तिथि तक आवेदन पत्र भरकर पर्यटक स्वागत केन्द्र जैसलमेर कार्यालय में जमा करावे।

एल.एन. मंत्री ने जनसनुवाई की, सरकारी कार्यों का निरीक्षण किया

पाली, (नि.सं.)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार त्रिस्तरीय जनसुनवाई के तहत आज ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई महीने के प्रथम गुरुवार को ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में जिला कलैक्टर एल.एन. मंत्री ने आज गुरूवार को देसूरी उपखण्ड के घाणेराव ग्राम पंचायत पहुंचे।

जिला कलैक्टर मंत्री ने वहां बारी बारी से आमजन की समस्याओं को सुना। उन्होंने समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के प्रकरणों जिनमें पानी, बिजली, सडक, राजस्व ,पंचायतीराज से संबधित प्रकरणों की सुनवाई की उन्होंने कुल 42 प्रकरणों की सुनवाई की और 8 का हाथों हाथ निस्तारण किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओ की जानकारी दी। इस अवसर पर एडीएम बाली शैलेन्द्र सिंह ,तहसीलदार हरेन्द्र सिंह , विकास अधिकारी आदि संबधित कार्मिक मौजूद रहे।

जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने वहां सभी उपखण्ड स्तरीय अधिकारी कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली लेकर आमजन की समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण व सरकारी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाने के निर्देश दिये। साथ ही वहां विभागीय कार्या और योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और संबधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर एडीएम बाली शैलेन्द्र सिंह , तहसीलदार हरेन्द्र सिंह , विकास अधिकारी आदि संबधित कार्मिक मौजूद रहे।

पाली कलैक्टर एल.एन. मंत्री ने देसूरी उपखण्ड के घाणेराव में कार्यो व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। फोटो-राष्ट्रदूत

जनसुनवाई के पश्चात जिला कलक्टर घाणेराव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां अस्पताल का निरीक्षण कर वहां भर्ती मरीजों के हालचाल जानकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला कलक्टर मंत्री ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पहुंचे जहां पर वे विद्यालय की व्यवस्था को देखते हुए विद्यार्थियों से रूबरू हुए एवं विद्यार्थियों का व्यवहारिक ज्ञान व बौद्धिक स्तर जानने का प्रयास किया तथा बच्चों से रोचक सवाल-जबाव कर अपने चारों ओर चल रही गतिविधियों को समझते हुए जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत के दम पर सफल होने के लिए कहा और उनका उत्साहवर्धन किया। जिला कलक्टर को अपने बीच पाकर बच्चे प्रफुलित हुये।

नारलाई में किसान रजिस्ट्री शिविर का अवलोकन किया उन्होंने सभी किसानों को एठाीस्टेक योजना के तहत अपना पंजीयन अवश्यक करवाने पर बल दिया। उन्होंने किसान रजिस्ट्री शिविर का निरीक्षण कर फॉर्मर रजिस्ट्री शिविर, शिविर में विभिन्न विभागों की व्यवस्था का निरीक्षण किया एवं काश्तकार मांगीलाल को फॉर्मर एनरोलमेंट आई डी प्रदान की। वहां मौजूद कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए इस दौरान तहसीलदार हरेंद्रसिंह,पीएसओ जसवंत सिंह भाटी, नायब तहसीलदार गिरिराज सिंह, चन्द्रप्रकाश सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

विश्व कैंसर दिवस सप्ताह के कार्यक्रम जारी

पाली, (नि.सं.)। चिकित्सा विभाग की ओर से विश्व कैंसर दिवस सप्ताह के दौरान चिकित्सा संस्थानों में लोगों के मुख की स्क्रीनिंग कर लोगों को कैंसर के बचाव के बारे में जागरूक किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल ने बताया कि कैंसर रोग के बचाव के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ाने के लिए हर साल 4 फरवरी को यह दिवस मनाया जाता है तथा इस वर्ष की थीम यूनाईटेड बाय यूनिक 2025-27 पर विविध गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जिला चिकित्सालय, सीएचसी, पीएचसी, यूपीएचसी, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (जनता क्लीनिक) में एनसीडी स्क्रीनिंग एवं जागरुकता कार्यक्रम हो रहा है। उन्होंने बताया कि 10 फरवरी तक सप्ताह आयोजित किया जाएगा। इस दौरान मरीजो की ओरल स्क्रिनिंग की जा रही है। साथ ही गुटका, तंबाकू बीडी, हुक्का इत्यादि से होने वाले कैंसर से बचाव के लिए सावधानियों के बारे में बताया जा रहा है। साथ ही तंबाकू गुटका छुड़ाने के लिए निकोटिन की गोलियां भी दी जा रही है। बांगड़ अस्पताल में डॉ अनिरुद्ध शर्मा, डॉ आनंदसिंह राठौड़, डॉ रामनिवास कुमावत, डॉ टाइनी जैन, गुलशन कुमार आदि द्वारा लोगों की स्क्रीनिंग कर लोगों को मुख कैंसर के बचाव के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

20 टन एलपीजी से भरा टैंकर पलटा, बड़ा हादसा टला

कोलू पाबूजी टोल प्लाजा पर पलटा टैंकर, चालक घायल

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिले के कोलू पाबूजी टोल प्लाजा पर गुरुवार सुबह बड़ा हादसा टल गया। गुजरात से बीकानेर जा रहा गैस से भरा टैंकर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को तत्काल सूचना दी। हादसे में घायल टैंकर ड्राइवर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में टोल प्लाजा के दो केबिन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। सूत्रों के अनुसार टैंकर में करीब 20 टन एलपीजी गैस भरी हुई है।

- **प्रशासन की मुस्तैदी से बड़ा हादसा टला, जोधपुर और बीकानेर से टीमें पहुंची**

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, देचू एसडीएम और तहसीलदार मौके पर पहुंचे और सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए। इस दौरान वहां से आने जाने वाले वाहनों को पहले ही रोक दिया। फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची। सुरक्षा की दृष्टि से रास्ते को डायवर्ट कर दिया गया है। हादसे में टोल के दो केबिन क्षतिग्रस्त हो गए।

लोहावट थाना प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि सुबह नौ बजे कोलू टोल पर गैस से भरा टैंकर पलट गया था। हादसे में ड्राइवर घायल हो गया। जिसे देचू अस्पताल में भर्ती कराया है। संभावना है कि ड्राइवर को नींद की झपकी या किसी अन्य कारण से टैंकर बेकाबू हो गया, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। मौके पर पुलिस जाप्ता और एम्बुलेंस को तैनात किया गया है। रास्ते को डायवर्ट किया गया है। 500 मीटर तक के एरिया को खाली रखा गया है। गनीमत है कि गैस रिसाव नहीं हुआ। इसके बाद भी सावधानीवश गैस टैंकर के पास किसी को नहीं जाने दिया जा रहा है। गैस जांच के लिए जोधपुर और बीकानेर में टीमें मौके पर पहुंची है।

केमिकल से भरे टैंकर और ट्रक में भिड़ंत

नापासर, (निसं)। थाना क्षेत्र में देर रात भारतमाला सड़क पर किलचू सीमा के पास एक केमिकल से भरे टैंकर और ट्रक की भिड़ंत हो गई। भिड़ंत से दोनों गाड़ियों में आग लग गई। केमिकल के कारण आग तेजी से फैलने लगी। इसकी सूचना मिलने पर नापासर थानाधिकारी लक्ष्मण सुथार, सैरुणा थानाधिकारी पवन शर्मा और देशनोक थाने का स्टाफ भी घटनास्थल पर पहुंच गया। थानाधिकारी लक्ष्मण सुथार ने बताया कि दमकल की सहायता से आग पर काबू पाया गया। वहीं देशनोक और बीकानेर से दमकल बुलाई गई। ट्रक चालक को मामूली चोटें आई, वह आग से झुलस गया था। उसे देशनोक अस्पताल भेजा गया जबकि टैंकर का चालक मौके से फरार हो गया। केमिकल टैंकर के पिछले टायर एवं पीछे से आधी बॉडी जल गई। जबकि दूसरा ट्रक पूरी तरह जलकर राखहो गया। इस दौरान मौके पर जामलग गया। तीन थानों की पुलिस नेयातायात बहाल किया। इसके बादग्रामीणों को राहत मिली।

बुजुर्ग के खाते से धोखाधड़ी कर 17 लाख रुपए उड़ाए

अजमेर, (कासं)। लोहागल निवासी एक बुजुर्ग से 17 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित बुजुर्ग ने कचहरी रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा के कर्मचारियों पर कथित अवैध रूप से चेक बुक जारी करने और उसके खाते से 17 लाख रुपए निकालने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दी, बैंककर्मियों पर मिलीभगत का आरोप लगाया**

पीड़ित बुजुर्ग कैलाश चंद कुमावत ने कोतवाली थाने में पीएनबी शाखा के कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी कर रकम हड़पने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित बुजुर्ग ने बताया कि उनका पेंशन खाता कचहरी रोड स्थित पीएनबी में संयुक्त रूप से संचालित होता है, जिसमें उनकी पत्नी बीना देवी कुमावत भी खाताधारक हैं। कैलाश चंद बीएसएनएल विभाग से सेवानिवृत्त हैं और उनकी पेंशन नियमित रूप से इसी खाते में जमा होती है। उनके मुताबिक खाते में 21 लाख रुपए से अधिक की राशि जमा थी। कुछ समय पहले, उन्हें कुछ राशि की आवश्यकता पड़ी, जिसके चलते उन्होंने आंशिक रकम निकाली। बाद में जब उन्होंने खाते की पासबुक में एंट्री कराई तो पता चला कि दो चेक के माध्यम से 17 लाख रुपए अवैध रूप से निकाले जा चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि जिन चेक नंबरों से यह राशि निकाली गई, वह चेक बुक कभी उनके पास आई ही नहीं। कैलाश चंद ने बैंक कर्मचारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी मिलीभगत से ही अवैध रूप से नई चेक बुक जारी की गई और रकम खाते से निकाल ली गई। जब उन्होंने बैंक से इस संबंध में रिकॉर्ड दिखाने को कहा तो कर्मचारी कथित तौर पर टालमटोल करने लगे और दस्तावेज प्रस्तुत करने से इंकार कर दिया। कोतवाली थाना पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बैंक से संबंधित दस्तावेजों और सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है।

यूडी टैक्स नहीं चुकाने पर छह सम्पत्तियां सीज

जयपुर। नगर निगम हैरिटेज के सिविल लाईन जोन ने नगरीय विकास कर नहीं चुकाने पर छह सम्पत्तियों की सीज कर दिया।

उपायुक्त सिविल लाईन जोन सुनील कुमार बैरवा ने बताया कि आयुक्त अरूण हसीजा के निर्देश पर राजस्व अधिकारी सत्यनारायण बारेसा टीम के साथ कार्रवाई की है। जिसमें अनी एण्ड ईशा, 221 लक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, 318 लक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, वेंकटेश्वर कॉलोनी, न्यू सांगानेर रोड, श्री गोविंद मैरिज गार्डन, बनीपार्क और राजीव कॉलोनी में छह भवनों को सीज कर दिया। उपायुक्त सुनील कुमार ने बताया कि कार्रवाई के दौरान दो भवन मालिकों ने मौके पर ही नगरीय विकास कर की राशि जमा करवा दी।

- **कार्रवाई के दौरान दो भवन मालिकों ने मौके पर ही नगरीय विकास कर की राशि जमा करवा दी**

उदयपुर:- खान विभाग के निदेशक दीपक तंवर ने गुरूवार को पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर कर्मचारी समन्वय समिति के अध्यक्ष ललित पानेरी द्वारा निदेशक तंवर का स्वागत किया गया। इस दौरान खान विभाग के कर्मचारी सत्यनारायण शर्मा, दीनेश कुमावत, विशाल माथुर, गणपत सिंह, देवेन्द्र राजपूत आदि उपस्थित रहे।

बस और डंपर में भिड़ंत, डंपर चालक सहित 12 जने घायल

नापासर, (निसं)। नापासर थाना क्षेत्र के सींथल गांव में करणी माता मढ़ के पास गोलाई में जसरासर जा रही निजी बस और मूंडसर से आ रहे डंपर की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इसमें 12 जने घायल हो गए। डंपर चालक भी गंभीर रूप से घायल हुआ। घायलों को पहले सीएचसी नापासर लाया गया। वहां से चार जनों को बीकानेर ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। मौके पर हेड कांस्टेबल गोकुल चंद मीणा, कांस्टेबल सीताराम ने क्रेन की सहायता से वाहनों को हटाकर रास्ता खुलवाया।

नापासर हॉस्पिटल के डॉ. इमरान ने बताया कि डंपर ड्राइवर तुलछाराम सुथार लाखूसर निवासी को प्राथमिक उपचार देकर बीकानेर रेफर कर दिया। बस में घायल बिदामी देवी, कमला देवी, संगीता देवी, मनोहरी देवी, सोमा देवी, सुगनीदेवी, राम कुशला देवी, राम कुमार, मोखाराम, सरस्वती देवी, कैलाश बीकानेर घायल हो गए। इनमें मनोहरी देवी, राम कुमार, बिदामी देवी व तुलछाराम को प्राथमिक उपचार के बाद बीकानेर रेफर कर दिया। बाकी को नापासर हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार करके घर भेज दिया गया। घटना के दौरान आरएचएसएस के सहायक अभियंता निखिल वहां से निकल रहे थे। वे वहां रुक गए। इस पर सींथल सरपंच प्रतिनिधि गणेशदान बीठू ने उनके सामने विरोध जताया। दुर्घटना का कारण बताया कि दुर्घटना वाली जगह गोलाई है। श्मशान भूमि की दीवार, एक मंदिर व प्याऊ है। जिन्हें हटाने के लिए ग्राम पंचायत ने जून 2024 में एनओसी दे दी है। फिर भी विभाग और ठेकेदार की लापरवाही से यहां पर परिसम्पत्तियों को हटाया नहीं जा रहा है। यहां पर गोलाई के कारण वाहन चालकों को दिखाई नहीं देता जिसके चलते हर रोज हादसे हो रहे हैं। यदि अब जल्द कार्य शुरू नही करवाया जाता है ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा।

परकोटे में खुले में मीट बेचने पर 12 दुकानें सीज

जयपुर। हैरिटेज निगम की पशु प्रबंधन शाखा ने खुले में और बिना लाइसेंस मांस बेचने पर 12 दुकानों को सीज किया है।

- **महापौर कुसुम यादव के निर्देश पर किया गया दुकानों का औचक निरीक्षण**
- **कटेवा नगर में अवैध डेयरी से 33 गौवंश पकड़कर हिंगौनिया गौशाला पहुंचाया**

इस संबंध में हैरिटेज निगम पशु चिकित्सा अधिकारी योगश शर्मा ने बताया कि महापौर कुसुम यादव के निर्देश पर पशु प्रबंधन शाखा उपायुक्त सीमा शर्मा के नेतृत्व में गुरूवार को मीट की दुकानों पर आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिसमें भट्टा बस्ती, नाहरी का नाका, शास्त्री नगर में 12 दुकानों पर लाइसेंस नहीं पाया गया। इन दुकानों पर खुले में भी मांस काटा और बेचा जा रहा था। ऐसे में शाखा टीम ने सतर्कता शाखा के सहयोग से 12 दुकानों को सीज कर करीब 100 किलो मांस को जब्त कर नष्ट करा दिया और 44 हजार रूपए का जुर्माना भी वसूल किया गया।

वहीं पशु प्रबंधन शाखा ने कटेवा नगर स्थित अवैध डेयरी पर बंधी गायों भी भी मुक्त करा हिंगोनियां गौशाला में पहुंचा दिया। उपायुक्त पशु प्रबंधन सीमा शर्मा ने बताया कि कटेवा नगर में अवेध पशु डेयरी की काफी समय से शिकायत मिल रही थी।

इस पर निगम टीम ने औचक कार्रवाई कर बंधी 19 गौवंश को छुडाया और किशनपोल बाजार, रामगंज और छोटी चौपड़ पर सडक पर विचरण कर रही 14 गौवंश को हिंगोनियां गौ पुनर्वास केन्द्र पहुंचा दिया।

बदमाशों ने एटीएम को काटा, चार लाख रूपए पार किये

बैंक परिसर में साड़ी पहनकर घुसा चोर चोरी करते हुए।

गंगापुर सिटी, (निसं)। बुधवार गुरूवार की दरमयानी रात को बदमाशो ने एक्सिस बैंक के एटीएम से 3.95 हजार रूपए की लूट कर ली। उदेई मोड थानाधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि बदमाशों ने एक्सिस बैंक के एटीएम में लूट की वारदात को अंजाम दिया। 5 बदमाश साड़ी पहनकर आदर्श नगर स्थित एटीएम पर रात करीब 2.54 बजे आए और गैस कटर से एटीएम काटकर 3 लाख 95 हजार रुपए लेकर फरार हो गए। बदमाशों ने मात्र 8 मिनट में पूरी लूट की वारदात को अंजाम दिया और पिकअप गाड़ी में फरार हो गए। सूचना मिलते ही उदेई मोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बैंक प्रबंधक रविन्द्र सिंह शेखावत के अनुसार यह एटीएम कैश डिपॉजिट की सुविधा भी प्रदान करता था। पहले अधिक राशि की चोरी की आशंका थी, लेकिन स्टेटमेंट के बाद 3.95 लाख रुपए की चोरी की पुष्टि हुई है। वहीं चोरो ने ब्लैक स्प्रे छिडक कर सीसीटीवी कैमरो को बंद करने का प्रयास किया लेकिन एचडी कैमरे होने की वजह से चोरो की पूरी करतूत कैमरे में दर्ज हो गई।

लापता युवक का शव कुएं में मिला

अजमेर, (कासं)। बांदरवाड़ा कस्बे में तीन दिन से लापता एक युवक का शव खेत में बने कुएं में तैरता मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकलवाकर अस्पताल से पोस्टमार्टम करा शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बांदनवाड़ा थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बांदनवाड़ा निवासी राजेश पुत्र छोटु सोनगरा खेत पर गया और वापस घर नहीं लौटा। घर वालों ने उसकी काफी तलाश भी की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला सका। परिजन ने 4 फरवरी को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। गुरुवार सुबह खेत के कुएं में युवक का शव तैरता दिखाई दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से शव को बाहर निकाला। मृतक युवक की पहचान राजेश के रूप में हुई। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया। घर वालों ने कोई शक नहीं जताया है। उनका कहना रहा कि खेत पर काम करते समय पैर फिसलने से हादसा हुआ।

दिल्ली में खत्म होगा दस साल का कुशासन : सतीश पूनिया

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया जोधपुर पहुंचे

जोधपुर, (कासं)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरियाणा संगठन प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने दावा किया है कि इस बार दिल्ली चुनाव में भाजपा बहुमत से सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पिछले दस साल का कुशासन खत्म होने जा रहा है। सतीश पूनिया ने जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर मीडिया से बात की।

- **कार्यकर्ताओं ने पूनिया का साफा बंधवाकर स्वागत किया**

उन्होंने कहा कि दिल्ली में दस साल के कुशासन को समाप्त कर भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ विधानसभा में सरकार बनाएगी। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को लेकर उन्होंने कहा कि यह दुनिया के लिए शोध और रिसर्च का विषय है लेकिन विपक्ष इस पर बार-बार सवाल कर रहा है जो उचित नहीं है। बजट को लेकर उन्होंने कहा कि देश में आम बजट आम व मध्यम व्यक्तियों के लिए रहा है। राजस्थान के बजट पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की तरह ही राजस्थान का बजट मध्यम वर्ग के लिए होगा और राजस्थान को एक नई विकास की गति मिलेगी। इससे पहले डॉ. सतीश पूनिया का जोधपुर पहुंचने पर भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

भाजपा किसान मोर्चा जोधपुर देहात के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश बिश्नोई ने बताया कि भाजपा जोधपुर देहात के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष त्रिभुवनसिंह भाटी के नेतृत्व में एयरपोर्ट पर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। उनके साथ जोधपुर पहुंचे भारतीय जनता युवा मोर्चा राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु शर्मा का भी स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा जोधपुर देहात जिला अध्यक्ष अरविंद बर्रा, भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री घेवरराम बिश्नोई, राजस्थान आसान मंडल के पूर्व निदेशक रामप्रकाश चौधरी, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रतिपालसिंह वालेचा, युवा मोर्चा जोधपुर देहात जिला महामंत्री देवीसिंह दईकड़ा, प्रतापसिंह भेड़, मनीष पुरोहित, सुमित्रा बिश्नोई, भागीरथ भादू, रणजीत कड़वासरा, गौरव जैन, पुखराज गौड़ सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पूनिया का साफा बंधवाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मवेशियों से भरे ट्रक को पिकअप ने टक्कर मारी

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 लुदी झाबर बस स्टेण्ड पर एक ट्रक और पिकअप गाड़ी की हुई भिड़त में ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया तथा ट्रक में सवार लोगों को मामूली चोटें लगी, लेकिन ट्रक में भरी 20-25 भेड़ व बकरियों की मौत हो गई। एक दर्जन भेड़, बकरियां लापता हो गई तथा 40-50 गंभीर रूप से घायल हो गई।

सामाजिक कार्यकर्ता फैसल पहाड़खानी ने बताया कि गांव लोहसना बड़ा निवासी ट्रक मालिक राशिद खान पहाड़खानी भेड़ बकरियों का व्यापार करता है तथा अपने ट्रक में भेड़ बकरियों को भरकर पंजाब के मलेर कोटडा ले जा रहा था। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 गांव लुदी झाबर के नजदीक पहुंचा तो एक पिकअप जीप चालक पिकअप को तेज गति और लापरवाही से ट्रक में टक्कर मार दी, जिसके कारण ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और ट्रक पलट गया। हादसे में मजदूर इमरान घायल हो गया। उन्होंने बताया कि पिकअप जीप चालक डोडा-पोस्त भरा होने पर पुलिस के डर से तेज गति से जीप को चलाता हुआ लाया तथा ट्रक में टक्कर मार दी।

दहेज प्रताड़ना के मामले में पति, सास-ससुर को सजा सुनाई

सादुलपुर, (निसं)। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट राजगढ़ ने लगभग सात साल पुराने दहेज प्रताड़ना के एक मामले में गुरूवार को पति सहित ससुराल पक्ष के लोगों को दोषी मानकर एक-एक वर्ष के कारावास व प्रत्येक आरोपी पर 5-5 हजार रुपए के अर्थ दंड की सजा से दंडित किया है।

- **सात साल पुराने मामले में आरोपियों को एक-एक वर्ष का कारावास**

परिवादी की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट अजय सिंह सहारण ने बताया कि लम्बोर बड़ी गांव निवासी रिसाल सिंह की पुत्री संगीता व मोनिका की शादी 26 अप्रैल 2018 को रामनिवास, सोमवीर पुत्र जयचंद निवासी मूंदीबास तहसील सादुलपुर चूरू के साथ हुई थी। शादी में पिता ने अपनी हैसियत से बढ कर दान दहेज नगद रकम सोने चांदी के गहने स्कूटी तथा घरेलू सामान दिया था। आरोपी सोमवीर सरकारी नौकरी में होने व दो लड़कों की शादी की कहते हुए पति और ससुर ने नगदी०5 लाख रुपए तथा एक फॉर्च्यूनर गाडी की मांग करते हुए लड़कियों को ले जाने से इन्कार हो गए। मौके पर मौजूद रिश्तेदारों के समझाने के बाद आरोपी पक्ष दोनों लड़कियों को विदा कर ले गया, लेकिन ससुराल जाते ही दहेज की मांग दोहराते हुए आरोपियों ने दोनों बहनों के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। मांग पूरी न होने के कारण एवं दहेज के लोभीयों ने 29 मई 2018 को दोनों बहनों को गाडी में डालकर बस स्टैंड पर छोड़कर चले गए। जिस पर दोनों बहनों ने घर पर जाकर अपने पिता व परिवारजनों को बताया। जिस पर 1 जून 2018 को पीड़िताओं के पिता रिसाल सिंह ने अपने साथ अजीत को लेकर गांव मूंदीबास गए। उन्हें समझाया लेकिन वह नहीं माने। जिस पर पीडिता संगीता व मोनिका ने 14 मई 2019 को स्थानीय पुलिस थाने में मामला दर्ज करवा दिया। जांच अधिकारी ने आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र पेश कर दिया। प्रकरण में न्यायाधीश लीलू राम सिहाग ने मामले में दोनों पक्षों की ओर से पेश मौखिक व दस्तावेज साक्ष्य सबूतो गवाहों का गहन अवलोकन कर आरोपी पति रामनिवास व सोमवीर पुत्र जयचंद, ससुर जयचंद पुत्र चिमनाराम, सास विमल पत्नी जयचंद जाट निवासी मूंदीबास को दोष सिद्ध करते हुए सजा सुनाई।

आरोपी सोमवीर आर ए सी में सेवारत है तथा आरोपी रामनिवास का अध्यापक पद पर चयन हो चुका था, लेकिन इस प्रकरण में आरोप पत्र पेश होकर प्रकरण का न्यायालय में विचाराधीन होने से नियुक्ति नहीं दी गई।

तस्कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर

सादुलपुर, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान डोडा-पोस्त सहित गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमांड लिया है, जबकि महिला आरोपी को न्यायालय राजगढ़ ने जेल भेज दिया है।

प्रकरण की जांच कर रहे सिद्धमुख थाना अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह चारण ने बताया कि मामले में गिरफ्तार आरोपी कालासिंह पुत्र बारूसिंह, अशोक कुमार पुत्र कालाराम ओड, तरसप्रित पुत्र भोलासिंह सांसी को न्यायाधीश ने पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपा है। उन्होंने बताया कि महिला आरोपी सरबजीत कौर पत्नी कालासिंह को जेल भेजने के आदेश दिए हैं।

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF POLICE RAJ JAIPUR
V-15(49)PS/SAMGRI/Voice Logger/2024-25/940 DATED-23.01.2025
NOTICE INVITING BIDS
NIB NO. POL2425A0041
Bids for Drone & Digital Voice Logger of estimated value INR 1,91,50,000/- are invited from interested bidders up to 14.02.2025 at 11.00 am. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in) (https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, and https://www.police.rajasthan.gov.in
UBN.
Drone POL2425GLOB00101
DIGITAL VOICE LOGGER POL2425GLOB00102
Supdt. of Police
Central Stores, PHQ
Raj.Jaipur
Tel-0141-2744289
DIPR/C/1084/2025 Mail ID-sp.cstore.pmw@rajpolice.gov.in

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER (PHED)
DIVISION SHAHPURA (JAIPUR)
S.NO.-EE/DIV.SHP/NIT/2024-25/3071-77 Date: 24.01.2025
NOTICE INVITING TENDERS
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूरसंचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया द्वारा निविदाऐं आमंत्रित की जाती है।

NIT NO.	UBN	Amount (in Lacs.)
24/24-25	PHE2425WSRC08564	120.00
25/24-25	PHE2425WSRC08565	120.00

DIPR/C/1315/2025 EXECUTIVE ENGINEER (PHED) DIVISON SHAHPURA, JAIPUR

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता ओ.एफ.डी. खण्ड प्रथम, सिं,क्षे.वि., इं.गा.न.प. बीकानेर
क्रमांक-5427 दिनांक-24.01.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 14 वर्ष 2024-25
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों Reconstruction of damaged lined Water Course in Chak 23 PTP, 25 PTP, 22 PTP-A, 39 PTP की अनुमानित लागत 480.90 लाख है, के कार्य हेतु ऑन-लाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन/डाउनलोड की अवधि दिनांक 28.01.2025 प्रात 11.00 बजे से दिनांक 12.02.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक होगी। प्राप्त तकनीकी निविदाएं इलैक्ट्रोनिक फोर्मेट में https://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 13.02.2025 को दोपहर 03.00 बजे खोली जायेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajsthan.gov.in एवं https://cad.rajasthan.gov.in डीआईपीआर की वेबसाईट www.dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN NO. 1. CDB2425WSOB00171, 2. CDB2425WSOB00172, 3. CDB2425WSOB00173, 4. CDB2425WSOB00174
अधिशाषी अभियन्ता, ओएफडी खण्ड प्रथम, सिंक्षेवि,इंगानप, बीकानेर मोबाईल-94146-03873
DIPR/C/1237/2025

कार्यालय उपवन संरक्षक धौलपुर
क्रमाक-उ.व.सं.धौ./लेखा/निविदा/2024-25/795-804 दिनांक-27.01.2025
Notice Inviting Bid
Bid for supply and installation of Jungle gym and kids Play items in luv kush vatika sarathura are invited from interested bidders upto 2.00 PM, 07.02.2025 other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and https://eproc.rajasthan.gov.in of the state.

S.No.	Name of work	Amount	UBN NO.
1	Supply and installation of Jungle gym items	12.00 lakhs	FOR2425GLOB04062
2	Supply and installation of kids play items	12.00 lakhs	FOR2425GLOB04063

DIPR/C/1277/2025 DCF Dholpur

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड सलुम्बर
क्रमांक-टी.एस./निविदा फाईल/2024-2025/डी-1834-40 दिनांक-24.01.2025
निविदा संख्या-40/2024-2025
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजस्थान सरकार के पात्र श्रेणी के संवेदकों एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के पात्र श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इन्टरनेट साईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है।

कार्य का विवरण	1-कार्य सीसी सडक मय नाली निर्माण कार्य
अनुमानित लागत (लाखों में)	259.00 लाख
निविदा विक्रय दिनांक	दिनांक 30.01.2025 से दिनांक 18.02.2025
निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 19.02.2025 सायं 4.00 बजे से

NIB-PWD2425A3929, UBN-PWD2425WSOB14182
अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/1243/2025 सा.नि.वि. खण्ड सलुम्बर

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (NIA BAJRI 01/2025/ई-10015
आवेदन-पत्र प्राप्त करने हेतु विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियम 2017 के अध्याय-III नियम 12(5) (पप) के अन्तर्गत राज्य के अधिसूचित अनुसूचित क्षेत्र में खनिज बजरी के निम्नांकित आरक्षित प्लॉटों हेतु नियम 12ठ के प्रावधान अनुसार आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। डोमिसाईल शिड्यूल ट्राईब के व्यक्तियों की रजिस्टर्ड सोसायटी विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से दिनांक 20.02.2025 तक विभागीय पोर्टल पर आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। आवंटित किये जाने वाले खनन पट्टों (प्लॉट) का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	कुल प्लॉट
सिरोही	देलदर	किवरली, पांडूरी	1
		किवरली, आमथला	1
	देलदर, आबूरोड	पाडुंरी, मोरथला	1
	आबूरोड	सांतपुर, क्यारिया,गुणका,दुनाकाकर	1
		सांतपुर, रेवड़ाकला,चन्द्रांवती	1
		वासड़ा	1
		योग	6

विशेष नोट-1. प्लॉटों का विस्तृत विवरण, आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तिथि इत्यादि का विवरण, आवश्यक शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
(भगवती प्रसाद) IAS
DIPR/C/1322/2025 निदेशक

कार्यालय जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष जिला गोपालन समिति, टोंक
क्रमांक-9287 दिनांक-27.01.2025
निविदा आमंत्रण सूचना
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नंदीशाला संचालन समिति के चयन हेतु इच्छुक पात्र स्थानीय निकाय यथा नगर पालिका, नगर परिषद या पंचायत राज संस्थाओं के अतिरिक्त पंजीकृत संस्था/पंजीकृत गैर सरकारी संस्था/पंजीकृत ट्रस्ट/पंजीकृत सहकारी संस्थाओं आदि से जिले की टोंक/देवली/उनियारा/मालपुरा/टोडारायसिंह/निवाई/पीपलू पंचायत समिति में पंचायत समिति स्तरीय नंदीशाला संचालन एवं नन्दीशाला में आधारभूत परिसम्पत्तियों के निर्माण कार्यो (अनुमानित लागत राशि रूपये 157.00 लाख प्रति नंदीशाला) हेतु ऑफलाईन निविदा प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। निविदा प्रस्ताव से संबंधित विवरण/शर्ते वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://gopalan.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा निविदा प्रपत्र इसी वेबसाईट से नियत तिथि से डाउनलोड किया जा सकता है तथा जिला संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग कार्यालय, टोंक से निर्धारित शुल्क जमा करवाकर प्राप्त किया जा सकता है।

विवरण	अनुमानित अधिकतम राशि	प्रतिभूति राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	प्रस्तावित निविदा: निविदा फार्म डाउनलोक प्रारंभ करने/प्राप्त करने करने की दिनांक दिनांक व समय	प्रस्तावित निविदा: ऑफ लाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक व समय	प्रस्तावित निविदा: निविदा खोलने की दिनांक व समय
नंदीशाला संचालन एवं नंदीशाला में आधारभूत परि-सम्पत्तियों का निर्माण कार्य हेतु संस्था के चयन बाबत निविदा प्रस्ताव	157.00 रूपये लाख रूपये प्रति नंदीशाला	सभी आवेदक संस्थाओं को धरोहर राशि निष्पादन की घोषणा निर्धारित प्रपत्र में की जानी आवश्यक है।	रू.1000/-	28.01.2025	17.02.2025 सायं 6.00 बजे तक	19.02.2025 दोपहर 03.00 बजे तक

राज्यपाल महोदय की आज्ञा से
DIPR/C/1249/2025 संयुक्त निदेशक, सचिव जिला गोपालन समिति, टोंक

9 जिलों को खत्म करने के मुद्दे पर विपक्ष ने लगातार दूसरे दिन भी सदन में हंगामा किया

कांग्रेस विधायकों ने राजनैतिक द्वेषता से जिलों को खत्म करने का आरोप लगाते हुए सरकार को घेरने की कोशिश की

जयपुर (विसं)। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में नवगठित 17 में से 9 जिलों को खत्म करने के मुद्दे पर कांग्रेस के विधायकों ने लगातार दूसरे दिन विधानसभा में हंगामा किया। दरअसल शून्यकाल में स्पीकर ने स्थगन प्रस्ताव पर कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी और रामकेश मीणा को इस प्रकरण पर बोलने की अनुमति दी थी। चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के सदस्यों के बीच बहस हो गई, इसके बाद विपक्ष के सदस्यों ने जिलों को राजनैतिक द्वेषता से खत्म करने का आरोप लगाते हुए वैल में आकर नारेबाजी की। जब हंगामा बढ़ गया तो स्पीकर को सदन की कार्यवाही भोजन अवकाश से करीब आधे घंटे पहले ही स्थगित करनी पड़ी।

दरअसल शून्यकाल में नये जिले समाप्त करने के मुद्दे पर स्पीकर ने दो कांग्रेस विधायकों को चर्चा की अनुमति दी थी। स्थगन प्रस्ताव के बाद कांग्रेस विधायक सुरेश मोदी और रामकेश मीणा ने नीमकाथाना और गंगापुरसिटी जिलों को खत्म कर देने का मुद्दा उठाया। इन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नये संभाग और नये जिलों का दर्जा समाप्त करके वहां की जनता के साथ अन्याय किया है और क्षेत्र के विकास को खत्म करने का काम किया है। सुरेश मोदी ने कहा कि पंवार कमेटी ने सभी नए जिलों का दौरा किया था लेकिन नीमकाथाना का दौरा नहीं किया, क्योंकि नीमकाथाना जिले को हटाना था। उन्होंने अनुरोध किया कि जो जिले और संभाग हटाए गए हैं, उन्हें वापस बहाल किया जाये।

> ■ **परंतु संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि ''जो जिले निरस्त किए गए हैं, उन्हें लेकर न्यायालय में याचिका लगी हुई हैं। नए जिले बनाने व निरस्त करने का अधिकार सरकार के पास है। राजनीतिक द्वेषता का आरोप गलत हैं।''**

इसी तरह रामकेश मीणा ने कहा कि नये जिलों को सरकार ने बिना किसी मापदंड के समाप्त कर दिया और यह पहले से ही निधार्रित कर रखा था कि इन जिलों को समाप्त करना हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक द्वेषता से नये जिलों को खत्म करने का निर्णय लिया गया है।

मीणा ने कहा कि पिछली सरकार ने 17 नए जिले बनाए लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने तीन संभाग और नौ जिलों को निरस्त कर दिया। भाजपा सरकार ने मापदंडों का कोई परीक्षण नहीं किया। केवल ऐसे लोगों की कमेटी गठित की गई जिन्होंने पहले से तय कर रखा था कि इन जिलों को खत्म करना है।

इसके बाद विधि और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने इसका जवाब देते हुए कहा कि जो जिले निरस्त किए गए हैं उन्हें लेकर न्यायालय में याचिका लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि नए जिले बनाने और उन्हें निरस्त करने का अधिकार सरकार के पास है। ये जिले जो निरस्त किए गए हैं और जो इस पर राजनीतिक द्वेषता के कारण निरस्त करने का सदन में जो आरोप लगाये गये, वह गलत हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने कोई राजनीति से प्रेरित व्यक्ति को जिला समीक्षा अध्यक्ष नहीं बनाया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज तक नये जिलों के गठन के संबंध में चार कमेटियां बनी है। उन्होंने कहा कि नये जिलों के लिए भौगोलिक परिस्थितियां, प्रशासनिक संरचना, जनभावना, वर्तमान में उपलब्ध आधारभूत सुविधाएं आदि का आधार होता है लेकिन पूर्ववर्ती सरकार ने चुनावी दांव खेला लेकिन उसका यह दांव उल्टा पड़ गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने लंबे समय में एक भी जिले नहीं बनाए थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में इससे पहले नये जिले भाजपा सरकार ने बनाए और इस बार राजनीतिक लाभ के लिए कांग्रेस ने एक साथ इतने जिले बना दिए।

इस पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि नये जिलों को समाप्त करना एक गंभीर विषय है और इसके संबंध में संसदीय मंत्री ने नये जिलों को समाप्त करने के बारे में कोई तथ्य नहीं बताये हैं कि किसी आधार पर इन जिलों को खत्म किया गया है। इस पर विपक्ष के सदस्य खड़े हो गए शोरगुल करने लगे। इस पर सत्ता पक्ष के सदस्य भी खड़े हो गए, दोनों में बहस के कारण सदन में जोरदार हंगामा हुआ। देखते ही देखते विपक्ष के सदस्य 12 बजकर 34 मिनट पर वेल में आ गये और नारेबाजी शुरु कर दी। हंगामे के कारण अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदन की कार्यवाही भोजन अवकाश से पहले 12 बजकर 36 मिनट पर अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। बाद में इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने हंगामा और वॉकआउट किया।

अजय अटल का निधन

पूर्व राजदूत राजा जे.के. अटल के पुत्र थे

-प्रकाश भण्डारी-

जयपुर, 6 फरवरी। गुलाबी शहर के कुलीन कश्मीरी पंडित परिवार के एक लाल पाकिस्तान, इटली, तुर्की और युगोस्लाविया में भारत के राजदूत रहे राजा जे.के. अटल के पुत्र अजय अटल का हृदय रोग के कारण गुरूवार संध्या को निधन हो गया। उनके दो पुत्र और एक पुत्री हैं और उनका दाह संस्कार शनिवार को होगा। वह 81 वर्ष के थे।

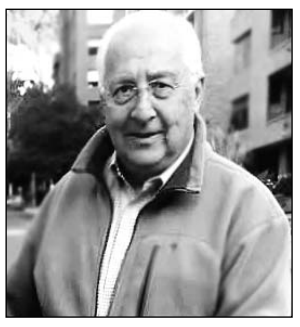

स्व. अजय अटल

अजय अटल के वंशज दीवान मोतीलाल अटल जो उनके पड़दादा थे जयपुर रियासत के दीवान थे। उनके दादाराजा अमरनाथ अटल जयपुर रियासत में वित्त मंत्री थे। अमरनाथ अटल के पुत्र जिन्हे अपने पिता की तरह राजा की उपाधी जयपुर के नरेशसवाई मानसिंह ने दी थी। राजा जे.के. अटल ने स्कूली शिक्षा इंग्लैण्ड में और फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक की उपाधि ली और इण्डियन सिविल सर्विस (आइ.सी.एस.) के लिए चुने गए। आज़ादी के बाद पंडित जवाहर लाल नेहरू की सलाह पर वे विदेशसेवा में चले गए।

अटल परिवार का जयपुर से बड़ा पुराना सम्बन्ध रहा है और पोलो विक्ट्री सिनेमा वाली सड़क मोतीलाल अटल के नाम पर ही है।

रेलवे स्टेशन के पास विशाल अटल बन जिसके एक बड़े भू-भाग में राजपुताना होटल है, अटल परिवार की ही सम्पत्ति है। जिसके एक हिस्से में राजा जे.के. अटल और उनके भाई एन.एन. अटल रहते थे। अभी यहाँ अजय अटल अपने परिवार के साथ रहते थे।

अजय ने अपने पिता जो डाक टिकटों के सग्रह के बड़े शौकीन थे, के दुर्लभ संग्रहों को जो बहुमूल्य हैं संभालकर रखा हुआ था। इसके अलावा जयपुर रियासत काल के दस्तावेज, सिक्के और कई अन्य दुर्लभ वस्तुओं का भी संग्रह कर रखा था, जो अटल परिवार की धरोहर रही थी।

अजय अटल अपने परिवार की शान और ख्याति को बनाए हुए थे। अजय अटल आरम्भ से ही कलकत्ता में जे. थामस एण्ड कम्पनी में टी टैस्टर का कार्यकरते रहे। उन्हें विभिन्न चाय बागानों की चाय का स्वाद चखने का काम दिया गया था और वह अपने कार्य में बड़े निपुण रहे।

झोटवाड़ा रोड स्थित अटल परिवार की विशाल भूमि को उन्होंने एस.ओ.एस. विलेज को दे दिया। यह जमीन जो अब करोड़ों की है, जिस पर एक एन.जी.ओ., एस.ओ.एस. विलेज चलता है। इस एस.ओ.एस. विलेज में अनाथ और निर्धन बच्चों को शिक्षा-दीक्षा होती है। एस.ओ.एस. विलेज एक अन्तर्राष्ट्रीय संस्था है जिसकी स्थापना 1949 में हर्मन मेनियर ने की थी।

राजा जे.के. अटल ने इस विशाल बगीचे को 1976 में ही एस.ओ.एस. विलेज को दान में दे दिया था। अभी इस संस्था का संचालन अजय अटल ही कर रहे थे। यह एक विशाल भू-भाग में जहाँ अटल परिवार की पुरानी हवेली भी है संचालित होता है। अनाथ, गरीब और निर्धन बच्चों के लिए यहाँ भवन बनाया हुआ है। इस एस.ओ.एस. विलेज में 14 परिवार भी रहते है। यहाँ स्कूल और खेल के मैदान भी है और इसे देशका सबसे बढ़ि या एस.ओ.एस. विलेज माना जाता है। अभी यहाँ 64 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अजय अटल की माँ गंगा अटल, इलाहाबाद से थीं और नेहरू परिवार से घनिष्टता रखती थी। अजय अपने पीछे पत्नी नन्दिनी, जो आगरा के मशहूर डॉक्टर आनन्द राजदान की बेटी है, के अलावा दो पुत्र बिग्रेडियर डॉ. अमरतेज अटल, अनन्त अटल और एक पुत्री देविका और तन्खा छोड़ गए।

ज्वलनशील पदार्थों के परिवहन और भंडारण के निर्धारित मानदंडों की पालना करवाएं : कलेक्टर

जयपुर (कासं)। कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जयपुर में ज्वलनशील पदार्थो, रसायन और गैस के परिवहन-भंडारण के लिए निर्धारित मानदंडों की पालना हर हाल में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने

> ■ **जयपुर में भांकरोटा अग्निकांड जैसे हादसों की पुनर्रावृत्ति रोकने के लिए कलक्टर ने की अफसरों व पेट्रोलियम कंपनी के प्रतिनिधियों से चर्चा**

जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में गैसीय एवं रसायन परिवहन सम्बंधी वाहन एवं वाहन चालकों के लिए सुरक्षात्मक उपायों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं पेट्रोलियम कंपनियों को प्रतिनिधियों को आमजन की सुरक्षा के लिए अत्यधिक सतर्कता बरतने के लिए निर्देशित किया।

बैठक में भांकरोटा हादसे की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विषय विशेषज्ञों, पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से प्राप्त सुझावों पर चर्चा की गई। इस दौरान जिला कलक्टर ने गैसीय एवं रसायन परिवहन संबंधी वाहन चालकों को प्रशिक्षण के लिए एक सामूहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करने, जयपुर में स्थित सभी पेट्रोलियम एवं गैस पाइप लाइन संबंधित प्लान जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने 50 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को भी गैसीय एवं रसायन संबंधी आपदाओं से निपटने हेतु राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने, आपदा प्रबंधन के तहत समय-समय पर गैसीय एवं रसायन संबंधी आपदाओं से निपटने हेतु आमजन को जागरूक करने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के साथ-साथ सभी संबंधित विभागों को समय-समय पर मॉक ड्रिल कर अपनी तैयारी परखने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में सभी वाहनों के पंजीयन प्रमाण पत्र, फिटनेस प्रमाण पत्र, बीमा प्रमाण पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज नियमित रूप से अपडेट रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने, वाहनों में अनिवार्य रूप से जीपीएस सिस्टम का उपयोग करने, वाहन चालकों से यातायात नियमों की अवहेलना ना करने संबंधित शपथ-पत्र लेकर पाबंद करवाने के निर्देश दिये गए।

अनजान अपराधी होने पर पुलिस सुनिश्चित करे पहचान परेड : हाईकोर्ट

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म से जुडे मामले में आरोपियों को दोषमुक्त करने हुए कहा है कि कई बार जांच एजेंसी आमजन को शांत करने के लिए निर्दोष व्यक्ति को फंसाकर शर्मनाक स्थिति से बचती है। प्रकरण में भी पुलिस वास्तविक अपराधियों को पकडने में विफल रही है। यदि पुलिस ने आरोपियों की पहचान परेड कराई होती तो स्थिति अलग हो सकती थी। ऐसे में जांच एजेन्सी से अपेक्षा की जाती है कि वह ऐसे मामलों में पहचान परेड कराए।

> ■ **राजस्थान हाईकोर्ट ने दुष्कर्म से जुडे मामले में आरोपियों को दोषमुक्त करने हुए कहा है कि ''कई बार जांच एजेंसी आमजन को शांत करने के लिए निर्दोष व्यक्ति को फंसाकर शर्मनाक स्थिति से बचती है। यदि पुलिस ने आरोपियों की पहचान परेड कराई होती तो स्थिति अलग हो सकती थी। ऐसे में जांच एजेन्सी से अपेक्षा की जाती है कि वह ऐसे मामलों में पहचान परेड कराए।''**

इसके साथ ही अदालत ने डीजीपी और गृह सचिव को कहा है कि घटना से जुड़े अपराधी पीडिता के लिए अनजान होने पर उसकी पहचान परेड सुनिश्चित कराई जाए। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश मदन व दो अन्य की ओर से दायर आपराधिक अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि पहचान परेड अपराध जांच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसमें लापरवाही होने पर निर्दोष व्यक्ति को सजा मिलने या असली अपराधी के बच निकलने का खतरा रहता है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रिनेश गुप्ता ने कहा कि मामले में प्रकरण की पीडिता ने अपने बयानों में कहा है कि वह अपीलार्थियों को उनके नाम से नहीं जानती थी। परिजनों के कहने पर उसने नाम बताए थे। ऐसे में पुलिस को आरोपियों की पहचान परेड करानी चाहिए थी, लेकिन पुलिस ने पहचान परेड नहीं कराई। ऐसे में निचली अदालत ने उन्हें गलत तरीके से दंडित किया है। इसलिए निचली अदालत के आदेश को रद्द कर उन्हें बरी किया जाए।

मामले के अनुसार पीडिता ने 23 मई 1989 को चाकसू थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा था कि उसका पति नित्यकर्म के लिए गया था। इस दौरान तीन लोगों ने आकर उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले में आरोप पत्र पेश होने के बाद निचली अदालत ने अपीलार्थियों को दस साल की सजा और जुर्माने से दंडित किया था। अदालत के इस आदेश को हाइकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

28 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन ''क्लीन स्वीप'' के तहत प्रतापनगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले तस्कर गोलू मीणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित के कब्जे से 28 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद की है। आरोपित यह अवैध मादक स्मैक अकलेरा जिला झालावाड़ से लाकर जयपुर में बेचता है। पुलिस के अनुसार जब्त की गई स्मैक की अनुमानित बाजार मूल्य 5 लाख 60 हजार रुपये है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने प्रतापनगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले तस्कर गोलू मीणा निवासी निवासी कचनारिया जिला बारां सीतापुरा जयपुर को गिरफ्तार किया।

महिला के पेट से 15 किलो की गांठ निकाली

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल के डॉक्टर्स ने एक महिला के पेट का ऑपरेशन कर 15 किलो की गांठ निकाली है। करीब 4 घंटे तक चले इस ऑपरेशन में गांठ के 6-7 टुकड़े करके बाहर निकाला गया।

> ■ **सवाई मानसिंह अस्पताल के डॉक्टर्स ने किया जटिल ऑपरेशन**
>
> ■ **इस भारी भरकम गांठ के कारण महिला के शरीर में आंत-किडनी दब गई थी, उसे सांस लेने में भी तकलीफ हो रही थी**

हॉस्पिटल में जनरल सर्जरी डिपार्टमेंट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर राजेंद्र बुगलिया ने बताया कि गांठ इतनी बड़ी थी कि इससे पेट की आंत और बायीं तरफ की किडनी दोनों दब रहे थे। ऑपरेशन में इन दोनों को डैमेज किए बगैर गांठ निकालना चुनौती था। ऑपरेशन के बाद महिला अब बिल्कुल ठीक है और सामान्य जीवन जी रही है। बताया जा रहा है कि महिला का ऑपरेशन 9 जनवरी को हुआ था। महिला को 23 जनवरी को छुट्टी दे दी गई थी। दो बार उसकी हेल्थ का रिव्यू लेने के बाद डॉक्टर्स की टीम ने गुरुवार को इस केस की जानकारी शेयर की। डॉक्टर राजेंद्र बुगलिया ने बताया कि उत्तर प्रदेश निवासी कलादेवी (51) गत 6 दिसंबर 2024 को ओपीडी में दिखाने आई थीं। उनका पेट बहुत बड़ा दिख रहा था। उन्हें एसएमएस हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। एक्सरे, सीटी स्कैन समेत तमाम जांच करवाने के बाद पता चला कि पेट में लिपोसारकोमा गांठ है। इसके बाद ऑन्कोलॉजी समेत कई डिपार्टमेंट से राय ली गई। सब जगह से क्लीयरेंस मिलने के बाद 9 जनवरी को ऑपरेशन किया गया। अमूमन इतनी बड़ी गांठ होना बहुत दुर्लभ होता है। अक्सर इतनी बड़ी गांठ होती है तो उनमें से अधिकांश में फ्लूड भरा होता है, जिसे पंक्चर करके निकाला जाता है। लेकिन, यह गांठ पूरी तरह सॉलिड थी। गांठ के कारण महिला को सांस लेने की तकलीफ होने लगी थी।

मंत्री राज्यवर्धन सिंह के पिता का निधन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्व. कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ की पार्थिव देह पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

जयपुर। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के पिता कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ का गुरूवार को निधन हो गया। वे 84 वर्ष के थे। स्व. लक्ष्मण सिंह पिछले एक माह से महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती थे। यही उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। वे सेना में कर्नल के पद से रिटायर हुए थे। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को होगा। इससे पहले पार्थिव देह को सुबह 11 बजे तक अंतिम दर्शनों के लिए रामविहार पांच्यावाला में रखा जाएगा। शव यात्रा दोपहर 12:30 बजे जनक विहार, वार्ड नंबर-48 के लिए रवाना होगी।

स्व. कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के निजी आवास पर पहुंचकर उनके पिता स्व. कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शर्मा ने कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए और परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, सैनिक कल्याण राज्य मंत्री विजय सिंह, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जितेंद्र गोठवाल, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। कर्नल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्व. कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि, पिताजी ने भारतीय सेना में अपने दीर्घकालिक सेवा काल में अनुकरणीय योगदान दिया और देश की रक्षा व सेवा में अपना जीवन समर्पित किया। ईश्वर से प्रार्थना है कि मेरे पूज्य पिताजी की दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे। पिताजी की शिक्षा, आदर्श, मार्गदर्शन और आशीर्वाद हमेशा मुझे कर्तव्य पथ पर राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

'लोकसभा और राज्यसभा की तर्ज पर ही विधानसभा में भी चलेगा प्रश्न काल'

जयपुर (विसं)। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को सदन में व्यवस्था देते हुये कहा कि प्रश्न काल में विधायको के प्रश्न और राज्य सरकार से प्राप्त जवाब सदन के पटल पर आने के बाद उन्हें सभी के संज्ञान में आया हुआ माना जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में प्रश्नों और उनके जवाबों को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। देवनानी ने कहा कि विधायक उस प्रश्न से संबंधित पूरक प्रश्न पूछ सदन में पूछ सकते हैं, जिस पर संबंधित मंत्री जवाब देंगे। देवनानी ने कहा कि उन्होंने राज्य सभा, लोक सभा सदस्यों व सचिवालय और अन्य राज्यों के विधान सभा सचिवालयों से इस संबंध में जानकारी ले ली है। वहां भी पटल पर रखे जाने वाले प्रश्न और उनके जवाबों को पढ़ा नहीं जाता है। देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा में भी अब यही व्यवस्था रहेगी। उन्होंने कहा कि इससे सदन के महत्वपूर्ण समय के प्रत्येक पल का अधिक सदुपयोग होगा और प्रश्नकाल के निर्धारित समय में अधिक से अधिक प्रश्नों पर चर्चा हो सकेगी।

> ■ **विधानसभा पटल पर रखे गए प्रश्न व उत्तर संज्ञान में माने जाते है : देवनानी**
>
> ■ **स्पीकर वासुदेव देवनानी ने दी सदन में व्यवस्था**

विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी

'पिछली सरकार में दो लोगों के बीच मुख्यमंत्री पद की लडाई में राजस्थान की हालत खराब हुई'

विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण प्रस्ताव पर बहस के दौरान भाजपा विधायक बालमुकुंदचार्य ने कांग्रेस पर निशाना साधा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर हवामहल क्षेत्र से विधायक बालमुकुंदचार्य ने कहा कि विपक्ष के पास सरकार के खिलाफ बोलने को कुछ भी नहीं है, वो तो केवल मम्मी, बेटा, दीदी और जीजाजी की मेहमाननवाजी में लगा हुआ हैं। पिछली सरकार के समय प्रदेश के इनकी पार्टी के नेता परेशान रहते थे कि किस की ओर जाए। दो लोगों के बीच मुख्यमंत्री पद की लडाई में राजस्थान की हालत खराब हुई। जब कोविड जैसी आपदाएं आई तब सरकार तो होटलों में थी। संविधान को लेकर जनता को भ्रमित किया गया, जबकि असलियत में तो इन्होंने ही बाबा साहेब को आगे बढ़ने से रोका था। उन्हें टिकट नहीं दिया, जबकि हमारी सरकार ने बाबा साहेब से संबंधित स्थलों को पंचतीर्थ बनाया। भजनलाल सरकार प्रदेश को उन्नित की राह पर ला रही हैं।

> ■ **राजस्थान में अक्षय ऊर्जा बने लेकिन ओरण गौचर जमीनों को उनकी कीमत न चुकानी पड़े : भाटी**
>
> ■ **'पिछली सरकार ने प्रदेश को गर्त में डाला, भजनलाल सरकार उबारने में जुटी'**

बाड़मेर के शिव क्षेत्र से विधायक रविन्द्र भाटी ने सदन में कहा कि जब राइजिंग राजस्थान का आयोजन हुआ तो कहा गया कि इससे सरहदी इलाका चमन हो जाएगा, जैसा की रिफाइनरी के समय बोला गया था। लेकिन वहां की जनता को कुछ भी नहीं मिला। इस बार सरहदी इलाकों में सौर ऊर्जा के प्लांट लगाए जा रहे हैं। उसके लिए ओरण, गौचर और जोहड़ को खत्म किया जा रहा है। ऐसा नहीं होना जाहिए। जहां एक ओर प्रधानमंत्री मोदी अभियान चलाते हैं कि ''एक पेड़ मां के नाम'' परंतु प्रदेश में हजारों पेड विकास के नाम पर काट दिए जा रहे हैं। राजस्थान में जब लंपी रोग आया तो यही पेड़ एक आसरा था पशुधन के लिए।

भाजपा विधायक अर्जुन लाल जीनगर कहा कि पिछली सरकार ने जहां प्रदेश को गर्त में ला दिया था उसे भजनलाल सरकार ने उबार कर विकास की राह पर ला दिया था। पहले सड़क पर डामर कम गड्ढे ज्यादा मिलते थे। अब चारों ओर सड़कों जाल बिछ गया, बाकि जगहों पर बिछ रहा हैं। भजनलाल सरकार की कार्य की पारदर्शिता इतनी है कि एक मंत्री पर भ्रष्टाचार पर एक पैसे का इल्जाम नहीं हैं। भजनलाल सरकार तो पीएम मोदी के सबका साथ सबका विकास के मॉडल पर काम कर रही हैं।

'भाजपा को सींचने वाले ही खिलाफ क्यों?'

जयपुर। विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा करते हुए कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर ने कहा कि, ''कहा जाता रहा है कि प्रदेश में भाजपा को सींचने वाले लोगों में किरोड़ीलाल लाल मीणा, वसुंधरा राजे, देवी सिंह भाटी जैसे लोग हैं। परंतु आज ये ही खिलाफ क्यों हैं, इसका जवाब तो दीजिए।''' उन्होंने कहा कि जब सरकार बनी तब पेपर लीक, ईआरसीपी को लेकर कई वादे किए गए। इन्होंने कहा हम पेपर लीक में मगरमच्छ पकड़कर युवाओं को न्याय देंगे। जो लोग मगरमच्छ पकड़ने की बात कर रहे थे, उन्होंने छोटी मछलियां पकड़ी, वो भी जाल से बाहर निकल गईं। उन्होंने कहा कि शेखावाटी और नागौर में जातिगत आधार पर ट्रांसफर कर प्रताडित किया जा रहा हैं। इस पर सदन में हंगामा हो गया। जिसके कारण से सत्ता पक्ष ने कड़ा ऐतराज जताया। और मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि जातिगत आधार पर लोगों को बांटने की कांग्रेस की फितरत रही है, इस पर जमकर नोंक-झोंक हुई।

लंबित कोर्ट केसेज का लोक अदालत में हो रहा निपटारा : मदन राठौड़

जयपुर। देश में लोक अदालतों के माध्यम से न्यायालयों में चल रहे मामलों का तेजी से निस्तारण किया जा रहा है। इसमें उन मामलों को रखा जा रहा है जो मुकदमेबाजी के पहले चरण में ही निस्तारित हो सकते है। इसकी जानकारी केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने राज्यसभा सांसद व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड की ओर से पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में दी। उन्होंने कहा कि लोक अदालतें संबंधित न्यायालयों के भेजे मामलों का ही निस्तारण करती है। वर्ष 2025 में राष्ट्रीय लोक अदालतें दिनांक 8 मार्च, 10 मई, 13 सितंबर और 13 दिसंबर को आयोजित होगी जिससे लंबित लाखों मामलों में नागरिकों को राहत मिल सकेगी।

> ■ **'गत वर्ष स्थाई लोक अदालत में 10 करोड से अधिक मामले निस्तारित'**

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड ने बताया कि केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल के अनुसार देश में लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयों का बोझ कम किया जा रहा है। इसके चलते गत वर्ष ही देशभर में 10 करोड 45 लाख 26 हजार मामलों को निस्तारित किया गया है। वहीं राज्य लोक अदालत में निस्तारित होने वाले मामलों की संख्या 10.88 लाख रही है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड ने बताया कि केन्द्रीय कानून मंत्री ने जानकारी दी है कि लोक अदालतों का आयोजन विधिक सेवा संस्थानों द्वारा ऐसे अंतरालों पर किया जाता है, जैसा वे उचित समझते हैं। लोक अदालतें न्यायालयों पर बोझ कम करने के लिए वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) तंत्र के प्रभावी तरीकों में से एक हैं, जिन्हें जनता से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड ने बताया कि केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल के अनुसार राज्य लोक अदालत में विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा स्थानीय परिस्थितियों और आवश्यकताओं के अनुसार पूर्व मुकदमेबाजी और पश्चात मुकदमेबाजी दोनों प्रकार के मामलों के निपटारे के लिए किया जाता है। स्थायी लोक अदालतें अधिकांश जिलों में स्थापित स्थायी स्थापन हैं, जो सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित विवादों के निपटारे के लिए अनिवार्य पूर्व-मुकदमेबाजी से राहत देती है। राष्ट्रीय और राज्य लोक अदालतें स्थायी स्थापन नहीं हैं और संबंधित न्यायालयों द्वारा भेजे गए लंबित मामलों का ही निपटारा करती हैं। ये लोक अदालतें स्थायी प्रकृति की नहीं होती इसलिए सभी अनसुलझे मामले संबंधित न्यायालयों को वापस कर दिए जाते हैं। ऐसे में इन लोक अदालतों में मामले लंबित नहीं रहते हैं।

सार-समाचार

डॉ. मोहन मकवाना अधीक्षक बने

डॉ. मोहन मकवाना

जोधपुर, (कासं)। राज्य सरकार के चिकित्सा शिक्षा (ग्रुप-1) विभाग ने एक आदेश जारी कर डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ आचार्य डॉ. मोहन मकवाना को उम्मेद अस्पताल के अधीक्षक पद पर नियुक्त किया है। उप शासन सचिव शिवशंकर अग्रवाल ने यह आदेश जारी किए है। आदेशानुसार मोहन मकवाना ने गुरूवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। डॉ मकवाना ने राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित होकर 2004 में सहायक आचार्य का पदभार ग्रहण किया। इसके पश्चात वे 2010 में सह आचार्य, 2014 में आचार्य तथा 2018 में वरिष्ठ आचार्य बने। उपरोक्त आदेशों की अनुपालना में डॉ मोहन मकवाना ने गुरूवार को अपना पदभार ग्रहण किया।

आयुर्वेद वि.वि. में जांच शिविर लगाया

जोधपुर, (कासं)। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के संघटक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी के विशेषज्ञ शिक्षक-चिकित्सकों की टीम द्वारा शिवराम नत्थुजी टाक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पूंजला में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा जन जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। होम्योपैथी चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. गौरव नागर एवं शिविर प्रभारी डॉ. राजेश कुमार कुमावत ने बताया कि होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. अंकिता आचार्य, डॉ. राकेश कुमार मीना एवं चतुर्थ वर्ष छात्र छगन राम एवं अंतिमा मीना, आयुषी टाक और कंचन मीणा, मुस्कान खान ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में 146 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नि:शुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया गया। डॉ. अंकिता आचार्य ने विद्यार्थियों को जानकारी दी कि वे अपनी दिनचर्या में स्वच्छता का अधिकाधिक पालन करें क्योंकि कृमि रोग का संक्रमण अस्वच्छ आदतों की वजह से होता है। होम्योपैथी चिकित्सा पद्धित कृमि संक्रमण तथा उनके लक्षणों जैसे कि कुपोषण, खून की कमी, शरीर के विकास में अवरोध, थकान एवं कम एकाग्रता के निदान में अत्यधिक कारगर हैं। शिविर के दौरान मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी महेश बिस्सा, प्राधानाचार्य रेणु व्यास एवं शिक्षक रंजना कच्छवाह, संतोष देवी, मधु गौड़ एवं वन्दना का सहयोग रहा।

कोमता के लोगों ने ज्ञापन दिया

जालोर, (कासं)। निकटवर्ती ग्राम कोमता के ग्राम वासियो ने गुरुवार को जिला कलेक्टर जालोर को ज्ञापन सौपकरर ग्राम पंचायत की ओर से राज्य सरकार के आदेश की अवहेलना करने पर कार्यवाही करने की मांग की गई। श्रवणसिंह सिसोदिया ने बताया कि ग्राम कौमता तहसील सायला के खसरा नंबर 819 रकबा 50 हैक्टर किस्म गैर मुमकिन आबादी में सरपंच ग्राम पंचायत कोमता व ग्राम विकास अधिकारी द्वारा जारी किए गए जा रहे हैं मर्जी माफिक पट्टे, जबकि उक्त खसरा मे वर्ष 1976 में बाढ प्रभावित पीडित परिवारों को ही नामजद सूची अनुसार पट्टे जारी करने थे। ग्राम पंचायत कोमता द्वारा अपने चहते लोगो को राज्य सरकार के आदेश दिनांक 27.11.1976 के विरुद्ध जाकर मर्जी माफिक पट्टे जारी किये जा रहे है,पीडित परिवार आज भी भूखंड आवंटित होने व पट्टे मिलने से वंचित है, जबकि उक्त खसरा के पूर्व खातेदार भी पीडित परिवार के पूर्वज ही थे, उनके वरिसान आज भी जीवित है व लगातार भूखंड आवंटन की मांग कर रहे है, लेकिन उनकी उपेक्षा की जा रही है, वर्ष 1976 में भयंकर बाढ आई थी, तब ग्राम पंचायत, तहसीलदार व जिला कलेक्टर ने प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भेजा, जिस पर राज्य सरकार ने दिनांक 27.11.1976 के आदेश जारी कर पीड़ित परिवारों को भूखंड आवंटित करने का आदेश दिया, लेकिन आज दिन तक उक्त आदेश की पालना नहीं की गयी है। जिससे व्यथित होकर ग्राम कोमता के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर जालोर को ज्ञापन सौंप कार्यवाही की मांग की। ज्ञापन देते समय बग सिंह कोमता, छैल सिंह, मांग सिंह, भंवर सिंह, दीप सिंह, जिन सिंह, राम सिंह, हरी सिंह, मोंग सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

राजेन्द्र नगर स्कूल में स्वेटर बांटे

जालोर, (कासं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजेंद्र नगर, जालोर में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के सहयोग से विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में कक्षा 1 से 5 तक के जरूरतमंद विद्यार्थियों को ठंड से बचाव के लिए गर्म कपडे प्रदान किए गए। विद्यालय परिवार ने इस नेक कार्य के लिए बैंक प्रबंधन और स्टाफ का आभार व्यक्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राठौड ने कहा कि जो भी लोग कमाते हैं, वे उसमें से कुछ हिस्सा समाज सेवा के लिए देते हैं, यही सच्ची मानवता है। इसी सोच को अपनाते हुए एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के मैनेजर और स्टाफ ने इस नेक पहल में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि बैंक प्रबंधन पहले भी छोटे-छोटे बच्चों के लिए कई वितरण कार्यक्रम आयोजित कर चुका है, जिसमें आवश्यक वस्तुएं, शैक्षिक सामग्री और अन्य सहायता शामिल रही है। इस अवसर पर विद्यालय के अरुणा अवस्थी, अंशु वशिष्ठ, शमशुल हक, गणपत लाल, धनवंत गहलोत, फुटरा राम, भाग्यवती मैडम, कृष्ण कुमार तिवारी, बादामी देवी, प्रियंका तिवारी, पृथ्वीराज सहित विद्यालय स्टाफ के कई सदस्य उपस्थित रहे।विद्यालय परिवार ने एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के इस सामाजिक सरोकार की भूरी-भूरी प्रशंसा की और कहा कि इस प्रकार की पहल अन्य संगङ्गनों और संस्थानों के लिए भी प्रेरणादायक है। विद्यालय प्रशासन ने भविष्य में भी बैंक के सहयोग से इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की आशा व्यक्त की।

जोधपुर में जलापूर्ति 9 को बन्द रहेगी

जोधपुर, (कासं)। ग्रीष्म ऋतू के लिए जल भंडारण एवं जोधपुर शहर के फिल्टर प्लांट, पम्प हाउस, पाईप लाईनों के अति आवश्यक रख रखाव व सफाई के लिये 9 फरवरी को जोधपुर शहर के समस्त फिल्टर हाउस से सभी क्षेत्रों मे जलापुर्ति बन्द रहेगी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग नगर वृत जोधपुर के अधीक्षणक अभियंता राजेन्द्र मेहता ने बताया कि जोधपुर शहर के कायलाना, चौपासनी व सुरपुरा फिल्टर हाउस से संबन्धित सभी क्षेत्रों में 9 फरवरी को होने वाली जलापूर्ति 10 फरवरी को तथा 10 फरवरी को होने वाली जलापूर्ति 11 फरवरी को की जावेगी। अभियांत्रिकी विभाग नगर वृत मेहता ने बताया कि झालामण्ड एव तख्त सागर फिल्टर हाउस से जुड़े क्षेत्र सरस्वती नगर,एवं कुडी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड के विभिन्न सेक्टरों एवं पाल बाईपास, शिल्पग्राम के आस पास क्षेत्रो में 9 फरवरी को सुबह 10:00 बजे तक की जाने वाली जलापूर्ति सामान्य रुप से होगी तथा इन क्षेत्रों में 10 फरवरी को की जाने वाली जलापूर्ति 11 फरवरी को एवं 11 फरवरी को की जाने वाली जलापूर्ति 12 फरवरी को होगी।

कायमखानी समाज के क्रिकेट मैच हुए

जोधपुर, (कासं)। कायमखानी समाज के तत्वावधान में एलएस क्रिकेट ग्राउंड माता का थान में आज तीन मैच खेले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार मीडिया प्रभारी अय्युब खान ने बताया कि कायमखानी समाज के तत्वावधान में माता का थान स्थित एलएस क्रिकेट ग्राउंड में चल रहे क्रिकेट मैच दूसरे दिन तीन टीमों के बीच खेला गया। तीनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं लिबर्टी क्लब में जिलानी क्लब 30 रन से हराया। दूसरा मैच कायमखानी घंटाघर ने स्पार्टन क्लब को पांच क्रिकेट से हराया। वह तीसरे मैच में रॉयल कायमखानी ने के जिलानी को क्लब को 6 क्रिकेट से हराया। क्रिकेट मैच के दौरान साजिद खान, सौहेल खान, डा. साबिर ने शानदार बल्लेबाजी से मैच को रोमांचक बना दिया। सभी मैच सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए।

हापूराम व पदाधिकारियों का स्वागत

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान शारीरिक शिक्षा शिक्षक संगठन जिला शाखा जोधपुर शहर व जिला जोधपुर ग्रामीण इकाई ने प्रदेश कार्यकारिणी के तीसरी बार बने प्रदेश अध्यक्ष हापूराम चौधरी, दूसरी बार बने प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह चौहान व पहली बार प्रदेश संयुक्त संगठन मंत्री के पद पर दो वर्षों के लिए चुने गए महेंद्र जयपाल का कर्मचारी महासंघ कार्यालय पावटा जोधपुर में माला, साफा व स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत सत्कार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तीनों ही कर्मचारी प्रतिनिधियों ने कर्मचारियों को विश्वास दिलाया कि शारीरिक शिक्षकों के हितों की रक्षार्थ हमेशा तत्पर रहेंगे और कर्मचारियों की आवाज सरकार तक पहुंचाएंगे, और जरूरत पड़ने पर संघर्ष भी करेंगे।

सुंधा माता मंदिर में माताजी के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के डीटीओं ऑफिस के सामने सुंधा माता मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन हवन हुआ तथा रात में भजन संध्या का आयोजन किया गया।

अध्यक्ष हुकमीचंद सुन्देशा ने बताया कि बुधवार की रात को भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें भजन गायक प्रकाश माली गोयली ने गणपति वंदना के साथ की भजन संध्या की शुरूआत की, पिकी गहलोत ने आवणो पडेला माताजी...., हेमलता गहलोत ने ओ माताजी ओ उजो आपरो देवरों.... सहित एक से बढकर एक भजनों की प्रस्तुति दी। जिससे श्रदालु देर रात तक झुमते नजर आए।

मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अन्तिम दिन शुक्रवार को मंदिर में माताजी की मुर्ति की प्राण प्रतिष्ठा, मंदिर शिखर पर कलश व अमर ध्वज स्थापना, हेलिकॉप्टर से पुष्पा वर्षा, भामाशाह परिवारों का स्वागत, फले चुंदडी (भोजन प्रसादी) व शत चंडी यज्ञ में पुर्ण आहुतियां के साथ कार्यक्रम के समापन होगा।

इस दौरान सचिव तेजाराम, गणपत सुन्देशा, भोमाराम सुन्देशा, रतनाराम, बाबुलाल, मोहनलाल, सावलाराम, चेतन सुन्देशा, पुखराज सुन्देशा, नारायण, रमेश, रणछोड, कालूराम, पूनमाराम, ओमप्रकाश, चूनीलाल, विनोद, मुकेश सुंदेशा व शान्तिलाल सहित बडी संख्या में माली समाज के लोग मौजूद रहे।

जालोर में माली समाज सुन्देशा गौत्र की कुल देवी सुंधा माता के नव निर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दूसरे दिन गुरूवार को वैभव गहलोत, धर्मेन्द्र राठौड, रमिला मेघवाल व कांग्रेस जिला अध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल भी मौजूद रहे।

जालोर शहर में डी.टी.ओ. ऑफिस के सामने सुंधामाता मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत भजन संध्या में कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी। फोटो-राष्ट्रदूत

भाजपा महिला मोर्चा की महामंत्री जयश्री का स्वागत

जालोर में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री जयश्री गर्ग का स्वागत किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री जयश्री गर्ग के गुरुवार को जालोर आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान नगर एवं जिला स्तर के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जय श्री गर्ग के साथ प्रदेश मंत्री मंजू मेघवाल, नगर अध्यक्ष रवि कुमार सोलंकी, नगर महामंत्री दिनेश कुमार महावर, नगर मंत्री रतन सुथार , पार्षद दिनेश कुमार बरोट, जिला मंत्री सुशील सेन, उर्मिला दर्जी, गोपाल सिंह, श्रवण कुमार ओड, सहित बडी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने जयश्री गर्ग के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में महिला मोर्चा संगठन और अधिक सशक्त होगा।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूती देने और आगामी चुनावों के लिए सक्रिय रहने का संदेश दिया। जय श्री गर्ग ने जालोर की जनता एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा महिला मोर्चा महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है और भविष्य में भी इसे और अधिक प्रभावी बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा।

इस भव्य स्वागत समारोह से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ और आगामी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर सकारात्मक चर्चाएं हुईं। कार्यकर्ताओं ने महिला मोर्चा को और अधिक सक्रिय बनाने, भाजपा संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

ट्रेक्टर व बाइक्स चोरी क मामले

जोधपुर, (कासं)। शहर में अलग अलग स्थानों से ट्रेक्टर और बाइक्स चोरी के प्रकरण पुलिस थानों में दर्ज कराए गए है। पुलिस अब वाहन चोरों की तलाश में जुटी है।

डांगियावास थाने में दी रिपोर्ट में पालासनी निवासी पुखराज सीरवी ने पुलिस को बताया कि 4 फरवरी की रात्रि से 5 फरवरी की सुबह के बीच में अज्ञात चोर उसके घर के बाहर खड़ा ट्रेक्टर चुराकर ले गया।

वहीं सदर बाजार थाने में दी रिपोर्ट में परिहारों का बास, मगरा पूजला निवासी अरूण परिहार ने पुलिस को बताया कि रात्रि के समय वह नई सडक़ क्षेत्र में किसी काम से आया था। अपनी बाइक को एक जगह खड़ा किया और काम से चला गया।

वापस आया तो बाइक अपने स्थान से गायब थी। उसकी बाइक चोरी हो गई। इधर सरदारपुरा थाने में दी रिपोर्ट में सुरज बासनी बावरला निवासी महेश व्यास ने पुलिस को बताया कि रात्रि के समय एमजीएच के सामने एक रेस्टारेंट पर आया था। जहां से उसकी बाइक अज्ञात शख्स चोरी कर ले गया। जबकि शास्त्रीनगर थाने में दी रिपोर्ट में वायु विहार कॉलोनी ढंढ रोड झालामंड निवासी योगेश प्रजापत ने पुलिस को बताया कि वह जी सेक्टर शास्त्रीनगर आया था, जहां से अज्ञात शख्स उसकी बाइक चुरा ले गया। इधर विवेक विहार थाने में दी रिपोर्ट में विवेक विहार निवासी रामनिवास रैगर ने पुलिस को बताया कि वह 14 सेक्टर कुड़ी भगतासनी आया था। जहां से कोई उसकी बाइक को चुरा ले गया।

जैसलमेर कबड्डी संघ के चुनाव संपन्न

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिला कबड्डी संघ जैसलमेर के चुनाव गुरुवार को निर्वाचन अधिकारी डॉ अशोक तंवर की देखरेख में जिला खेल अधिकारी राकेश विश्नोई, ओलम्पिक संघ पर्यवेक्षक लाल सिंह सांखला और राजस्थान राज्य कबड्डी संघ पर्यवेक्षक जीतेन्द्र सिंह की उपस्थिति में आयोजित किये गए।

चुनाव अधिकारी डॉ अशोक तंवर ने बताया कि जिला कबड्डी संघ के चुनावों में विभिन्न पदों पर एकल आवेदन आने से चुनाव निर्वाचन निर्विरोध किया गया।

उन्होंने बताया कि लक्षमण सिंह तंवर, पेट्रोन अमरदीन फकीर अध्यक्ष ,चन्दन सिंह भाटी सचिव, नवाबुद्दीन भाटी वरिष्ठ उपाध्यक्ष ,राजेंद्र सिंह चौहान, हनुमान राम विश्नोई ,ऋषि तेजवानी, गणपत सिंह सोलंकी उपाध्यक्ष ,योगेश गज्जा कोषाध्यक्ष, मुकद्दर मैहर ,योगेश सांवल , शैतान सिंह भाटी ,राजेंद्र सुथार संयुक्त सचिव, निम्ब सिंह कोटडी आयोजन सचिव , आनंद सिंह देवड़ा, मेघराज परिहार , अनिल शर्मा ,खट्टन खान कार्यकारिणी सदस्य ,स्पोर्ट्स पर्सन जालम सिंह फुलिया ,दशरथ सिंह फुलिया , सुजानाराम और पीराराम एथेलेटिक्स कमीशन अनिल सिंह भाटी निर्वाचित घोषित किये गए।

पर्यवेक्षक लाल सिंह सांखला ने कार्यकारिणी का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। सांखला ने कबड्डी की नई टीम को बधाई देते हुए कहा कि जैसलमेर में कबड्डी की सशक्त टीम हे जो खिलाडियों के लिए पिछले बार बेहतर कार्य किया।

राज्य स्तरीय टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया। कई खिलाडी स्टेट , नेशनल और प्रो कबड्डी लीग में खेले। भविष्य में कबड्डी के बेहतर खिलाडी तराशेंगे हमे उम्मीद हैं।

कलैक्टर ने आलासन में जन समस्याएं सुनी

डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने आलासन ग्राम पंचायत मुख्यालय पर पंचायत स्तरीय जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन की समस्याओं, परिवेदनाओं के निवारण, सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए त्रिस्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था के तहत गुरूवार को जिले के समस्त ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया जिनमें आमजन की परिवेदनाएँ प्राप्त कर प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने आलासन ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आयोजित पंचायत स्तरीय जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण के लिए संबंधित ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुँचाने के साथ ही जनता की समस्याओं पर प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए परिवादों के मौके पर ही निस्तारण के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, सड़क, पंचायतीराज सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवाद प्रस्तुत हुए जिनकी सुनवाई करते हुए जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने विभिन्न परिवादों का मौके पर ही निस्तारण किया तथा शेष प्रकरण राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज कर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी देकर इसका लाभ उठाने की बात कही। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित केन्द्र व राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर जालोर तहसीलदार बाबूसिंह राजपुरोहित, विकास अधिकारी गौरव विश्नोई, सरपंच भरत मेघवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आढ़ा जयंती समारोह 11 को

जोधपुर, (कासं)। हिन्दी विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर एवं दुरसा आढ़ा फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्र कवि दुरसा आढा जयंती समारोह 11 फरवरी को प्रात: 10.30 बजे बृहस्पति भवन, केन्द्रीय कार्यालय परिसर, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में आयोजित किया जायेगा।

दो दिवसीय मसाला एक्सपो का आयोजन कल से

जोधपुर, (कासं)। राजस्थानी मसालों को देश और दुनिया में प्रमोट करने के उद्देश्य से जोधपुर में दो दिवसीय मसाला एक्सपो का आयोजन 8 और 9 फरवरी को राजस्थानी एसोसिएशन आफ स्पाइस की ओर से किया जाएगा। इस कार्यक्रम में देशभर के अलग-अलग जिलों और राज्यों से 500 से अधिक मसाला एक्सपर्ट शामिल होंगे।

वहीं 100 स्टॉल भी लगाई जाएगी, जिसमें जोधपुर और आसपास के जिलों के किसान अपने मसाला उत्पादन का प्रदर्शन करेंगे। इस बार ये तीसरा एक्सपो है। इससे पूर्व कोटा और जयपुर में भी एक्सपो का आयोजन किया जा चुका है। बाहर की मसाला कंपनियों को एक ही जगहों पर मसालों का उत्पादन करने वाले किसानों से मिलने का मौका मिलेगा।

राजस्थानी एसोसिएशन आफ स्पाइसेज के अध्यक्ष श्याम जाजू ने बताया कि एक्सपो का उद्देश्य राजस्थान के मसालों को वैश्विक पहचान देना और व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। इसमें 600 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खरीददार, प्रोसेसर और मसाला कंपनियों की उपस्थिति रहेगी। राजस्थान में इन मसालों का मार्केट कैसे बढ़ें, इसको लेकर हर साल एक्सपो का आयोजन किया जाता है।

जयपुर और कोटा के बाद अब जोधपुर में ये एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। इस एक्सपो में नामी कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इसके चलते यहां के किसानों और मसाला प्रोसेसर कंपनियों को अपने व्यापार बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

फाइनेंस डायरेक्टर दिनेश सोनी ने बताया- एसोसिएशन की ओर से राजस्थान के जीरा, सौंफ, मेथी मसालों को लेकर सैटेलाइट सर्वे भी किया जाता है। वर्तमान में किसान इन मसालों की खेती करता है, लेकिन माल बेचने के लिए दूसरे जिलों या राज्यों में जाना पड़ता है। ऐसे में किसानों और मसाला कंपनियों के लिए इस एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। एक्सपो में राजस्थान के बाहर के जितने भी व्यापारी है जो इन मसालों को परचेज करते हैं उन्हें भी यहां बुलाया गया है। करीब 500 मसालों की इंडस्ट्री से जुड़े लोग यहां शामिल होंगे। जबकि एक्सपो में 100 स्टॉल भी लगाई जाएगी।

नवो बाड़मेर का विशेष सफाई अभियान शुरू

बाड़मेर, (कासं)। नवो बाडमेर कार्यक्रम के तहत बाडमेर शहर में विभिन्न स्थानों पर 14 फरवरी तक विशेष सफाई अभियान चलेगा। विशेष सफाई अभियान की शुरूआत गुरूवार को कृषि उपज मंडी परिसर स्थित सब्जी मंडी से हुई।

बाडमेर जिला मुख्यालय पर कृषि उपज मंडी स्थित सब्जी मंडी में मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार के पर्यवेक्षण में नगर परिषद की ओर से विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रेनी आरएएस झंवर लाल मित्तल, प्रियंका क?ला, मुख्य आयोजना अधिकारी नखताराम समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे द्य कृषि मंडी के बाहर यूआईटी सचिव एवं आयुक्त श्रवण सिंह राजावत के निर्देशन में अतिक्रमण हटवाए गए। इधर, जिला कलक्टर टीना डाबी ने नगर परिषद के माध्यम से विशेष सफाई अभियान का कार्यक्रम निर्धारित करते हुए पर्यवेक्षण के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। विशेष सफाई अभियान का समय दोपहर 3 से सांय 6 बजे तक रहेगा। इसके तहत शुक्रवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत के निर्देशन में रेलवे स्टेशन रो?-वीआईपी केफे-गायत्री माता मंदिर के पास, 8 फरवरी को उपखंड अधिकारी वीरमाराम कृषि उपज मंडी, 9 फरवरी को मुख्य आयोजना अधिकारी नखताराम बाडमेर शहर के वार्ड 45 एवं 47 तथा 10 फरवरी को कोषाधिकारी जसराज चौहान वार्ड 39 शुभम् होटल, सिणधरी चौराहा इलाके में विशेष सफाई अभियान की मोनेटरिंग करेंगे। इसी तरह 11 फरवरी को अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी आंबाराम तिलक बस स्टैंड, 12 फरवरी को संयुक्त निदेशक डॉ.आर.बी.सिंह वार्ड संख्या 25, 13 फरवरी को उप निदेशक जसवंत गौड वार्ड 15 एवं 14 फरवरी को बाडमेर तहसीलदार हुकमीचंद सर्किट हाउस, जसदेर धाम इलाके में प्रभावी मोनेटरिंग करते हुए विशेष सफाई अभियान की क्रियान्विति सुनिश्चित करवाएंगे।

चाकूबाजी व लूट के चार आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की सूरसागर पुलिस ने लूट और चाकूबाजी का खुलासा कर चार आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ एक बालक को निरूद्ध किया है। पकड़े गए अभियुक्तों से पूछताछ चल रही है। किसी युवती से गलत कमेंट को लेकर विवाद होने पर वारदात को अंजाम दिया गया।

मामले के अनुसार 4 फरवरी को रामदेव नगर चौपासनी हाउसिंग बोर्ड निवासी ओमचंद्र प्रजापत पुत्र कानाराम ने रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि वह शाम 6 बजे जोधा रोड पहाड़ी पर बैठा था। तब पहाड़ी पर बैठी दो लड़कियों पर एक रिक्शा में सवार चार-पांच लडक़ों द्वारा कमेंट किया गया था। जिस पर लड़कियों द्वारा विरोध करने पर उनके साथ बदतमीजी करनी शुरू कर दी। जब उन्होंने उन लोगों को टोका तो उस पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उनके कूल्हे और पैरों पर घाव हो गए। इतना ही नहीं आरोपी उसके पास से करीब 20000 रुपए, पर्स और मोबाइल भी लूट कर ले गए। मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।

इसी तरह का एक मामला इसी दिन अर्जुन पुत्र राणाराम भील ने भी दर्ज करवाया। बताया कि 4 फरवरी को शाम के समय उनका भाई भट्टाराम बस्ती के बाद रोड पर खड़ा बारात देख रहा था। तभी एक रिक्शा में चार आदमी आए उन्होंने उनके भाई को रोड पर धक्का दिया विरोध करने पर उसके भाई पर चाकू से हमला कर दिया।

एसीपी रविन्द्र बोथरा ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दोनों मामलों में पुलिस ने रिक्शा नंबर के आधार पर आरोपियों के संबंध में जानकारी एकत्रित की और उसके बाद आरोपी फिरोज खान उर्फ भूरिया पुत्र असलम पठान, निवासी कायलाना चौराहा घनशहिदा दरगाह के सामने कबीर नगर सूरसागर, जावेद अहमद पुत्र मोहम्मद सलीम अहमद निवासी कबीर कॉलोनी, अली उर्फ डेविल पुत्र अयूब निवासी विभाग इमाम आजम रोड कबीर नगर और अबू अरमान पुत्र मोहम्मद यासीन निवासी चांद कतरन के पास कबीर नगर को गिरफ्तार कर दिया। इनमें से गिरफ्तार फिरोज के खिलाफ जोधपुर के विभिन्न थानों में अलग-अलग धाराओं में 12 मामले दर्ज हैं। एक किशोर भी निरूद्ध किया गया है।

नीति आयोग के दल ने फतेहगढ़ में बैठक ली

जैसलमेर, (नि.सं.)। नीति आयोग भारत सरकार नई दिल्ली के पर्यवेक्षण दल ने गुरुवार को आकांक्षी ब्लॉक फतेहगढ़ में ब्लॉक स्तरीय अधिकारीयों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी शिवा जोशी, विकास अधिकारी कैलाश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फील्ड विजिट के लिये ज़िला प्रशासन की तरफ़ से नोडल श्री देरावरसिंह राठौड़ ज़िला कोषाधिकारी जैसलमेर ने बताया कि नीति आयोग भारत सरकार नई दिल्ली के पर्यवेक्षण दल ने फील्ड विजिट कार्यक्रम के तहत राजीविका के सी.एल.एफ भेसडा की महिलाओं के साथ सी.एल.एफ की आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली और महिलाओ के साथ संवाद किया। पर्यवेक्षण दल के सदस्य एयर कोमोडोर एन सतीश, एयर कोमोडोर सैलानी, सीनियर टेलीकॉम ऑफिसर जयप्रकाश, राजीविका के जिला परियोजना प्रबंधक हेमाराम जरमल, जिला प्रबंधक आजीविका अशोक पालीवाल, पंचायत समिति भणियाणा के विकास अधिकारी हनुमान राम साथ रहे। कलस्टर लेवल फेडरेशन भेसडा के अध्यक्ष सोहन कंवर, आरपी गुड्डी, एरिया कॉर्डिनेटर पूजा ने सी.एल.एफ के अंतर्गत आने वाले ग्राम सगठन, समूहों के द्वारा संचालित आजीविका गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजीविका के परियोजना प्रबंधक श्री हेमाराम जरमल ने राजीविका जैसलमेर के द्वारा संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। पर्यवेक्षण दल ने समूह की महिलाओ से संवाद में स्वरूप कंवर ने अपनी कहानी बताई की वह किस प्रकार राजीविका समूह से जुड़ कर सशक्त हुई। ग्राम पंचायत बेतीना के सरपंच प्रतिनिधि मूलाराम, ओला सरपंच प्रतिनिधि रघुवर सिंह ,ग्राम विकास अधिकारी भेसड़ा आवड सिंह, ब्लॉक फेलो ओमप्रकाश, ब्लॉक परियोजना प्रबंधक भणियाणा के रामलाल जाट, भोजराज जयपाल, भगवानाराम सहित 200 महिलाए उपस्थित रही।

वनडे सीरीज से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को मेन इन ब्लू के आक्रामक क्रिकेट का श्रेय दिया जाना चाहिए।

-जोस बटलर

इंग्लैंड के कप्तान, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शोएब अख्तर

तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने वर्ल्ड क्रिकेट के एक से बढ़कर एक धुरंधर खिलाड़ियों को चुनकर अपनी ऑल टाइम बेस्ट वनडे टीम की प्लेइंग इलेवन बनाई है। गॉर्डन ग्रीनिज, सचिन तेंदुलकर, इंजमाम उल हक, सईद अनवर, महेंद्र सिंह धोनी (विकेटकीपर), एडम गिलक्रिस्ट, युवराज सिंह, शेन वॉर्न (कप्तान), वसीम अकरम, वकार यूनुस और कपिल देव। शोएब अख्तर ने वसीम अकरम, वकार यूनुस और कपिल देव को बतौर तेज गेंदबाज चुना है। शोएब अख्तर ने अपनी प्लेइंग इलेवन में 4 पाकिस्तानी, 4 भारतीय, 2 ऑस्ट्रेलियाई और वेस्टइंडीज का 1 खिलाड़ी चुना है।

क्या आप जानते हैं ?... पेले, अक्सर सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी माने जाते हैं और निश्चित रूप से सबसे ज़्यादा विश्व कप जीतने वाले खिलाड़ी हैं।

देहरादून में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में राजस्थान को रजत

जयपुर, 6 फरवरी। राजस्थान राइफल एसोसिएशन को 20 प्रतिभाशाली एथलीटों के चयन की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है जो की देहरादून में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे है। यह आयोजन दिनांक 28 जनवरी 2025 से 14 फरवरी 2025 तक आयोजित किये जायेंगे इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश भर के शीर्ष निशानेबाजों की भागीदारी होगी और राजस्थान का दल राष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। इस आयोजन में 10 मीटर एयर पिस्तौल मिक्स्ड टीम इवेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे राज्य के प्रतिभाशाली निशानेबाज उमेश चौधरी और अंजलि शेखावत ने भाग लिया राजस्थान की इस जोड़ी ने मिलकर रजत पदक अपने नाम किया। राष्ट्रीय खेल पूरे भारत में खेल भावना को बढ़ावा देने और प्रतिभा के पोषण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच हैं। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में राजस्थान के निशानेबाज उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने और राज्य को गौरवान्वित करने के लिए आश्वस्त हैं। राजस्थान राइफल एसोसिएशन एथलीटों को अपनी शुभकामनाएं देता है।

अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल मैच हेतु राजस्थान टीम घोषित

जयपुर 6 फरवरी। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत के अनुसार बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता के आगामी 10 -13 फरवरी 2025 से पुणे में महाराष्ट्र टीम के विरुद्ध खेले जाने क्वाटर फाइनल मैच हेतु राजस्थान क्रिकेट संघ ने राजस्थान टीम घोषित कर दी।

अंडर 23 ट्रॉफी हेतु राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा घोषित टीम :- करण लाम्बा (कप्तान), सुमित गोदारा, सचिन यादव, सर्वज्ञ पानेरी, युवराज सिंह खींची, आयुष अमेरिया, मुकुल चौधरी, मिनाफ शेख, मनीष आचार्य, मोहित चांगरा,अशोक शर्मा, चेतन शर्मा, दीपेंदर सिंह, राहुल चौधरी, पार्थ यादव। मैच हेतु राजस्थान टीम दिनांक 7 फरवरी को प्रस्थान करेगी।

नन्हें खां क्रिकेट लीग

चंबल स्पोर्ट्स की जीत में हार्दिक के 99 नाबाद रन

जयपुर, 6 फरवरी। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 4 नन्हें खा मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग में आज संस्कार ग्राउंड पर खेले गए मैच में चंबल स्पोर्ट्स ने सिग्नेचर एकेडमी को 8 विकेट से हराया। टॉस जीतकर सिग्नेचर एकेडमी ने बल्लेबाजी करते हुए आशीष शर्मा 42, आर्यन 33, निक्की 22, रोनित 27 के सहयोग से 34 ओवर में 184 रन बना कर ऑल आउट हो गई। चंबल स्पोर्ट्स की ओर से गेंदबाजी करते हुए अमन यादव 2, रोहन राजभर 3, आदित्य 2, धर्मेश चौधरी 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए चंबल स्पोर्ट्स क्लब के युवा सलामी बल्लेबाज हार्दिक कुक्कड़ ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 99 नाबाद रन बनाए। राहुल खंडेलवाल 63 , धर्मेश चौधरी 17 रन नाबाद रनों के सहयोग से 19 ओवर में 185 रन बनाकर जीत दर्ज की। आज के मैन ऑफ़ द मैच हार्दिक कुक्कड़ रहे।

कर्नल लक्ष्मण सिंह व राकेश अग्रवाल के आकस्मिक निधन से समस्त खेल जगत में शोक की लहर

जयपुर 6 फरवरी। राज्य के खेल मंत्री (कैबिनेट) कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के पिता कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ व राजस्थान क्रिकेट संघ के पूर्व पदाधिकारी राकेश अग्रवाल के आकस्मिक निधन पर राजस्थान क्रिकेट संघ व राजस्थान के समस्त खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गयी।

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी और आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत ने राज्य के खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धनसिंह राठौड़ के आदरणीय पिता कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ के आकस्मिक निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए कहा की स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह राठौड़ जैसा सशक्त व विशिष्ट व्यक्तित्व अब हमारे बीच नहीं है। उनके ही मार्गदर्शन में कर्नल राजवर्धन सिंह राठौड़ ने देश विदेश में न केवल देश का नाम रोशन किया है साथ ही उनकी शिक्षा के कारण ही हमें विशेष वक्तित्व व ऊर्जावान खेल मंत्री के सानिध्य में रहकर राज्य की क्रिकेट को सुचारु रूप से पटरी पर लेन में सफलता प्राप्त हुई है।

स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह राठौड़ व राजस्थान क्रिकेट संघ के पूर्व पदाधिकारी राकेश अग्रवाल के आकस्मिक निधन पर समस्त राजस्थान क्रिकेट संघ

भारत ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराया

सीरीज में 1-0 से आगे निकला भारत, शुभमन गिल ने खेली बेहतरीन पारी

शुभमन गिल

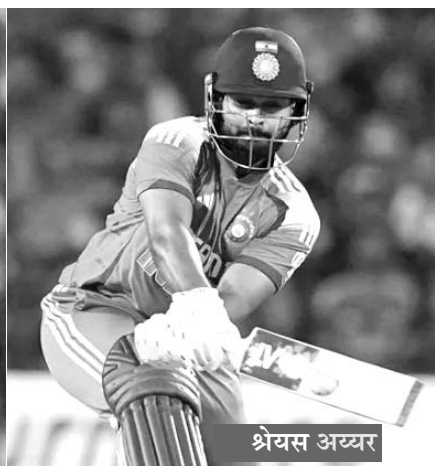

श्रेयस अय्यर

नागपुर 6 फरवरी। रवींद्र जडेजा और हर्षित राणा (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद शुभमन गिल (87), अक्षर पटेल (52) और श्रेयस अय्यर (59) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने गुरुवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 68 गेंदे शेष रहते चार विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। इंग्लैंड के 248 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और उसने मात्र 19 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। कप्तान रोहित शर्मा (दो) और यशस्वी जायसवाल (15) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिये 94 रनों की साझेदारी हुई। 16वें ओवर में जेकब बेथेल ने पगबाधा आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। श्रेयस अय्यर ने 36 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के लगाते हुए (59) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अक्षर पटेल ने गिल का भरपूर साथ निभाया। दोनों के बीच चौथे विकेट लिये 108 रनों की मजबूत साझेदारी हुई। जीत की ओर बढ़ रही भारतीय टीम को 34वें ओवर में आदिल रशीद ने अक्षर पटेल को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अक्षर पटेल ने 47 गेंदों में छह चौके ओर एक छक्का लगाते हुए (52) रन बनाये। के एल राहुल (दो) को आदिल रशीद ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट भारत को पांचवां झटका दिया। इसके बाद साकिब महमूद ने शतक की ओर बढ़ रहे शुभमन गिल को बटलर के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ा झटका दिया। गिल ने 96 गेंदों में 14 चौके लगाते हुए (87) रनों महत्वपूर्ण की पारी खेली। भारत ने 38.4 ओवर में छह विकेट पर 251 रन बनाकर चार विकेट से मुकाबला जीत लिया। रवींद्र जडेजा (12) और हार्दिक पंड्या (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे। जडेजा ने साकिब महमूद की गेंद पर विजयी चौका लगाया।

इंग्लैंड की ओर से साकिब महमूद और आदिल रशीद को दो-दो विकेट मिले। जोफ्रा आर्चर और जेबेक बेथल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की फिल सॉल्ट और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 75 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में विकेटकीपर केएल राहुल ने फिल सॉल्ट को रनआउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। फिल सॉल्ट ने 26 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुए (43) रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में हर्षित राणा ने बेन डकेट (32) को आउट कर इंग्लैंड को दूसरा झटका दिया।

इसी ओवर में हर्षित ने हैरी ब्रूक (शून्य) को आउट कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। 19वें ओवर में रविंद्र जडेजा ने जो रूट (19) को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। 36वें ओवर में हर्षित राणा ने लियम लिविंगस्टन (पांच) को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच आउट कर भारत को छठी सफलता दिलाई। 40वें ओवर में मोहम्मद शमी ने ब्राइडन कार्स (पांच) को आउट किया। 43ओवर में रविंद्र जडेजा ने जेकब बेथेल (51) को आउट कर इंग्लैंड की बड़ा स्कोर बनाने की उम्मीदों को झटका दिया। जडेजा ने आदिल रशीद (आठ) को बोल्ड कर इंग्लैंड को नौवां झटका दिया। 48वें ओवर की चौथी गेंद पर कुलदीप यादव ने साकिब महमूद (दो) को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराकर इंग्लैंड की पारी को समेट दिया। कप्तान जॉश बटलर (52), जेकब बेथेल (51) और फिल सॉल्ट (43) की जूझारू पारियों के दम पर इंग्लैंड ने 248 के स्कोर तक पहुंच सका। जोफ्रा आर्चर (21) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से हर्षित राणा और रवींद्र जडेजा ने तीन-तीन विकेट लिये। अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी और कुलदीप यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जडेजा ने रचा इतिहास

नागपुर, 6 फरवरी। भारत और इंग्लैंड के बीच पहले वनडे मैच में टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने एक बड़ा कीर्तिमान रच डाला है। जडेजा इंटरनेशनल क्रिकेट में 600 विकेट पूरे करने वाले पांचवें भारतीय गेंदबाज बन गए हैं।

उन्होंने नागपुर में खेले गए वनडे मैच में कुल 3 विकेट अपने नाम कर ये इतिहास रचा है। इसके अलावा जडेजा ने भारत और इंग्लैंड वनडे मैचों के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने का भी रिकॉर्ड बनाया है। इस मामले में उन्होंने जेम्स एंडरसन के 40 विकेटों के रिकॉर्ड को भी पछाड़ दिया है।

रविंद्र जडेजा से पहले पांच भारतीय गेंदबाजों ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 600 या उससे ज्यादा विकेट लिए थे। इस सूची में पहले स्थान पर अनिल कुंबले हैं, जिनके नाम 935 विकेट हैं। इस लिस्ट में रविचंद्रन अश्विन, हरभजन सिंह और कपिल देव भी शामिल हैं। अनिल कुंबले-953 विकेट, रविचंद्रन अश्विन- 765 विकेट, हरभजन सिंह-703 विकेट, कपिल देव- 687 विकेट, रविंद्र जडेजा 600 विकेट। वहीं जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में पहला विकेट जो रूट का लिया।

विमेंस प्रीमियर लीग का फुल शेड्यूल

नई दिल्ली, 6 फरवरी। विमेंस प्रीमियर लीग 2025 की शुरुआत 14 फरवरी से होगी इस बार टूर्नामेंट का तीसरा सीजन खेला जाएगा। इस बार होने वाले डब्ल्यूपीएल के मुकाबले लखनऊ सहित कुल चार शहरों में होंगे। पिछले सीजन के मुकाबले सिर्फ दो शहरों में खेले गए थे। एक नजर टूर्नामेंट के पूरे शेड्यूल पर एक नजर डालते हैं। टूर्नामेंट के तीसरे सीजन में कुल 22 मैच खेले जाएंगे। इस बार भी 5 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके बीच ये मुकाबले होंगे। डब्ल्यूपीएल 2025 के मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम, वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम, बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम और मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात जायंट्स के बीच खेला जाएगा। ये मैच वडोदरा में होगा। भारतीय समय के अनुसार सभी मुकाबलों की शुरुआत शाम 7.30 बजे से होगी।विमेंस प्रीमियर लीग की शुरुआत 2023 में हुई थी। पहले सीजन के सभी मुकाबले मुंबई के सिर्फ दो वेन्यू पर खेले गए थे। फिर अगले सीजन में टूर्नामेंट के मुकाबले दो शहरों में हुए। इस बार यानी 2025 में दायरे को और बढ़ाया गया, जिसके चलते मैच 4 शहरों में होंगे।

चोटिल कमिंस और हेजलवुड चैंपियंस ट्रॉफी से हुये बाहर

सिडनी 6 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने गुरुवार को यह जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया को इसके अलावा मिचेल मार्श और मार्कस स्टॉयनिस की भी टीम से बाहर हो गये। मार्श पीठ की चोट से जूझ रहे हैं, वहीं स्टॉयनिस ने अचानक से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलिया को 12 फरवरी तक इन सभी खिलाड़ियों की जगह नये खिाड़ियों की घोषणा करनी है। बेली ने कहा, इन खिलाड़ियों का बाहर होना निराशाजनक है, लेकिन अन्य खिलाड़ियों के लिए ऑस्ट्रेलिया को एक विश्व स्तरीय टूर्नामेंट में प्रतिनिधित्व करने का अवसर होगा।

हर्षित राणा ने रचा इतिहास

टेस्ट और टी20 के बाद वनडे डेब्यू में 3 विकेट लेने वाले भारत के पहले गेंदबाज

नागपुर, 6 फरवरी। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय टीम के लिए 2 खिलाड़ियों ने डेब्यू किया। यशस्वी जायसवाल और हर्षित राणा को डेब्यू का मौका मिला। दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने इस मौके को दोनों हाथों से लपका। उन्होंने इंग्लैंड की पारी के 36वें ओवर में तीसरा विकेट लिया। इसके साथ ही उन्होंने अपना नाम इतिहास में दर्ज करालिया है। जिसके बाद वह टेस्ट की डेब्यू पारी के बाद पहले टी20 और वनडे मैच में भी 3 विकेट लेने वाले भारत के पहले गेंदबाज बन गए हैं।हर्षित ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। इस मैच की डेब्यू पारी में उन्होंने 48 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। इसके बाद जनवरी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में बतौर कनकशन सब्स्टीट्यूट डेब्यू किया था। इस मैच में 33 रन देकर 3 विकेट लिए थे। उनके इस प्रदर्शन से मैच का रुख पलट गया।

वी पोलो ने कैवेलरी को और डायनामिक्स अचीवर्स ने सुजान इंडियन टाइगर्स को हराया

सुजान के पाँच हेंडीकैप खिलाड़ी निकोलस के हाथ में लगी चोट

जयपुर, 6 फरवरी।। जयपुर पोलो सीजन 2025, लीला महाराजा सवाई मानसिंह पोलो कप (08 गोल) में आज दो मैच खेले गए। जिनमे एक मैच पीपीसी ठाउंड पर और एक मैच रामबाग पोलो ग्राउंड पर खेला गया। पीपीसी ग्राउंड पर पहला मैच वी पोलो बनाम कैवेलरी के बीच खेला गया जिसमे वी पोलो ने कैवेलरी को 8-5.5 से हराया।

वी पोलो की ओर से विश्वरूप ने 3 ओर सेंटियागो ने 5 गोल कर अपना विदेशी खेल दिखा अपनी टीम की जीत पक्की की। कैवेलरी की ओर से राजपुरोहित ने 1, कर्नल विशाल चौहान ने 3 गोल किये।

सुजान इंडियन टाइगर्स के पाँच हेंडीकैप खिलाड़ी निकोलस के पहले चक्कर मे डायनामिक्स अचीवर्स के खिलाड़ी द्वारा पास देने के दौरान पीछे से आ रही बॉल से हाथ मे चोट लगने के कारण,आगे का मैच खेलने के लिये तैयार नही हो पाए। मैच के एम्पायर जैसन डिक्सन, हेनरी फिशर और रेफ्री अंगद कलान ने कुछ देर के लिए खेल रोके रखा। पाँच हैंडीकैप निकोलस और दो हैंडीकैप भवानी कालवी की जगह सिमरन शेरगिल ओर अन्य खिलाड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। मैच में हिम्मत सिंह ने तिकडी जमाई। डायनामिक्स अचीवर्स ने सुजान ई इंडियन टाइगर्स को 7-6 से हराया। डायनामिक्स अचीवर्स की ओर से ब्यूटिस्टा ने विदेशी खेल से दर्शकों का मन मोहा।

जयपुर जिला क्रिकेट संघ

उदघाटन मैच में सुराणा क्रिकेट एकेडमी की रोमांचक जीत

जयपुर, 6 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए उदघाटन मैच में सुराणा क्रिकेट एकेडमी ने राजस्थान यूथ को रोमांचक मैच में एक विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर सुराणा क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीत कर पहले राजस्थान यूथ को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। राजस्थान यूथ की शुरुआती तीन विकेट 29 रनों पर गिरने पर आदित्य झाला के नाबाद 100 रन (89 गेंद, 11 चौके, 3 छक्के), रिहान अली के 56 रन, अभय शर्मा के 22 रन, विनय आमेरिया के 29 रन, जतिन सैनी के 20 रन व रोहन सिंह के नाबाद 31 रनों से 50 ओवर में 7 विकेट पर 285 रन बनाए। सुराणा एकेडमी के लिए सतीश धायल ने 52 पर 2, साकेत शर्मा ने 24 पर 2 विकेट, विकास जारवाल, राजवीर सिंह व प्रशांत यादव ने 1-1 विकेट लिए।

जवाबी पारी में सुराणा क्रिकेट एकेडमी ने साकेत शर्मा के 25 रन, भावित कुमावत के के 48 रन, राजवीर सिंह के 34 रन, प्रशान्त यादव के 60 रन, अनिल सैनी 44 रन, लोकेश खांडल के 29 रन, विकास जारवाल के 18 रनों से 50 ओवर की अंतिम गेंद पर 9 विकेट पर 286 रन बना कर रोमांचक जीत दर्ज की। राजस्थान यूथ के लिए कैफ गुडएज 38 पर 3, रोहन सिंह ने 49 पर 3, आदित्य झाला व जतिन सैनी ने 1-1 विकेट लिए।

राजस्थान यूनाइटेड और आइजोल एफसी के बीच कड़ा मुकाबला, मैच गोलरहित ड्रॉ

जयपुर, 6 फरवरी। विद्याधर नगर स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए आई-लीग मुकाबले में राजस्थान यूनाइटेड एफसी और आइजोल एफसी के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। मैच गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ, जिससे अंक तालिका में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ।

पहली सीटी बजते ही दोनों टीमों ने आक्रामक शुरुआत की और बढ़त लेने के लिए लगातार प्रयास किए। राजस्थान यूनाइटेड ने पहले हाफ में कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन आइजोल एफसी के रक्षात्मक किले को भेद नहीं पाए। दूसरी ओर, आइजोल एफसी ने भी राजस्थान की डिफेंस लाइन को चुनौती दी, लेकिन घरेलू टीम की मजबूत रक्षात्मक दीवार ने उन्हें कोई बड़ा मौका नहीं दिया। दूसरे हाफ में भी मुकाबला रोमांचक बना रहा। दोनों टीमों ने हमले तेज किए, लेकिन फिनिशिंग की कमी और दोनों पक्षों की सशक्त रक्षात्मक रणनीति के चलते स्कोरलाइन 0-0 पर ही रही। राजस्थान यूनाइटेड को घरेलू दर्शकों का भरपूर समर्थन मिला, लेकिन वे गोल करने में सफल नहीं हो सके। वहीं, आइजोल एफसी ने भी कुछ अच्छे मूव बनाए, लेकिन राजस्थान की डिफेंस ने अंतिम क्षणों में उन्हें रोक दिया। इस ड्रॉ के साथ राजस्थान यूनाइटेड एफसी मध्य तालिका में बना हुआ है, जबकि आइजोल एफसी को भी अपनी स्थिति सुधारने के लिए आगामी मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अब दोनों टीमें अपने अगले मुकाबलों की तैयारी में जुटेंगी, ताकि लीग में महत्वपूर्ण अंक अर्जित कर आगे बढ़ सकें। मैच के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने शिरकत की और चेयरमैन के के टांक और डायरेक्टर रोशनी टांक के प्रयास की भूरी भूरी प्रशंसा की।

आक्रामकता और निडरता से मिलती है जीतः एडवर्ड्स

मुम्बई 6 फरवरी। मुम्बई इंडियंस की मुख्य कोच शॉर्लोट एडवर्ड्स ने कहा खिलाड़ियों के बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में आक्रामकता और निडरता से मुकाबले में जीत हासिल होती हैं। वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के 14 फरवरी से शुरु होने वाले सत्र के पहले एमआई की कोच एडवर्ड्स यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुम्बई इंडियंस के खिलाड़ियों को पता होता है कि उनसे क्या अपेक्षा की जा रही है। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी गेंदबाजी, बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण के दौरान आक्रामक रूख अख्तियार करे। हमें मालूम है कि हम कहां मजबूत है। हम चाहते हैं कि हर खिलाड़ी निडरता से खेले और खेल का आनंद उठाए। खेल के दौरान जब खिलाड़ी चेहरे पर मुस्कान होती है तो इससे मुझे और गेंदबाजी कोच झूलन गोस्वामी को खुशी मिलती है। उन्होंने कहा, हमने पिछले वर्ष बेहतरीन क्रिकेट खेला था और इस साल भी हम उसी की मांग कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि लोग टीवी ऑन करें और एमआई को खेलते हुए देखे। हमने पिछले साल निश्चित रूप से ऐसा किया था और लोगों का मनोरंजन हुआ था।

श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन नौ विकेट पर 229 रन

चांदीमल (74) और कुसल मेंडिस (59) की शानदार पारी

गाले 6 फरवरी। दिनेश चांदीमल (74) और कुसल मेंडिस (59) की शानदार पारी के दम पर श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को नौ विकेट पर 229 रन बनाकर चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर लिया है।

आज यहां गाले अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। आठवें ओवर में नेथन लायन ने पथुम निसंका (11) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये दिनेश चांदीमल ने दिमुथ करुणारत्ने के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 70 रनों की साझेदारी हुई। नेथन लायन ने दिमुत करुणारत्ने (36) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद एंजलो मैथ्यूज (एक), कामिंडु मेंडिस (13) और कप्तान धनंजय डीसिल्वा (शून्य) पर आउट हुये। श्रीलंका का छठ विकेट दिनेश चांदीमल के रूप में गिरा। उन्हें मैथ्यू कुनमन ने आउट किया। दिनेश चांदीमल ने 163 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के की मदद से (74) रनों की पारी खेली। रमेश मेंडिस (28) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए प्रभात जयसूर्या (शून्य) और निशान पीरिस (शून्य) के विकेट झटकर श्रीलंका के लिए संकट खड़ा कर दिया। ऐसे समय में बल्लेबाजी करने आये आखिरी बल्लेबाज लाहिरू कुमारा ने संयम का परिचय देते हुए 12 गेंदों का सामना किया लेकिन एक भी रन नहीं बना पाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट पर 229 रन बनाये लिये थे और कुसल मेंडिस (नाबाद 59) ओर लाहिरू कुमार (शून्य) पर क्रीज पर थे।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से नेथन लायन और मिचेल स्टार्क ने तीन- तीन विकेट लिये। मैथ्यू कुनमन को दो विकेट मिले। ट्रेविस हेड ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले भाजपा विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री शर्मा ने सदन में विपक्ष के द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर सत्ता पक्ष के सदस्यों को अपडेट रहने, उसके अनुरूप योजना बनाने, एकजुट होकर विपक्ष आरोपों का जवाब देने के लिये सदन में ज्यादा से ज्यादा समय मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं।

शेख हसीना के बयानों पर बंगलादेश ने कड़ा विरोध दर्ज कराया

ढाका/नयी दिल्ली, 06 फरवरी। बंगलादेश की सेना समर्थित अंतरिम सरकार ने गुरुवार को भारत में शरण लिए हुए अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिए गए झूठे और मनगढ़त बयानों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। न्यूएजबीडी की रिपोर्ट के अनुसार विदेश मंत्रालय ने भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बाधे को एक विरोध पत्र सौंपा। उन्हें, सोशल मीडिया पर हसीना के ऑडियो बयान प्रसारित होने के एक दिन बाद मंत्रालय में तलब किया गया था। मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञिप्त में कहा गया है, ढ ाका में भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त को सौंपे गए विरोध पत्र के माध्यम से मंत्रालय ने बंगलादेश सरकार की गहरी चिंता, निराशा और गंभीर आपत्ति व्यक्त की है क्योंकि इस तरह के बयान बंगलादेश में लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। विज्ञिप्त में कहा गया है, विदेश मंत्रालय ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा बंगलादेश में अस्थिरता को भड़काने के लिए सोशल मीडिया सहित बयानों पर भारत सरकार के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

कुंजीलाल, भगत व ठाकुर अतिरिक्त मुख्य सचिव बने

राजीव सिंह ठाकुर

अश्विनी भगत

कुंजीलाल मीणा

जयपुर, 6 फरवरी (कासं)। राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को पदोन्नत करके अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया है। इस संबंध में गुरूवार को आदेश जारी किए गए। आदेश के मुताबिक, वर्ष 1995 बैच के वरिष्ठ आई.ए.एस. राजीव सिंह ठाकुर, अश्विनी भगत और कुंजीलाल मीणा को भारतीय प्रशासनिक सेवा की अबॉव सुपर टाइम वेतन श्रृंखला से मुख्य सचिव वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया है। राज्य सरकार ने अल्प संख्यक मामलात एवं वक्फ विभाग राजस्थान जयपुर में प्रमुख शासन सचिव के पद पर कार्यरत अश्विनी भगत को इसी विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर लगाया है।

- **गुरुवार को जारी आदेश में 1995 बैच के तीनों आईएएस अधिकारियों को मुख्य सचिव वेतन श्रृंखला में पदोन्नत किया गया।**

मुख्यमंत्री, सभी भाजपा विधायक व मंत्री 8 को कुंभ स्नान करेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल ने भाजपा विधायक दल की बैठक में विधायकों को अधिक समय सदन में रहने के निर्देश दिए

जयपुर, 6 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को, विधानसभा का सत्र शुरू होने से पहले, हां पक्ष लॉबी में भाजपा विधायक दल की बैठक आयोजित की गई। हर मंगलवार को होने वाली विधायक दल की बैठक मंगलवार को छुट्टी होने के कारण इस बार गुरुवार को हुई। बैठक में मुख्यमंत्री शर्मा ने सदन में विपक्ष के द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर सत्ता पक्ष के सदस्यों को अपडेट रहने, उसके अनुरूप योजना बनाने, एकजुट होकर विपक्ष आरोपों का जवाब देने के लिये सदन में ज्यादा से ज्यादा समय मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित सरकार के सभी मंत्री और भाजपा विधायक 8 फरवरी को सपत्नीक स्नान करने जाएंगे। जानकारी के अनुसार, सुबह 6 बजे सभी विधायक और मंत्री सांगानेर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। सुबह 8:30 बजे सभी का प्रयागराज में संगम में स्नान करने का कार्यक्रम रहेगा। यहां पंडितों और संतों की मौजूदगी में मंत्रोचार के साथ स्नान होगा। इसके बाद, सभी प्रयागराज में राजस्थान के लोगों को रुकने के लिए बनाए गए राजस्थान मंडपम में जाएंगे। जहां मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक होगी। इसके बाद, यहीं पर लंच का कार्यक्रम रखा गया है। यहां से सभी मंत्री और विधायक प्रयागराज में स्थित लेटे हुए हनुमान जी मंदिर में जाकर पूजा अर्चना करेंगे और वहां से शाम 8 बजे तक जयपुर लौटने का कार्यक्रम है।

- **संगम में स्नान के बाद, राजस्थान मंडपम में मुख्यमंत्री भजनलाल की अध्यक्षता मंत्रिमंडल की बैठक होगी। यह मंडपम प्रयागराज में राजस्थान के लोगों के रुकने के लिये बनाया गया है।**

'अवैध अप्रवासियों को डिपोर्ट करने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अखिलेश यादव शामिल थे, ने भारतीय नागरिकों के अपमानजनक डिपोर्टेशन पर नाराजगी जताई और भारी हंगामा किया।

सांसदों ने इस विषय पर संसद में बहस कराने की मांग करते हुए, भारतीयों के साथ किए गए अपमानजनक व्यवहार पर नाराजगी जताई। उनहोंने तख्तियां ले रखी थीं, जिस पर लिखा था "इंसान हैं, अपराधी नहीं।" उनमें से कुछ ने हथकड़ियां भी पहनी हुई थी।

इस मुद्दे पर अखिलेश ने एन.डी.ए. पर कटाक्ष किया कि जिन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना दिखाया था, वे चुप क्यों है।

उन्होंने कहा भारतीयों को गुलामों की तरह हथकड़ी बांध गैर मानवीय हालात में लाया गया। विदेश मंत्रालय क्या कर रहा है। इस सरकार ने औरतों व बच्चों को इस अपमान से बचाने के लिए क्या किया? हम चाहते हैं सरकार जवाब दे और विपक्ष को सदन में यह मुद्दा उठाने की अनुमति दे।"

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी, जो कि ट्रम्प के अच्छा दोस्त होने का दावा करते हैं, उन्होंने ऐसा कैसे होने दिया। प्रधानमंत्री मोदी और ट्रम्प अच्छे दोस्त हैं इस पर बहुत बातें की जाती हैं, पर प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा कैसे होने दिया। क्या उन्हें वापस लाने के लिए हम अपना विमान नहीं भेज सकते थे, क्या इंसानों के साथ ऐस बर्ताव किया जाता है। उन्हें बेड़ियों में जकड़कर भेजा गया। विदेश मंत्री और प्रधानमंत्री को जवाब देना चाहिए।

कांग्रेस के सांसद गुरजीत सिंह औजला ने भी यही चिंता जताई। उन्होंने कहा, अवैध अप्रवासियों को जिस तरह से वापस लाया गया, वह गलत है। उन्हें अपमानित किया गया। हाथ और पैर चैन से बंधे थे। जब हमारी सरकार जानती थी कि उन्हें वापस भेजा जाएगा तो सरकार को अपना विमान भेजना चाहिए था।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, मैं अमेरिका की सरकार के आचरण से निराश हूं। भारत और अमेरिका के इतने अच्छे रिश्ते हैं, पर जिस तरह से उन्होंने भारतीयों को सैन्य विमान में ठूंसकर तथा बेड़ियों में जकड़कर भेजा हैं, वह अमानवीय है। मैं हैरान हूं कि प्रधानमंत्री चुप हैं व विदेश मंत्रालय चुप है। उन्हें इस पर बयान देना चाहिए।

मोदी सरकार के "डैमेज कंट्रोल" का उदाहरण पंजाब में आप सरकार व गुजरात में भाजपा सरकार द्वारा इन यात्रियों की वापसी से निपटने के तरीके से दिखाई दिया।

जहां अमृतसर में आप सरकार ने मीडिया को वापस लौटे लोगों से बात करने की अनुमति दी, लेकिन जब 26 लोगों का जत्था अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचा तो उन्हें राज्य पुलिस ने उनके स्थानों तक पहुंचा दिया, मीडिया को उनसे बात नहीं करने दी।

वायुसेना का मिराज 2000 दुर्घटना ग्रस्त

शिवपुरी, 06 फरवरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के पपरेडू गांव के पास आज वायुसेना का एक लड़ाकू विमान 'मिराज 2000' तकनीकी खराबी के चलते दुर्घटनाग्रस्त होकर खेत में गिर गया। हालांकि समय रहते दोनों पायलटों ने सूझबूझ का परिचय दिया और वे सुरक्षित हैं।

वायुसेना के अनुसार, इस संबंध में जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जांच से विमान हादसे का वास्तविक कारण पता चल सकेगा। लड़ाकू विमान ने ग्वालियर स्थित वायुसेना के हवाईअड्डे से उड़ान भरी थी और वह नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था। कुछ देर बाद, विमान ग्वालियर संभाग के शिवपुरी जिले में दुर्घटनाग्रस्त होकर खेत में गिर गया। इसके पहले ही, दोनों पायलट पैराशूट की मदद से विमान से कूदने में सफल रहे। विमान का मलबा खेत में बिखर गया और उसमें आग लग गयी।

कांग्रेस को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उठाये अधिकांश मुद्दों, तथा उनके शासन-प्रशासन एवं आदर्श आचार संहिता से सम्बंधित मुद्दों के बारे में कहने के लिये कुछ नहीं है।

क्या दिल्ली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की भविष्यवाणी की है।

दिल्ली में मतदान कुल 60.42 प्रतिशत हुआ जो कि 2020 के विधानसभा चुनाव के 62.59 प्रतिशत से कुछ कम है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन क्षेत्रों में जैसे- साउथ दिल्ली, न्यू दिल्ली में मध्यम वर्ग ज्यादा रहता है, वहाँ मतदान प्रतिशत काफी कम क्रमश: 58.16 और 57.13 प्रतिशत रहा।

मध्यम वर्ग क्षेत्रों में मतदान में कमी और आप की सीटों में कमी के बीच कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं बताते है, लेकिन ये मध्यम वर्ग के मतदाताओं के आप से दूर होने का संकेत अवश्य देते हैं।

'पद्मेश मिश्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करके चुनौती नहीं दी जा सकती है, इसलिए याचिका खारिज की जाए।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने कहा कि, "वाद नीति-2018" में जो संशोधन किया गया है, वह राज्य कैबिनेट के द्वारा किया गया है। इस पर यह आक्षेप लगाना कि यह संशोधन किसी व्यक्ति विशेष को फायदा पहुंचाने के लिए मनमाने तरीके से किया गया है, उचित नही है। इस आरोप को सिद्ध करने के लिए बेहद गंभीर साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे। अदालत ने कहा कि सिर्फ यह कह देना पर्याप्त नहीं होगा कि मिश्रा की दोनों नियुक्तियां उन्हें फायदा पहुंचाने के लिए की गई हैं। राज्य सरकार के पास नीति परिवर्तन का पूरा अधिकार है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है।

'कैदी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के मानवाधिकारों की रक्षा करे।

परिवाद में कहा गया कि उसका पति मुकेश हत्या के प्रयास में अजमेर जेल में बंद है। जेल परिसर में अप्रैल, 2017 को बैरक तलाशी में मुकेश के पास कुछ नहीं मिला। इसके बावजूद, जेलकर्मियों ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट की और बदले में रुपए मांगे गए। परिवाद में, जेल में सुविधाएं उपलब्ध कराने के बदले रुपए लेने की जानकारी दी गई। इस पर आयोग ने पूर्व में प्रसंज्ञान लेकर रिपोर्ट तलब की थी। इसके साथ ही अदालत में पेश दो रिपोर्टों में विरोधाभास होने पर अदालत ने उच्चाधिकारियों से तीसरी रिपोर्ट तलब की, जिसमें कैदी के साथ मारपीट की बात कही गई।

महाकुंभ जा रहे भीलवाड़ा के आठ श्रद्धालुओं की सड़क दुर्घटना में मौत

दूदू के पास टायर फटने से रोडवेज बस डिवाइडर फांद कार से टकराई

जयपुर, 6 फरवरी। जयपुर के दूदू जिले के मौखमपुरा थाना इलाके में गुरुवार दोपहर 3.45 बजे एक रोडवेज बस और कार के बीच टक्कर में 8 लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना पर एडीएम गोपाल परिहार व नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे। पुलिस और प्रशासन ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि यह हादसा बस का टायर फटने से हुआ है। पुलिस के अनुसार, नेशनल हाईवे 48 पर मोखमपुरा स्थित बंबोरिया की ढाणी के पास बस और कार में भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद, स्थानीय लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की। तथापि, घटना इतनी भयानक थी कि किसी को बचाया नहीं जा सका।

एसपी आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि रोडवेज बस जयपुर से अजमेर जा रही थी और कार अजमेर से जयपुर की ओर आ रही थी। इसी दौरान, अचानक टायर फटने से बस बेकाबू हो गई और डिवाइडर कूदकर दूसरी तरफ से आ रही कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार बुरी तरह पिचक गई। उसके अंदर बैठे सभी आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार सभी लोग भीलवाड़ा के रहने वाले थे। मृतकों की उम्र 30 से 50 साल के बीच बताई जा रही है। ये लोग प्रयागराज महाकुंभ जा रहे थे। मृतकों की पहचान दिनेश कुमार पुत्र मदनलाल रेगर, बबलू मेवाड़ा पुत्र मदन मेवाड़ा, किशन पुत्र जानकी लाल, रविकांत पुत्र मदनलाल, बाबू रेगर पुत्र मदनलाल, नारायण निवासी बड़लियास (भीलवाड़ा) व प्रमोद सुथार पुत्र मूलचंद, निवासी मुकुंदपुरिया (भीलवाड़ा) के रूप में हुई। एक शव की पहचान के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार, जयपुर की तरफ से जोधपुर डिपो की बस आ रही थी। बस के ड्राइवर की तरफ वाला आगे वाला टायर फट गया, जिससे बस डिवाइडर पार कर दूसरी तरफ चली गई। कार में फंसे शवों को बड़ी मुश्किल से बाहर निकाला गया। दूदू हादसे पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने दुख जताया है। दीया कुमारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान में कहा, "जयपुर के दूदू में हुए भीषण सड़क हादसे में कई नागरिकों के हताहत होने का हृदय विदारक समाचार प्राप्त हुआ। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दे। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु प्रार्थना करती हूं।"

- **हादसे में कार बुरी तरह पिचक गई। कार में बैठे आठों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की उम्र 30 से 50 साल के बीच थी।**

सांसद-विधायकों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तकनीकी सहयोग की जरुरत हो तो राज्य सरकार उस पर भी विचार करे। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस इन्द्रजीत सिंह की विशेष खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट की आदेश की पालना में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद को कहा है कि वे इन आपराधिक मामलों के जल्दी निस्तारण को लेकर दो माह में अपने सुझाव पेश करें।

सुनवाई के दौरान, हाईकोर्ट प्रशासन की ओर से रिपोर्ट पेश कर कहा गया कि प्रदेश में एमपी-एमएलए से जुड़े तीन दर्जन से अधिक प्रकरण लंबित हैं। रिपोर्ट में इन मुकदमों से जुड़ी अदालतों और लंबित अवधि की जानकारी भी दी गई। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2023 में एमपी-एमएलए से जुड़े आपराधिक मामलों को लेकर हाईकोर्ट को निर्देश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को कहा था कि वे इन केसों के संबंध में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेकर विशेष पीठ के जरिए सुनवाई करें और लंबित प्रकरणों की सुनवाई जल्दी पूरी करने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी करें। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को संबंधित अदालतों से इन प्रकरणों की प्रगति रिपोर्ट भी मांगने को कहा था। वहीं, एक वेबसाइट भी बनाने को कहा था, जिसमें यह ब्यौरा हो कि किस जिले में एमपी-एमएलए के खिलाफ कितने केस पेंडिंग हैं और उनकी स्थिति क्या है।

डिस्कवरी चैनल के अधिकारियों को धमकी, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को नोटिस जारी किये

नयी दिल्ली, 06 फरवरी। उच्चतम न्यायालय ने डिस्कवरी चैनल के अधिकारियों को अंतरिम सुरक्षा दी, जिन्हें आसाराम बापू पर बनी डॉक्युमैंट्री सीरीज़ "कल्ट ऑफ फियर: आसाराम बापू" रिलीज के बाद कथित तौर पर धमकियां दी जा रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने डिस्कवरी चैनल के कर्मचारियों की याचिका पर केंद्र और अन्य राज्य सरकारों को गुरुवार को नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने राज्य सरकारों को नोटिस जारी करते हुए उन्हें याचिकाकर्ता शशांक वालिया और अन्य तथा उनके कार्यालयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।

पीठ ने महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और दिल्ली को नोटिस जारी किया।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि 25 जनवरी को उस डॉक्यूमेंट्री के डिस्कवरी चैनल के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर शुरू होने के बाद संबंधित कंपनी कर्मचारियों को स्वयंभू संत आसाराम के अनुयायियों द्वारा धमकियां दी जा रही हैं।

शीर्ष अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव मुखर्जी ने कहा कि शिकायत के बाद भी धमकियां जारी हैं।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि उन्हें आशंका है कि आसाराम बापू के स्वयंभू समर्थक डिस्कवरी, इसकी सहायक कंपनियों, मूल संस्थाओं और इसके कर्मचारियों, प्रबंधन, निदेशकों सहित याचिकाकर्ताओं के खिलाफ हिंसा, बर्बरता या अन्य आपराधिक कृत्यों का सहारा ले रहे हैं और वे आगे भी ऐसा करना जारी रख सकते हैं। आसाराम के स्वयंभू समर्थकों की ओर से दी जा रहीं ये धमकियां संविधान के अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 19(1)(ए) और (जी) और 21 के तहत याचिकाकर्ताओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

- **डिस्कवरी चैनल पर आसाराम बापू पर एक डॉक्यूमैंट्री सीरीज़ प्रसारित करने के बाद, आसाराम समर्थक डिस्कवरी चैनल के स्टाफ को धमकियां दे रहे हैं।**

पाकिस्तान से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेक्टर नौ में स्थित श्रीगुरुकार्ष्णि के शिविर में से सिंध प्रांत से आए गोबिंद राम माखीजा ने बताया, पिछले दो तीन महीनों से, जब से हमने महाकुंभ के बारे में सुना है, हमारी बड़ी इच्छा थी यहां आने की। हम खुद को आने से रोक नहीं सके।

भीमा कोरेगांव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने इसके अलावा सह-आरोपी महेश राउत को दी गई जमानत के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अपील को भी स्थगित कर दिया। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद ग्रोवर की इस दलील पर गौर किया कि गाडलिंग एक अधिवक्ता थे, जो तथाकथित माओवादियों का प्रतिनिधित्व करते थे। न्यायमूर्ति बिंदल ने हालांकि टिप्पणी की, वे सिर्फ प्रतिनिधित्व नहीं, बल्कि कई अन्य काम कर रहे थे। इस पर अधिवक्ता ग्रोवर ने कहा कि ये महज आरोप थे, जिन्हें गलत साबित किया जा सकता है। न्यायमूर्ति बिंदल ने मुकदमे में देरी पर चिंता जताई, जबकि अधिवक्ता ग्रोवर ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 207 के तहत केवल प्रारंभिक कार्यवाही चल रही है। उन्होंने रिकॉर्ड पेश करने के लिए अतिरिक्त समय देने की अदालत के समक्ष गुहार लगाई।

'यूजीसी के जरिए संघ का "एक इतिहास, एक परम्परा, एक भाषा "एजेंडा" थोप रही है भाजपा'

राहुल गांधी ने युनिवर्सिटीज़ और कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति में यूजीसी ड्राफ्ट रैगुलेशन्स के खिलाफ टिप्पणी की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 फरवरी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज आरोप लगाया कि विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षकों और अकादमिक स्टाफ की नियुक्ति के लिये यूजीसी के ड्राफ्ट रेग्यूलेशन आरएसएस के एजेंडा को आगे बढ़ाने की स्पष्ट कोशिश है। उन्होंने कहा कि आरएसएस का उद्देश्य देश पर "एक इतिहास, एक परम्परा, एक भाषा" को थोपने के लक्ष्य को प्राप्त करना रहा है।

यहाँ द्रमुक द्वारा ड्राफ्ट यूनिवर्सिटी ग्रान्ट कमीशन (यूजीसी) के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन में बोलते हुये, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य देश के सभी अन्य इतिहासों, संस्कृतियों और परम्पराओं को मिटाना है।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "विभिन्न राज्यों की शिक्षा व्यवस्था के संबंध में जो कोशिश की जा रही है, वह इसके (आरएसएस) एजेंडा को आगे बढ़ाने की एक और कोशिश ही है।"

उन्होंने कहा, "प्रत्येक राज्य की अपनी परम्पराएं, इतिहास और भाषा होती है और यही कारण है कि मैं कहता रहता हूँ कि संविधान में, भारत को "राज्यों का संघ" कहा गया है, जिसका मतलब है कि इन सभी राज्यों का इतिहास, परम्पराएं तथा भाषाएं मिलकर भारत को राज्यों का संघ बनाती हैं तथा इसलिये हमें इसके बारे में सोचना ही होगा।"

उन्होंने कहा, "हमें सभी भाषाओं, सभी संस्कृतियों, सभी परम्पराओं और सभी इतिहासों का सम्मान करना ही होगा तथा हमें यह समझना ही होगा कि ये सब चीजें कहाँ से आ रही हैं।"

उन्होंने कहा कि तमिल लोगों का अपना इतिहास, भाषा और परम्पराएं है तथा उनके अपने संघर्ष रहे हैं।

राहुल ने यूजीसी के ड्राफ्ट रेग्यूलेशंस को लेकर कहा, "यह सब करना तमिल लोगों का तथा उन सभी अन्य राज्यों का भी अपमान है, जहाँ आरएसएस अपना आधिपत्य थोपने की कोशिश कर रही है।"

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी भाजपा-आरएसएस पर प्रहार करते हुये, आरोप लगाया कि ये दोनों सभी राज्य सरकारों के सभी अधिकार छीन लेना चाहते हैं।

यादव ने कहा, "वे राजनेताओं को उद्योगपतियों के नौकर बनाना चाहते हैं। हम नई शिक्षा नीति का समर्थन कभी नहीं कर सकते। मैं यहाँ सभी विद्यार्थियों और उनके द्वारा लिए गए निर्णय का समर्थन कर रहा हूँ। मैं एनईपी (नैशनल एजुकेशन पॉलिसी) के खिलाफ हूँ, मैं भाजपा के खिलाफ हूँ।"

कांग्रेस ने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों तथा शैक्षिक स्टाफ की नियुक्ति के ड्राफ्ट यूजीसी रेग्यूलेशंस को "क्रूर और संविधान-विरोधी" बताया है तथा मांग की है कि इन्हें तत्काल वापस लिया जाये।

ड्राफ्ट रेग्यूलेशंस को लेकर केन्द्र पर प्रहार करते हुये, कांग्रेस ने कहा कि यह सफाई देना कि नियम एनईपी, 2020 की अनुपालना में अपडेटेड कर दिये गये हैं, संवीक्षा को नहीं रोक सकते तथा ये वापस लिये ही जाने चाहिये।

कांग्रेस के महासचिव तथा कम्यूनिकेशन इंचार्ज जयराम रमेश ने कहा है कि कर्नाटक के मंत्री एम.सी. सुधाकर ने "स्टेट हायर एजुकेशन मिनिस्टर्स कॉन्क्लेव" बेंगलुरु में बुलाई थी, जिसमें कर्नाटक, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश तथा झारखंड (सभी विपक्ष-शासित राज्य) के उच्च शिक्षा मंत्री या उनके प्रतिनिधि शामिल हुये थे। इस कॉन्क्लेव में यूजीसी के "निष्ठुर" ड्राफ्ट रेक्यूलेशंस पर एक पन्द्रह-सूत्रीय प्रस्ताव पारित किया गया था।

रमेश ने कहा, "संघवाद का संवैधानिक सिद्धांत परम पावन एवं अलंघनीय है तथा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के चरम प्रयत्नों में से एक होना चाहिये। एनईपी, 2020 इस पर हावी नहीं हो सकता तथा जो नियम एनईपी, 2020 की अनुपालना में अपडेट किये गये हैं, वे इसकी संवीक्षा को नहीं रोक सकते।"

रमेश ने कहा कि ये ड्राफ्ट रेग्यूलेशंस तत्काल वापस लिये जाने चाहिये।

कर्नाटक सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार को आयोजित कॉक्लेव का उद्देश्य था - ड्राफ्ट "यूनिवर्सिटी ग्रान्ट्स अपॉइन्मैंट एंड प्रमोशन ऑफ टीचर्स एंड एकेडेमिक स्टाफ इन यूनिवर्सिटीज़ एंड कॉलेजेज़ एंड मैज़र्स फॉर द मैंटीनैंस ऑफ स्टैंडर्ड्स इन हायर एजुकेशन रेग्यूलेशंस, 2025" के विभिन्न प्रावधानों पर चर्चा करना तथा एनईपी, 2020 के क्रियान्वयन पर आधारित उच्च शिक्षा संस्कानों की ग्रेडिंग पर चर्चा करना।

- **यूजीसी के कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में नियुक्ति के संबंध में जारी ड्राफ्ट रैगुलेशन्स के खिलाफ दिल्ली में जंतर-मंतर पर द्रमुक ने विरोध प्रदर्शन आयोजित किया, जिसमें सभी विपक्षी दलों ने शिरकत की।**
- **सपा नेता अखिलेश यादव ने भी संघ व भाजपा पर निशाना साधा, वे राज्यों से सभी अधिकार लेना चाहते हैं। अखिलेश ने कहा, हम नई शिक्षा नीति का समर्थन कभी भी नहीं कर सकते हैं।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908